RNI:
UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 287
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, रविवार, 11 फरवरी, 2024

द अचीवर टाइम्स

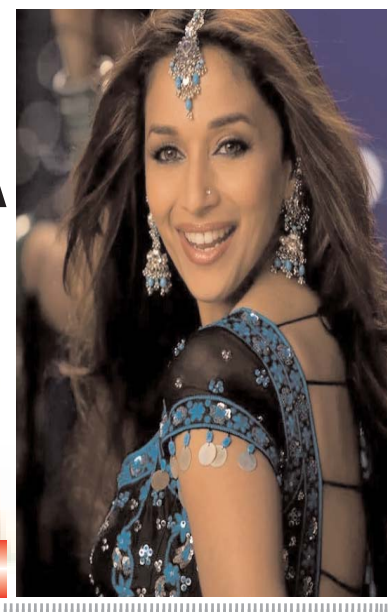

पांच साल रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म के रहेः प्रधानमंत्री

दुनिया ने भारत की ताकत देखी :पी एम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के अंतिम दिन आज लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये पांच वर्ष देश में रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के रहे। यह बहुत कम होता है कि सुधार हों, काम हों और हम बदलाव को अपनी आंखों के सामने होता हुआ देखें। सत्रहवीं लोकसभा के माध्यम से आज देश अनुभव कर रहा है और मुझे भरोसा है कि देश सत्रहवीं लोकसभा को जरूरत आशीर्वाद देता रहेगा। अध्यक्ष जी, कभी-कभी सुमित्रा जी हास्य करती थीं, लेकिन आपका चेहरा हमेशा मुस्कराता हुआ रहता है। अनेक परिस्थितियों में आपने संतुलित भाव से इस सदन का मार्गदर्शन और नेतृत्व किया। मैं आपकी प्रशंसा करता हूं। पीएम मोदी ने कहा, आक्रोश और आरोप के पल आए, लेकिन आपने पूरे धैर्य के साथ पूरी

स्थितियों को सूझबूझ के साथ संभाला और सदन को चलाया। इसके लिए भी मैं आपका आभारी हूं। इस पांच वर्ष में इस सदी का सबसे बड़ा संकट पूरी मानव जाति ने झेला। कौन बचेगा, कौन बच पाएगा, कोई किसी को बचा सकता है या नहीं... ऐसी वो अवस्था थी। ऐसे में सदन में आना भी संकट का काम था। देश के काम को आपने रुकने नहीं दिया। सदन की गरिमा भी बनी रहे और देश के आवश्यक कामों को जो गति देनी चाहिए, वो भी बनी रहे, इस काम में सदन की जो भूमिका है, वह पीछे न रहे। इसे आपने कुशलता से संभाला।

आपने स्थाई व्यवस्थाओं का निर्माण किया है। आपकी पहल और सभी के संयुक्त प्रयास की वजह से 17वीं लोकसभा में 97त्न कामकाज हुआ है। यह अपने आप में प्रसन्नता का विषय है। सात सत्र तो सौ फीसदी से ज्यादा प्रोडक्टिविटी वाले रहे। अपने रात-रात भर बैठकर हर सांसद की बात को सरकार के ध्यान में रखने का प्रयास किया। मैं इस सफलता के लिए सभी सांसदों का आभार व्यक्त करता हूं। पहले सत्र में दोनों सदन में तीस विधेयक पारित किए गए। यह अपने आप में रिकॉर्ड है। नए-नए मानदंड स्थापित हुए। आजादी के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव आया। हम सभी को कितना बड़ा सौभाग्य मिला कि हमें यह अवसर प्राप्त हुआ। शायद ही कोई सांसद ऐसा होगा, जिसने आजादी के 75 वर्ष को लोकोत्सव बनाने में कसर नहीं छोड़ी। संसद का नया भवन होना चाहिए, इसकी सभी ने चर्चा की। लेकिन ये आपका नेतृत्व है, जिसने इस काम को आगे बढ़ाया। उसी का परिणाम है कि आज देश को नया संसद भवन प्राप्त हुआ है। संसद के नए भवन में विरासत का अंश और आजादी के पहले पल को जीवंत रखने के लिए सेंगोल रखने का काम हुआ। यह भारत की आने वाली पीढ़ियों को हमेशा आजादी के प्रथम पल के साथ जोड़कर रखेगा। हमें इससे देश को आगे ले जाने की प्रेरणा भी मिलेगी। पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर के लिए हुए बड़े फैसलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, सरकार जम्मू-कश्मीर को सामाजिक न्याय का वादा देकर संतोष का अनुभव कर रही है। आतंकवाद नासूर बन कर देश के सीने पर गोलियां चलाता रहता था। मां भारती की धरा आए दिन रक्तरंजित होती थी। देश के अनेक वीर, होनहार सपूत आतंकवाद की बलि चढ़ जाते थे। हम आंतकवाद के विरुद्ध थे। हमारे सदन ने आतंकवाद के खिलाफ कई कानून बनाए।

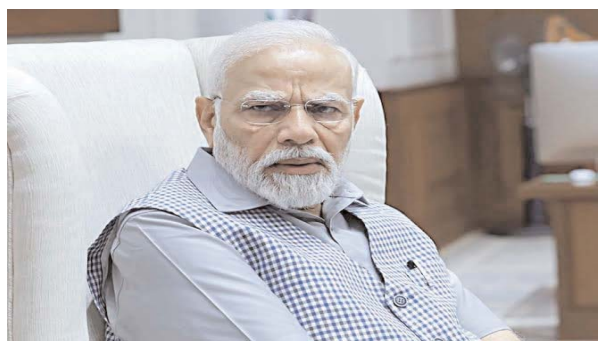

ये बात सही है कोई भी मानव जाति अनुसंधान के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। मानव जाति का लाखों साल का इतिहास रहा है, जीवन बढ़ता चला गया है, अनुसंधान चलता रहा है। सदन ने विधिवत रूप से कानून के जरिए अनुसंधान को बढ़ावा देने का काम किया है। नेशनल रिसर्च फाउंडेशन के जरिए उल्लेखनीय काम हो रहे हैं।

अगले 25 साल में हमें भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है

बकौल पीएम मोदी, आज मैं देख रहा हूं, बच्चों के मुंह से निकल रहा है कि अगले 25 साल में हमें भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। उन्होंने कहा, 25 साल मेरे देश के युवाओं के लिए महत्वपूर्ण काल है। मुझे विश्वास है कि हम में से कोई नहीं होगा जो 25 साल में देश का विकास न कर सके। यह लोगों का संकल्प बन रहा है। इन पांच वर्ष में युवाओं के लिए बहुत कानून भी बने हैं। व्यवस्था में पारदर्शिता लाकर युवाओं को कई मौके दिए गए। पेपर लीक जैसी समस्या युवाओं को चिंतित करती थी, हमने बहुत ही कठोर कानून बनाए हैं। युवाओं के मन में सवालिया निशान और व्यवस्था के प्रति उनका गुस्सा था। लेकिन हमने कानून बनाकर उन्हें दूर किया है।

नारी शक्ति वंदन कानून का जिक्र

हाल ही में बदले गए आपराधिक कानूनों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, हम 75 वर्षों तक अंग्रेजों की दी गई भारतीय दंड संहिता में ही जीते रहे। हम गर्व से कहेंगे, देश 75 साल दण्ड संहिता में जिया हो लेकिन आने वाली पीढ़ी न्याय संहिता में जिएगी। यही सच्चा लोकतंत्र हैं। नया सदन का प्रारंभ ऐसे काम से हुआ है जो भारत के मूलभूत मान्यताओं को बल देता है, वो है नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण) है।

एक नज़र

25 साल में पहली बार बदला महाराष्ट्र का सियासी गणित

मुंबई। 10 जून 2022 के बाद महाराष्ट्र का सियासी गणित बदल गया है। उस दिन सूबे में राज्यसभा की छह सीटों के लिए चुनाव हुए थे, जिसमें भाजपा ने तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार को चकमा देकर तीसरी सीट भी जीत ली थी। विगत 25 सालों में यह पहला अवसर है, जब सूबे के दो बड़े राजनीतिक खिलाड़ी शरद पवार और उद्धव ठाकरे अब इस स्थिति में नहीं हैं कि कोई जादू कर सकें। इससे सूबे में राज्यसभा की 6 सीटों पर होने वाले चुनाव में एक बार फिर चमत्कार होने की संभावना जताई जा रही है। महाराष्ट्र में राज्यसभा की 6 सीटों पर 27 फरवरी को चुनाव होना है। भाजपा के तीन सदस्य नारायण राणे, प्रकाश जावड़ेकर और वी मुरलीधरन, एनसीपी की वंदना चव्हाण, कांग्रेस के कुमार केतकर और शिवसेना (यूबीटी) के अनिल देसाई अप्रैल में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। राज्य की 288 विधानसभा सीटों में से शिवसेना विधायक अनिल बाबर एवं भाजपा के गोवर्धन शर्मा की मृत्यु होने और कांग्रेस के सुनील केदार को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद कुल संख्या 285 है। एक उम्मीदवार के लिए 42 मतों की आवश्यकता है। सबसे ज्यादा 104 विधायक भाजपा के हैं। वहीं, एनसीपी (अजित गुट) के 44 और शिंदे की शिवसेना के 39 विधायक हैं। इसके अलावा सत्ता पक्ष को निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन प्राप्त है। विधायकों की संख्या के लिहाज से भाजपा तीन, शिवसेना और एनसीपी एक सीट आसानी से जीत सकती है। वहीं, विपक्ष में कांग्रेस के 44, शिवसेना (यूबीटी) के 16 और एनसीपी (शरद गुट) के 11 विधायक हैं। कांग्रेस भी एक सीट जीत सकती है, लेकिन 6 सीटों के लिए 7 उम्मीदवार मैदान में उतरे तो खेला हो सकता है। शरद पवार और उद्धव ठाकरे के पास अंकगणित नहीं है। वहीं, भाजपा में एक अनार सौ बीमार वाली स्थिति है। नारायण राणे और प्रकाश जावड़ेकर का पत्ता कट सकता है। दो दिन पहले उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास पर हुई बैठक में संजय उपाध्याय, पंकजा मुंडे, विनोद तावड़े, अमरीश पटेल, हर्षवर्धन पाटिल, माधव भंडारी और महिला प्रदेश अध्यक्ष चित्रा वाघ के नाम पर चर्चा हुई है।

1985 में निर्दलियों से बनी थी पूरी पाक संसद

क्या इस बार इमरान समर्थक आजाद बनाएंगे सरकार?

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान में हुए आम चुनाव के नतीजे आ रहे हैं। गुरुवार को 855 निर्वाचन क्षेत्रों में नेशनल असेंबली (ह्व) और प्रांतीय विधानसभाओं (क्क) के लिए मतदान हुआ था। इसके बाद बीते दो दिन से वोटों की गिनती हो रही है। सबकी नजरें संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली के नतीजों पर हैं जहां कुल 266 सीटों के लिए चुनाव हुए थे। अब तक के नतीजों में सबसे ज्यादा सीटें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित उम्मीदवारों ने जीती हैं। दूसरे नंबर पर नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) है। पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ ने अपने भाषण में गठबंधन सरकार बनाने की इच्छा का संकेत दिया है। वहीं, इमरान समर्थकों ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग धांधली कर रहा है। इस वजह से आधिकारिक तौर पर सभी नतीजे घोषित होने में हो रही देरी हो रही है। इन तमाम परिस्थितियों के बीच सबसे बड़ा सवाल है कि क्या निर्दलीय विजेता सरकार बना पाएंगे? देश में सरकार किसकी होगी? प्रधानमंत्री कौन बनेगा? इमरान खान की पार्टी पीटीआई के पास अब क्या विकल्प हैं? जानते हैं सब कुछ...

पत्रकार वुसअतुल्ला खान ने डॉन अखबार को बताया कि जनरल जियाउल हक के समय में पूरी संसद निर्दलियों से बनी थी। 1985 में बिना पार्टी के चुनाव हुए थे। किसी भी दल को चुनाव में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गई थी और सभी ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता से चुनाव लड़ा था। वुसअतुल्लाह के अनुसार, हर उम्मीदवार को किसी न किसी का समर्थन प्राप्त था लेकिन कागज पर वे सभी निर्दलीय थे। जीते हुए उम्मीदवार संसद के पटल पर गए और उन्होंने अपने समूह या पार्टी को पाकिस्तान मुस्लिम लीग का नाम दिया। आज इन्हें पीएमएल-एन या पीएमएल-क्यू कहा जाता है। पत्रकार वुसअतुल्ला कहते हैं कि समर्थित निर्दलीय लोग पर्याप्त संख्या में सीटें जीतते हैं लेकिन नेशनल असेंबली में वे एक समूह बनाने की कोशिश करेंगे। ये लोग इंसाफ समूह या कोई अन्य नाम देंगे।

पत्रकार जर्रार खुहरो डॉन अखबार में कहते हैं कि चीजें नियमों और कानून के हिसाब से चलती हैं, लेकिन यह बिल्कुल स्पष्ट है कि पाकिस्तान में ऐसा नहीं है। उन्होंने पार्टी और उसके सामने आने वाली परेशानियों की ओर इशारा किया। खुहरो ने कहा, %हमें इसे इमरान खान के लिए सुनाई गई सजाओं के संदर्भ में देखना होगा। हमें पीटीआई नेताओं और समर्थकों को दी गई सजाओं को देखना होगा। पार्टी का चुनाव चिह्न भी छीन लिया गया। जब हम उस विशेष संदर्भ को देखते हैं, तो मुझे कोई रास्ता नहीं दिखता कि पीटीआई के लिए कोई राहत होगी, चाहे वे किसी भी नियम का पालन करें या न करें। वकील अब्दुल मोइज जाफरी ने तर्क दिया कि भले ही पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने पीटीआई को चुनाव चिह्न देने से इनकार कर दिया था, लेकिन उसने पार्टी को सूची से बाहर नहीं किया था। जाफरी ने कहा कि कानूनी तौर पर पीटीआई एक राजनीतिक दल बनी हुई है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका में तर्क दिया गया था कि एक राजनीतिक दल के रूप में पार्टी का अस्तित्व कायम है और इसे भंग नहीं किया गया है। पत्रकार शाहजेब जिलानी के अनुसार एक बार जीते हुए उम्मीदवारों को सूचित कर दिया जाता है, तो उनके पास यह तय करने के लिए तीन दिन का समय होता है। इस दौरान उम्मीदवारों के सामने विकल्प होंगे कि क्या वे निर्दलीय के रूप से किसी राजनीतिक दल का समर्थन करना चाहते हैं या एक समूह के रूप में किसी पार्टी में शामिल होना चाहते हैं। पत्रकार शाहजेब जिलानी के अनुसार, अगर पीटीआई समर्थित निर्दलीय संसद में सबसे बड़े समूह के रूप में उभरना चाहते हैं, तो उन्हें मौजूदा राजनीतिक दल में शामिल होना होगा।

मंत्रियों-विधायकों के साथ सीएम योगी भी आज करेंगे रामलला के दर्शन

राजकीय विमान से अयोध्या पहुंचेगे सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश सरकार के मंत्रियों व विधायकों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी रविवार को रामलला के दर्शन करेंगे। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना मौजूद रहेंगे। सीएम योगी राजकीय विमान से आएंगे। मंत्री व विधायक लखनऊ से 10 लग्जरी बसों से यहां पहुंचेंगे। सभी अतिथि हनुमानगढ़ी भी जाएंगे। हालांकि नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को सदन में विधानसभा अध्यक्ष के निमंत्रण को ठुकरा दिया है। प्रयागराज से लौट रहे श्रद्धालुओं की भीड़ की मौजूदगी में वीवीआईपी मूवमेंट प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार सीएम योगी का कार्यक्रम आ गया है। वह दोपहर 12 बजे महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राजकीय विमान से पहुंचेंगे। यहां से सड़क मार्ग से अयोध्या धाम के लिए रवाना होंगे। सीएम के आने से पहले सुबह 11:30 बजे विधानसभा अध्यक्ष समेत सभी मंत्री व विधायक हनुमानगढ़ी पहुंच जाएंगे। यहां एक घंटे की अवधि में सभी को दर्शन

कराया जाएगा। दोपहर 12:30 बजे मंत्री व विधायकों का दल रामजन्मभूमि पहुंचेगा। इसके बाद दोपहर 3:15 बजे तक सभी जन्मभूमि परिसर में ही रहेंगे। सीएम के भी एयरपोर्ट से सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचने की संभावना है। यहां से वह अपनी कैबिनेट के सहयोगियों व विधायकों के साथ राम मंदिर जाएंगे। रामलला के दर्शन के बाद सभी विशिष्ट मेहमानों को परिसर में ही लंच कराया जाएगा। इसमें भी मुख्यमंत्री शामिल हो सकते हैं।

रविवार को मुख्यमंत्री समेत यूपी कैबिनेट के सदस्यों और विधायकों की अयोध्या में मौजूदगी रहेगी। प्रयागराज से आ रहे दर्शनार्थियों की भीड़ पहले से है। यातायात प्रतिबंध लागू रहेगा। इस दौरान समीक्षा अधिकारी परीक्षा के अभ्यर्थियों को आवागमन में कठिनाई हो सकती है। इस परीक्षा के लिए दो केंद्र महाराजा इंटर कॉलेज व तुलसी कन्या इंटर कॉलेज अयोध्या धाम में बनाए गए हैं। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक और दूसरी पाली की दोपहर 2:30 से 3:30 तक होनी है। ऐसे में परीक्षार्थियों को उदया चौराहा, टेढ़ी बाजार व लता चौक से पैदल ही परीक्षा केंद्र तक जाना पड़ सकता है। इसके लिए उन्हें परीक्षा से काफी पहले निकलना होगा। अन्यथा वे केंद्र तक समय से नहीं पहुंच पाएंगे। रौजागांव। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, सरकार के सभी मंत्रियों व विधायकों के अयोध्या आगमन पर जिले की सीमा पर विधायक रामचंद्र यादव की अगुवाई में स्वागत होगा।

हल्द्वानी हिंसा मामले में विश्व हिंदू परिषद ने की दोषियों को सजा देने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि एक विशेष समुदाय को अपने भड़काऊ नेतृत्व से सावधान रह कर समय रहते उससे किनारा करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि जिहादियों की पैरोकारी करने वाला नेतृत्व, उनके समाज को आत्मघाती रास्ते पर ले जाने की कोशिश कर रहा है, जिससे सावधान रहना होगा...

उत्तराखंड के हल्द्वानी में हुई हिंसा को गंभीरता से लेते हुए विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि देवभूमि में हुई हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उच्च न्यायालय के निर्णय की अनुपालना व स्थानीय शासन-प्रशासन के कार्यों में बाधा पहुंचाते हुए ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों के साथ थाने को घेर कर किये गए जानलेवा हमलों से संपूर्ण देश स्तब्ध है। अब समय या गया है कि इन देश विरोधी हिंसक लोगों और उनके पैरोकारों के विरुद्ध ऐसी कार्यवाही हो, जिससे इनकी आगे आने वाली पीढ़ी भी हिंसा, उपद्रव या किसी भी प्रकार की तोड़-फोड़ के बारे में सोच भी न सके। विहिप महामंत्री ने घटना में जीवन गंवाने वाले निर्दोष लोगों के लिए अपनी संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि विश्व हिंदू परिषद उन सभी पुलिसकर्मियों व शासन-प्रशासन के लोगों के साथ खड़ा है, जो हिंसा का शिकार हुए। यदि आवश्यकता हुई, तो विहिप बजरंगदल के कार्यकर्ता घायलों के लिए रक्तदान भी करेंगे। मामले में सरकारी कार्यवाही की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि घटना में शामिल लोगों के विरुद्ध ऐसी कार्यवाही हो कि इनकी आगे आने वाली पीढ़ी भी हिंसा की बात तो दूर भड़काऊ वक्तव्यों के बारे में भी सोच ना सके। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी हिंसा में विदेशी घुसपैठियों के शामिल होने की खबरों की पुष्टि कर उन्हें शीघ्र सीमा पार भेजना चाहिए। कुछ विदेशी मीडिया और एक विशेष समुदाय के कुछ भड़काऊ नेता ऐसी हिंसक घटनाओं के बारे में दुष्प्रचार कर अपराधी तत्वों को कवर फायर देने और भारत की छवि धूमिल करने में जुटे हैं। इनके विरुद्ध भी यथोचित कार्यवाही अपेक्षित है। हिंसा में शामिल लोग कौन थे, कहां से आए, उन्हें कौन-कौन लोग उकसा रहे थे और कौन भ्रामक प्रचार कर हिंसा को बढ़ावा दे रहे थे, उन सभी की पहचान कर सबक सिखाना जरूरी है। परांडे ने एक विशेष समुदाय को अपने भड़काऊ नेतृत्व से सावधान रह कर समय रहते उससे किनारा करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि जिहादियों की पैरोकारी करने वाला नेतृत्व, उनके समाज को आत्मघाती रास्ते पर ले जाने की कोशिश कर रहा है, जिससे सावधान रहना होगा।

अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की तबीयत बिगड़ी, इलाज के बाद हालत सामान्य

कोलकाता। अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की शनिवार सुबह करीब 10 बजे अचानक तबीयत खराब हो गई। सूत्रों ने %अमर उजाला% को बताया कि शूटिंग के दौरान थकान और शरीर में पानी की कमी की वजह से मिथुन अस्वस्थ हो गए थे। उन्हें चक्कर आ रहे थे। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। शुरुआती उपचार के बाद वे ठीक हो गए। शाम को उन्होंने पत्नी से फोन पर बातचीत भी की। वे अभी स्वस्थ हैं। हालांकि, उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। उनकी हालत सामान्य है। जानकारी के मुताबिक अभिनेता सोहम चक्रवर्ती द्वारा निर्मित फिल्म शास्त्री की शूटिंग के दौरान वे अस्वस्थ महसूस कर रहे थे। उन्हें तुरंत अभिनेता बिना देर किए उन्हें अस्पताल ले गए। दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की मौजूदा स्थिति को लेकर अस्पताल अधिकारियों की ओर से कोई विशेष बयान जारी नहीं किया गया है।

पीएम मोदी का कार्यकाल भ्रष्टाचारियों का अमृतकाल

प्रगति मैदान सुरंग की खामियों पर बरसे राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भ्रष्टाचारियों का अमृतकाल चल रहा है। उन्होंने प्रगति मैदान सुरंग परियोजना में कथित खामियों का जिक्र कर सरकार से तीखे सवाल पूछे।

कांग्रेस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है। ताजा घटनाक्रम में सांसद राहुल गांधी ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रगति मैदान सुरंग परियोजना में कथित खामियों का जिक्र किया है। उन्होंने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने के आरोप लगाए। राहुल ने कहा कि परियोजना में कथित गंभीर खामियों को लेकर दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने लार्सन एंड टुब्रो को नोटिस जारी किया है। इस मामले में शनिवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म- एक्स पर जारी बयान में राहुल गांधी ने कहा, देश में भ्रष्टाचारियों का अमृतकाल चल रहा है। 777 करोड़ रुपये की लागत से

बनी प्रगति मैदान सुरंग केवल एक साल में बेकार हो गई।% उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हर विकास परियोजना पर योजना के बजाय मॉडलिंग कर रहे हैं। सुरंग के उद्घाटन के बाद क्लिक की गई पीएम मोदी की फोटो शेयर कर राहुल ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (ष्टक्चढ्ढ) और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियां भ्रष्टाचार से नहीं, लोकतंत्र के खिलाफ लड़ाई लड़ रही हैं।

गौरतलब है कि पीएम मोदी ने 19 जून, 2022 को प्रगति मैदान इंटीग्रेटेड ट्रांजिट कॉरिडोर परियोजना के हिस्से का लोकार्पण किया था। पूरी परियोजना के एक हिस्से के रूप में प्रधानमंत्री ने 1.3 किलोमीटर लंबी सुरंग और पांच अंडरपास का उद्घाटन किया था। इस सुरंग की मदद से पूर्वी दिल्ली के हिस्सों और मध्य दिल्ली के बीच कनेक्टिविटी को आसान बनाया जाएगा। नोएडा और गाजियाबाद के साथ सेटेलाइट शहर तक पहुंचना भी आसान होगा।

इस परियोजना में गंभीर खामियों को लेकर दिल्ली की आम आदमी पार्टी (ड्डक्क) सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने नोटिस जारी किया है। विभाग ने निर्माण का ठेका लेने वाली कंपनी लार्सन एंड टुब्रो को भेजे नोटिस में 500 करोड़ रुपये की %टोकन राशि% की मांग भी की। विभाग ने कंपनी को जरूरी मरम्मत के काम भी तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए।

सांसद खेल स्पर्धा का हुआ आगाज, मलिहाबाद के युवा खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

❖ सांसद खेल स्पर्धा के तहत मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र की मलिहाबाद विधानसभा में हुआ खेलों का महाकुंभ

द अचीवर टाइम्स/प्रभात तिवारी

मलिहाबाद। उत्तर प्रदेश राजधानी लखनऊ के विकासखंड मलिहाबाद में दिनांक- 10/02/2024 800,400,200,100 मीटर की दौड़ एवं लंबी कूद, कबड्डी, खो खो, टेनिस बॉल क्रिकेट, योगासन स्पोर्ट्स में युवाओं और युवतियों ने दिखाया दम। मोहनलालगंज लोकसभा के अंतर्गत मलिहाबाद में आज सांसद खेल स्पर्धा के तहत क्षेत्रीय सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री श्री कौशल किशोर जी के नेतृत्व में महमूदनगर खेल मैदान में 800 मीटर, 400 मीटर, 200 मीटर, 100 मीटर की दौड़ एवं लंबी कूद, कबड्डी, खो खो, टेनिस बॉल क्रिकेट, योगासन स्पोर्ट्स का आयोजन हुआ जिसमे युवाओं युवतियों ने प्रतिभाग किया। महमूरनगर में आयोजित इन खेलों का शुभारंभ 10 फरवरी को सुबह 10 बजे भाजपा अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विकास किशोर जी द्वारा किया गया।

मोहनलालगंज लोकसभा में आयोजित हो रही इस सांसद खेल स्पर्धा का मुख्य उद्देश्य खेलों के प्रति युवाओं और महिलाओं की रुचि बढ़ाना, उन्हें और अधिक प्रतिभावान बनाना है। इससे आगे चलकर युवाओं, युवतियों और महिलाओं को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सकेगा। इसी क्रम में आज मलिहाबाद में इन खेलों का शुभारंभ हुआ जिसमे दर्शकों का और क्षेत्रीय लोगों की कई हजार की संख्या में भीड़ रही जो खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करते दिखे। प्रतियोगिता में पहला, दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर आज सांसद खेल स्पर्धा के तहत ही मलिहाबाद विधानसभा के प्रधानों और बीडीसी की टीमों के टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट का भी शुभारंभ हुआ यह टूर्नामेंट 15 फरवरी तक चलेगा और इसका फाइनल मैच 15 फरवरी को खेला जाएगा। इस अवसर पर मलिहाबाद विधायक श्रीमती जय देवी कौशल, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा विकास किशोर, ब्लॉक प्रमुख निर्मल वर्मा प्रतिनिधि मीनू वर्मा, रामकुमार राही , प्रधान संघ अध्यक्ष अखिलेश सिंह अंजू, श्यामलाल तूफानी, राजेंद्र लहरी, अमरेश मौर्य , सर्वेश प्रधान, विमल यादव, पवन शर्मा , अनय पाठक, चंद्रशेखर., ओम प्रकाश साहू ,नेक पाल यादव मंडल अध्यक्ष, जितेंद्र शुक्ला, प्रमोद पाठक, अरुण प्रताप सिंह बंटी आदि हजारों लोग उपस्थित रहे।

मंडल में जिले की आवास योजना की स्थिति खराब, मिला सी ग्रेड

सीतापुर। सीएम आवास योजना ग्रामीण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। बावजूद इसके लाभार्थियों को लाभान्वित करने में लापरवाही बरती जा रही है। मंडलायुक्त की समीक्षा में योजना को मंडल में सीतापुर को सी ग्रेड मिला है। इस साल सीएम आवास योजना के तहत स्वीकृत आवास के सापेक्ष पूर्ण कराने की स्थिति संतोषजनक नहीं है। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब की समीक्षा में इसका खुलासा हुआ है। समीक्षा में मालूम हुआ कि स्वीकृत 20784 आवासों के सापेक्ष 10407 बनाए गए हैं। यह लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ति का 50.54 फीसदी है। जबकि हरदोई में 85.01 फीसदी, लखीमपुर खीरी में 82.47 प्रतिशत, लखनऊ में 52.25 फीसदी और रायबरेली में 79.34 प्रतिशत सीएम आवास पूर्ण हो गए हैं। जिले में कम आवास बनने के कारण सी ग्रेड मिला है। इसे गंभीरता से लेते हुए मंडलायुक्त ने समीक्षा का कार्यवृत्ति जारी करते हुए डीएम और सीडीओ को निर्देश दिए हैं कि स्वीकृत के सापेक्ष आवासों का निर्माण शत प्रतिशत पूर्ण कराएं।

बसपा को वोट देना भाजपा की सरकार बनवाने में मदद कर अपने अधिकारों को यूंही खत्म करवाते रहना-वी पी सिंह

द अचीवर टाइम्स/चेतन कुमार

हापुड़। हापुड़ जिला एवं सत्र न्यायालय वी पी सिंह ने बसपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बसपा को वोट देना भाजपा की सरकार बनवाने में मदद कर अपने अधिकारों को यूंही खत्म करवाते रहना है बसपा को दलितों की कुछ जातियां ही वोट करतीं जैसें - जाटव ,चमार, बसपा के पास कोई दूसरा वोटर नहीं है जो थोड़ा बहुत है उतना ही दलित भाजपा के साथ है जितना वोट बसपा को मिलता है अगर उतना वोट भाजपा को हराने वाली पार्टी को मिलें तो भाजपा कभी सत्ता में नहीं आ सकतीं हैं मायावती चुनाव जीतने के लिए लड़ती नहीं है ज़मीनी कार्यकत्ताओं के दम पर बसपा को वोट दिया जाता है।अगर मायावती चुनाव जीतने के लिए लड़ती तो 2012 से सरकार से बाहर होने के बावजूद कोई ठोस कदम मायावती ने नहीं उठाया है 2019 के लोकसभा चुनावों में सपा के साथ गठबंधन करके 10 सीटों ली थी ये वही सपा है जिसने मायावती को मुख्यमंत्री बनाया था। मिलें मुलायम कांशीराम हवा हो गए जय श्री राम आज नारा दिया जाता है मरे मुलायम कांशीराम बोलों जय श्री राम मेरी सभी दलित समाज के लोगों से अपील है कि 2024 में केवल इस चुनाव में ऐसे प्रत्याशी को वोट दें जो भाजपा को हरा रहा हो। क्योंकि मायावती अकेले चुनाव लड़ेंगी अकेले चुनाव लड़कर भाजपा को सत्ता मिलेगी ये मैं आपको ऊपर बता चुका हूं।

सात प्रधानाध्यापकों को वेतन रोकने की चेतावनी

सीतापुर। परिषदीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक यू-डायस पर स्टूडेंट प्रोफाइल भरने में लापरवाही बरत रहे हैं। छह विकास खंड के सात विद्यालयों में डाटा भरा नहीं जा सका है। इसकी वजह से नौनिहालों को योजनाओं का लाभ देने में दिक्कतें आ रही हैं। बीएसए ने इन प्रधानाध्यापकों को दो दिन का समय दिया है। चेतावनी दी कि अगर समय से डाटा पूरा नहीं होता है तो फरवरी का वेतन रोक दिया जाएगा। यू-डायस पोर्टल पर विद्यालय, नौनिहाल व शिक्षकों का डाटा भरा जाता है। इस डाटा के आधार पर ही नौनिहालों को योजनाओं से लाभान्वित किया जाता है। इसके लिए सीडीओ ने कई बार समीक्षा की। जिसमें प्रधानाध्यापकों की लापरवाही उजागर हुई थी। बीएसए ने सभी शिक्षकों को तत्काल डाटा भरने के निर्देश दिए थे। हाल ही में हुई समीक्षा में मालूम हुआ कि छह विकासखंड के सात प्रधानाध्यापक डाटा भरने में बहुत ही लापरवाही बरत रहे हैं। इस पर इन प्रधानाध्यापकों को दो दिन के अंदर डाटा भरने की चेतावनी दी गई है।

एक नज़र

भव्य कलश यात्रा बड़े धूम धाम से गाजे बाजे के साथ मितौली कस्बे निकाली गई

लखीमपुर। कस्बा मितौली में सात दिवसीय संगीत में श्रीमद् भागवत महापुराण कथा महोत्सव का आयोजन अनीता मिश्रा ऊर्फ अन्नू बुआ के निवास स्थान पश्चिमी मोहल्ला में आयोजित हो रही। राधा कृष्ण मंदिर में आचार्य गौरव जी महाराज, पंडित धीरज शुक्ला शास्त्री, आचार्य कमल मिश्र, आचार्य रूपेश शर्मा आचार्यो की टीम द्वारा मुख्य यजमान सचिन मिश्र ने राधा कृष्ण जी प्रतिमा की वैदिक मंत्रोउचारण कर विधि विधान से पूजन अर्चन कर भव्य कलश यात्रा जयघोष के साथ बड़े धूमधाम से गाजे बाजे के साथ प्रारम्भ होकर विभिन्न मार्गो से कस्बे के मुख्य मंदिरों में पूजन अर्चन कर भव्य कलश यात्रा बड़े धूमधाम से निकाली गई। पंचमुखी हनुमान मंदिर शारदा बड़ी नहर में माताओ बहनों ने वैदिक मंत्रोउच्चारण के साथ कलशों में पवित्र जल भरा गया। इस अवसर काफी संख्या माताए बहने भक्त गण मौजूद रहे।

थाना परिसर रोजा में शांति व्यवस्था हेतु पीस कमेटी की मीटिंग का हुआ आयोजन

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। थाना रोजा में पीस कमेटी की मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के संभ्रांत लोगों व धर्मगुरुओं मौलवियों को बुलाया गया।पीस कमेटी की मीटिंग में थाना प्रभारी राजीव कुमार ने मीटिंग में धर्म गुरुओं को जानकारी दी उन्होंने कहा आने वाले आगामी त्योहारों शांति पूर्ण भाईचारे से मिलजुलकर मनाएं किसी भी दशा में आसामाजिक तत्वों द्वारा अच्छे माहोल को खराब करने का प्रयास भी किया तो बक्सा नहीं जाएगा कठोर कार्यवाही की जाएगी थाना रोजा पर शांति ब्यांस्था हेतु छेत्र के गणमान्य व्यक्ति एवं पीस कमेटी तथा धर्म गुरुओं की मीटिंग आयोजित की गई सभी को छेत्र में सौहार्दपूर्ण वातावरण रखना एवं आगामी त्योहारों को हर्षोल्लास से मानने हेतु बताया गया इस बीच मौजूद रहे थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार, सभी छेत्र के गणमान्य एवं धर्म गुरु मौजूद रहे।

उत्तराखंण्ड के हल्द्वानी व बरेली में बवाल को देखते हुऐ! पूरे उत्तर प्रदेश में हाईऐलर्ट जारी

द अचीवर टाइम्स ब्यूरो रिपोर्ट

लखीमपुर खीरी। ओयल उत्तराखंण्ड के हल्द्वानी व बरेली में बवाल को देखते हुऐ! पूरे उत्तर प्रदेश में हाईऐलर्ट जारी । शाम चार बजे पुलिस चौकी परिसर में सीओ सिटी की अध्यक्षता में पीस कमेटी बैठक आयोजित। शांति व्यवस्था बनाये रखने में की अपील। फेसबुक और वाटसप सहित अन्य शोशल मीडिया पर किसी भी तरह की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने व भडकाऊ पोस्ट न करने की अपील। अगर ऐसा कोई करता है! तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी! सीओ सिटी,एंव खीरी थाना एसएचओ,नायाब तहसीलदार, सहित ओयल चौकी प्रभारी ने आस-पास क्षेत्र से आये हुऐ सांभ्रत व्यक्ति व ग्राम प्रधान सहित कस्बे के सभासदों से क्षेत्र के बारे में ली जानकारी कहा अगर ऐसी कोई सुचना आती है! तत्काल सरकारी एंव पर्सनल नम्बर पर अवगत करायें। आये हुऐ क्षेत्रीय पत्रकार ने अपना परिचय बताते हुऐ पुलिस को दी जानकारी कहा अगर मुख्य मार्गो पर सीसीटीवी कैमरें लग जायें तो अपराध रोकने में काफी मददगार साबित होगें।

भवानीपुर, नैपालापुर व सिटी उपकेंद्र की छह घंटे गुल रही बिजली

सीतापुर। भवानीपुर, नैपालापुर व सिटी उपकेंद्र से जुड़े मोहल्लें में शनिवार को छह घंटे बिजली गुल रही। इसके चलते मोहल्ले के लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लंबी कटौती होने से कई जगहों पर पानी का संकट भी खड़ा हो गया। शहर से सटे भवानीपुर उपकेंद्र में सुबह 10 बजे बिजली कटौती कर दी गई। शाम चार बजे के बाद आपूर्ति बहाल हो सकी। लंबी कटौती होने से घरों में लगे इन्वर्टर डिस्चार्ज हो गए। इसके चलते विकास नगर, विश्राम नगर, भार्गव कॉलोनी, खूबपुर, कांशीराम कॉलोनी सहित 25 से अधिक मोहल्लें में लोगों के सामने दिक्कतें खड़ी हो गई। इन्वर्टर डिस्चार्ज हो गए। कांशीराम कॉलोनी में पानी का संकट खड़ा हो गया। इससे लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुंच सका। इसी तरह नैपालापुर उपकेंद्र से जुड़े मोहल्लें में सुबह 10 बजे बिजली गुल हो गई। यहां पर शाम पांच बजे तक बहाल नहीं हो सकी। इसके चलते लोग काफी परेशान रहे। उपभोक्ता रमेश ने बताया कि कटौती हो रही है लेकिन इसकी जानकारी नहीं दी जा रही है।

पीएम मोदी ढाई हजार महिलाओं की संसद— विधानसभाओं में चाहते हैं भागीदारी: स्वाती सिंह

शशांक अटल बाजपेई

बाराबंकी। बच्चियों में स्वच्छता की अनदेखी सेहत पर काफी भारी पड़ सकती है। खासतौर पर माहवारी के दौरान संक्रमण जानलेवा साबित हो सकता है। ऐसे में उनके बीच जागरूकता फैलाने और महिला सशक्तीकरण को लेकर मोदी–योगी सरकार के कार्यों की जानकारी देने को लेकर स्वाती फाउण्डेशन की ओर से बाराबंकी के पी. एम. श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में महिला स्वास्थ्य-स्वच्छता के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण के बिना भारत को सशक्त और समर्थ नहीं बनाया जा सकता है। इसलिए केंद्र और प्रदेश सरकार आधी आबादी की सुरक्षा, स्वावलंबन और सम्मान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि ढाई हजार महिलाएं संसद, विधान सभा और विधान परिषद में प्रतिनिधित्व करें। नारी शक्ति वंदन कानून के जरिए इसे संभव बनाने के लिए कदम उठाया गया है। उन्होंने छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि माहवारी होने पर इसे छिपाने और शर्मिंदा होने के बजाय परिवार में खुलकर बात करें। सेनेटरी पैड का जरूर इस्तेमाल करें। इस दौरान लापरवाही सर्वाइकल कैंसर जैसी कई गंभीर बीमारियों की वजह बन सकती है। सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए देशभर में 9-14 साल की लड़कियों को मुफ्त में एचपीवी वैक्सीन लगाई जाएगी। उन्होंने स्कूल प्रबंधन को माहवारी को लेकर छात्राओं के माता पिता को बुलाकर कॉउंसलिंग करने की अपील की, जिससे हर छात्रा शर्मिंदा होने के बजाय सम्मान की जिंदगी जी सके। स्वाती सिंह ने आधी आबादी के सशक्तीकरण का प्रतीक बनने वाली कल्पना चावला, किरण बेदी आदि का जिक्र करके छात्राओं से उनकी राह पर चलने की अपील की और कहा कि शिक्षा इसकी पहली सीढ़ी है। इस मौके पर प्रधानाचार्या नंदिता सिंह, मीरा बाला सिंह, मंजू श्रीवास्तव आदि महिला शिक्षक उपस्थित रहीं।

गोल्डन कार्ड न बनने से लोकतंत्र सेनानी नाराज

सीतापुर। गोल्डन कार्ड न बनने से जिले के लोकतंत्र सेनानी नाराज है। शनिवार को आयोजित मासिक बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष संतराम त्रिवेदी ने बताया कि सभी लोकतंत्र सेनानी की उम्र 70 वर्ष से अधिक हो चुकी है। इसलिए सभी को इलाज की आवश्यकता है। इस बीच में समुचित इलाज न मिल पाने के कारण ओंकार नाथ, सियाराम, बेचे लाल, जयलाल, दृगपाल सिंह, गंगा बक्श सिंह सहित आदि लोकतंत्र सेनानियों की मृत्यु हो चुकी है। राधेश्याम मिश्रा, राजाराम, परसराम, शंकर लाल, हाफिज जी, प्रेम किशोर, भोलानाथ, प्यारेलाल सहित आदि सेनानियों ने जल्द से जल्द गोल्डन कार्ड बनवाने की मांग शासन से की है।

राष्ट्रीय सचिव ने गांव गांव जाकर की बैठक बैठक में उमड़ा जनसैलाब उन्नाव उत्तर प्रदेश

द अचीवर टाइम्स संवाददाता आशीष सिंह

लखनऊ। हसनगंज तहसील क्षेत्र के गांव कटरा मजरा निन्देमऊ में ग्राम वासियों के बीच बैठक की और भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए ग्राम वासियों को अत्याधिक जानकारी दी पूर्व सांसद अनू टंडन ने किसानों का दर्द सुना और बताया कि इस ठंड में भी अपना परिवार छोड़ कर रात के अंधेरे में अपनी फसल की रखवाली करता किसान देश का भविष्य है लेकिन आवारा गौ वंशौ ने किसानों की फसल बर्बाद करने की कसम खा रखी है तथा कई किसान ऐसे भी हैं जिनके छोटे छोटे बच्चे हैं और रात में फसल रखवाली के लिए गये और आवारा गौ वंशौ ने उनकी जान ले ली तथा उन्होंने बताया कि सबसे बड़ी दिक्कत तो युवा उठा रहें है पढ़ाई तो की लेकिन बेरोज़गारी के शिवा कुछ नहीं मिला और गरीबी के अंधकार में विलूप्त होते जा रहे हैं भाजपा सरकार का हर घर रोजगार सपना भी झूठा साबित होता दिख रहा है इस बैठक में विधानसभा अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह गुड्डू, डॉ आचल वर्मा के पति डॉ एस के वर्मा समाज सेवक अखिलेश यादव राणा लालबहादुर सिंह आनन्द मौर्य दो सैकड़ा लोग मौजूद रहे।

माइलस्टोन ग्लोबल स्कूल द्वितीय वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया

द अचीवर टाइम्स/निखिल मिश्रा

मलिहाबाद,लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजधानी लखनऊ में शनिवार को माल -जेहटा रोड पर गोपरा मऊ चौराहे पर स्थित माइलस्टोन ग्लोबल स्कूल द्वितीय वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेशकर सभी का दिल जीत लिया। आपको बता दें कि विद्यालय के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सरोजनी नगर विधायक राजेश्वर सिंह ने शिरकत की । वार्षिकोत्सव में स्कूली बच्चों ने एक से बढ़ कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से वहां मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।दीप प्रज्ज्वलित कर विधायक राजेश्वर सिंह और विद्यालय के चेयरमैन बीरेंद्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की शरूआत की। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्टूडेंट्स ने एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को बहुत ही यादगार बना दिया। छात्र-छात्रा ने बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ,वीर वीरेण पूज्यते,जुंबा डांस,तथा विभिन्न नृत्य करके दर्शकों का मन लुभाया।इस मौके पर प्रधानाचार्य प्रियंका श्रीवास्तव,निदेशक जितेंद्र कुमार सिंह,विद्यालय के संरक्षक वरुण प्रताप सिंह,प्रबंधक तृष्णा सिंह सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग व अभिभावकगण उपस्थित रहें।

मोबाइल टीम बनाकर पड़ाव स्थलों की होगी निगरानी

नैमिषारण्य/सीतापुर। 84 कोसी परिक्रमा की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एएसपी प्रवीण रंजन सिंह ने राजस्व गेस्ट हाउस में समीक्षा बैठक की। एएसपी ने कहा कि परिक्रमा में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। मोबाइल टीम बनाकर पड़ाव स्थलों पर निगरानी की जाए। मेले के साथ चलने वाला पुलिस बल दूसरी टीम को ड्यूटी सौंपने के बाद ही हटेगा। रजिस्टर पर ड्यूटी जॉइन करने व छोड़ने का ब्यौरा अंकित करेंगे। एएसपी ने 11 मार्च को शुरू होने वाली 84 कोसी परिक्रमा की सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही अन्य जरूरी दिशा निर्देश भी दिए। इस मौके पर एसडीएम मिश्रिख अजय त्रिपाठी, सीओ मिश्रिख राजेश यादव, सीओ लहरपुर सुशील यादव, नैमिष थाना प्रभारी पंकज तिवारी, सकरन थाना प्रभारी दिग्विजय पांडेय, नैमिष चौकी प्रभारी निर्मल तिवारी, राजेश शुक्ला सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर लगाई न्याय की गुहार

अमित कुमार आजाद

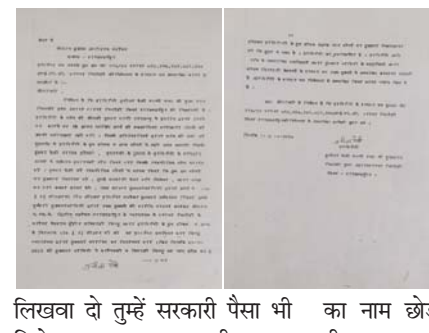

शाहजहांपुर। पीड़िता सुनीता देवी पत्नी स्वर्गीय सूरजपाल निवासिनी ग्राम उदारा थाना निगोही जिला शाहजहांपुर की निवासनी है पीड़िता के गांव के ही श्रीमती पुष्पा पत्नी भगवन्नू ने प्रधान द्वारा रास्ते पर करवाए जा रहे इंटरलॉकिंग कार्य को रुकवा दिया था तथा रास्ते को अपने जमीन बता रही थी जिसमें अधिकारियों द्वारा जांच की गई तो पूछताछ में पीड़िता के पुत्र दीपक उक्त लोगों ने सही बात बताई जिसमें पुष्पा देवी नाराज हो गई प्रधानी के चुनाव में पीड़िता के परिवार वालों ने वर्तमान प्रधान को वोट दिया था जिसे राजनीतिक लोग नाराज थे पुष्पा देवी को राजनीतिक लोगों ने लालच दिया कि तुम इन लोगों पर मुकदमा लिखवा दो तुम्हें सरकारी पैसा भी मिलेगा तथा जगह पर भी कब्जा करवा देंगे इस कारण मुकदमा कोर्ट में 156 /3 सीआरपीसी का प्रार्थना देकर मुकदमा दर्ज करवा दिया इससे पूर्व भी मुकदमे की बात घटना श्रीमान ए एस के द्वितीय महोदय शाहजहांपुर के न्यायालय में थाना निगोही के दरोगा वेदपाल पुंडीर सिपाही मिंटू तथा पीड़ित के पुत्र दीपक वा अन्य खिलाफ 156 /3 सीआरपीसी प्रार्थना पत्र दिया था किंतु न्यायालय द्वारा मुकदमा खारिज कर दिया गया था फिर दिनांक 25/ 7/ 2023 को मुकदमा फिर से वह दरोगा जी ब सिपाई मिंटू का नाम छोड़कर पीड़िता के पुत्र दीपक व अन्य चार लोगों पर मुकदमा लिखवाया जो कि झूठ वह गलत है पीड़िता का पुत्र निर्दोष है पीड़िता अपने गांव के सम्मानित व्यक्तियों तथा मुकदमा बढ़ने के पड़ोसियों तथा जाटव बिरादरी के लोगों को शपथ पत्र मुकदमे में सम्मिलित करवाना चाहती है, और उच्च स्तरीय जांच करवा कर जो दोषी है उस पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

चुनाव से पहले अवैध शस्त्रों का जखीरा बरामद, आपराधी किस्म के 2 सप्लायर गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स ब्यूरो रिपोर्ट चेतन कुमार

हापुड़। जनपदीय एसओजी प्रभारी निरक्षक नजीर अली खान एवं थाना बाबूगढ़ प्रभारी निरीक्षक पटनीश यादव द्वारा गठित संयुक्त पुलिस टीम ने ग्राम कनिया कल्याणपुर पशुधन कृषि क्षेत्र के पास अवैध शस्त्र फैक्ट्री का पर्दाफाश करते हुए 2 शातिर अवैध शस्त्रों को बनाकर, डिमाण्ड आने पर आपराधी किस्म के लोगों को सप्लाई करने वाले वाहिद व शाकिब निवासी नाहली थाना भोजपुर जनपद गाजियाबाद को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे/निशानदेही पर 06 अवैध पिस्टल, 10 अवैध तमन्चे, 01 पोनिया, 03 रिवाल्वर, 01 बन्दूक, 02 अधबने पिस्टल (कुल-23 अवैध असलहा) व भारी मात्रा में अवैध शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए है वही पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत अवैध शस्त्र बनाने व बेचने वाले के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत जनपदीय एसओजी प्रभारी एवं थाना बाबूगढ़ की गठित पुलिस टीम ने 2 शातिर अवैध शस्त्रों को बनाकर, डिमाण्ड आने पर आपराधी किस्म के लोगों को गिरफ्तार किया है उपरोक्त गिरफ्तार अभियुक्तगण अवैध शस्त्रों को बनाकर, डिमाण्ड आने पर आपराधी किस्म के लोगों को करते थे सप्लाई।गिरफ्तार अभियुक्तगण गाजियाबाद व एनसीआर के अन्य जनपदों में प्रत्येक पिस्टल को 45-50 हजार रुपये, अवैध तमंचे को 5-6 हजार रूपये, पोनिया को 15-20 हजार रुपये व रिवाल्वर को 35-40 हजार रुपये में बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे। गिरफ्तार अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी हैं, जिनके विरुद्ध जनपद गाजियाबाद व हापुड़ में चोरी/लूट, गैंगस्टर एक्ट व आर्म्स एक्ट आदि से सम्बन्धित करीब 01 दर्जन अभियोग पंजीकृत हैं।

ट्रक की चपेट में आए पति-पत्नी व सलहज की मौत

बिसवां (सीतापुर)। ओवरटेक करते समय बाइक सवार पति-पत्नी और सलहज ट्रक के नीचे आ गए। इससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। तालगांव के परसेंडी निवासी अवधेश बाइक से शनिवार दोपहर पत्नी संगीता को लेकर दवा लेने बिसवां जा रहे थे। साथ में सरैंया माफी गांव निवासी सलहज प्रियंका भी थी। बिसवां-सीतापुर मार्ग पर पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस के सामने ओवरटेक करते समय बाइक अनियंत्रित होकर ट्रक के पिछले पहिए के नीचे आ गई। कोतवाली के इंस्पेक्टर अनिल सिंह के अनुसार ट्रक हरियाणा से केमिकल लेकर काठमांडू जा रहा था। पुलिस ने सोनीपत के नासिरपुर चोलका गांव निवासी ट्रक चालक जयवीर सिंह को हिरासत में ले लिया है।

थाना समाधान दिवस एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा की अध्यक्षता में हुआ संपन्न

अनुराग तिवारी

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज थाना समाधान दिवस उपजिलाअधिकारी बृजेश कुमार वर्मा की अध्यक्षता में हुआ संपन्न इस दौरान नायाब तहसीलदार प्रियमवादा मिश्रा राजस्व निरीक्षक संबंधित लेखपाल वा पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे। एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने थाना समाधान दिवस में आए हुए प्रार्थना पत्रों को संज्ञान में लेकर संबंधितों को फटकार लगाते हुए निष्पक्ष जांच के साथ निस्तारण के आदेश दिए। वही पीड़िता मोनिका वर्मा पुत्री डॉक्टर रविंद्र कुमार अनिल निवासी डीएम आवास रोड पीडब्ल्यूडी ऑफिस के सामने न्यू सिविल लाइन हरदोई वर्तमान निवासी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कंपाउंड निवासी ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि एक आवासीय प्लांट भाषंडा में खरीदा था जिसका निर्माण मेरे द्वारा कराया जा रहा है वही उमेद खेड़ा निवासी राम जी पुत्र भरत लाल द्वारा गाली गलौज के साथ निर्माण कार्य में रोक लगा रहे हैं। मजदूरों को कार्य नहीं करने दिया जा रहा है विपक्षी द्वारा जान माल की धमकी दी जा रही है। इसी संबंध में पीड़िता ने प्रार्थना पत्र देकर एसडीएम से शिकायत की है एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने मामले को संज्ञान में लेकर संबंधित को जांच के साथ निस्तारण के आदेश जारी किए हैं।

अनिश्चित काल के लिए स्थगित हुई विधानसभा

55 घंटे चली कार्यवाही, बजट सत्र में पांच विधेयक पारित

एजेंसी

लखनऊ। यूपी विधानसभा अनिश्चित काल के लिए स्थगित हो गई। इस बजट सत्र में कुल 55 घंटे, नौ मिनट की कार्यवाही हुई। इस अवधि में पांच विधेयक पारित हुए।

18वीं विधान सभा में एक बार फिर बिना स्थगन के वर्ष 2024 का पहला सत्र संचालित हुआ। बजट सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही कुल 55 घंटे 9 मिनट चली। पांच विधेयक पारित हुए। बजट सत्र के दौरान कुल 2404 प्राप्त प्रश्नों में अल्पसूचित तारांकित प्रश्न 02, स्वीकृत तारांकित प्रश्न 443 और अतारांकित प्रश्न 1753 रहे। इनकी कुल संख्या 2198 रही। वहीं उत्तरित प्रश्नों में तारांकित प्रश्न 75 और अतारांकित प्रश्नों की संख्या 525 रही। 2404 प्रश्न (88.14 प्रतिशत) आनलाइन प्राप्त हुए। दो फरवरी से शुरु 18वीं विधान सभा के प्रथम सत्र में कुल 383 सूचनाएं प्राप्त हुई जिनमें 274 स्वीकृत और 109 अस्वीकृत हुई। सत्र के दौरान सरकार से वक्तव्य मांगने वाले नियम-51 के अन्तर्गत 548 सूचनाएं मिलीं। इनमें 254 सूचनाएं अस्वीकार की गईं। इसी प्रकार इस सत्र में कुल 686 याचिकाएं प्राप्त की गयी जिसमें ग्राहय याचिकाओं की संख्या 554 रही। सदन की कार्यसूची में शामिल याचिकाओं की संख्या 554, अग्राहय याचिकाओं की संख्या 61, विलम्ब से प्राप्त याचिकाओं की संख्या 71 तथा याचिका देने वाले कुल सदस्यों की संख्या 171 रहीं।

सदन के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मुख्यमंत्री व नेता सदन योगी आदित्यनाथ सहित नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव, अपना दल (एस) के नेता राम निवास वर्मा, राष्ट्रीय लोकदल के नेता राजपाल सिंह बालियान, निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल के नेता अनिल कुमार त्रिपाठी, भारतीय सुहेलदेव पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजभर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता आराधना मिश्रा 'मोना, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के नेता रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भइया' और बसपा के उमाशंकर सिंह का आभार जताया।

पांच विधेयक हुए प्रस्तुत

❖- उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक,2024
❖- भारतीय स्टाम्प (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक, 2024
❖- उत्तर प्रदेश लोक आयुक्त तथा उप लोक आयुक्त (संशोधन) विधेयक 2024
❖- उत्तर प्रदेश लिफ्ट और ऐस्केलेटर विधेयक, 2024
❖- उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2024

राम को लाने का दावा करने वाले उनका अपमान करते हैं: अखिलेश यादव

एजेंसी

यहां कुछ और कहता है, वहां कुछ और कहता है
हकीकत कुछ है लेकिन दास्तां कुछ और कहता है
कली से ताजगी, फूलों से खुशबू हो गई गायब
चमन का हाल कुछ है, बागबां कुछ और कहता है

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को यूपी विधानसभा में प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए बजट पर चर्चा की और अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि सरकार बजट खर्च नहीं कर पाती है और शेरो शायरी का सहारा लेती है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को यूपी विधानसभा में पांच फरवरी को पेश किए गए यूपी बजट 2024-25 पर अपना पक्ष रखा। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरकार हर बार सबसे बड़ा बजट पेश करती है पर उसे खर्च नहीं कर पाती है। सरकार ने जितना आवंटन किया उस पर खर्च कितना हुआ है इसकी जानकारी नहीं देता है। अखिलेश ने अलग-अलग विभागों को पिछले वर्ष आवंटित किए गए बजट और उस पर हुए खर्च का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि यूपी का बजट सात लाख करोड़ का हो या आठ लाख करोड़ का पर सबसे बड़ा सवाल यही है कि प्रदेश की 90 फीसदी जनता के लिए क्या है? उन्होंने बजट के बड़े आकार पर कहा, बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर, पंछी को छाया नहीं फल लागे अति दूर। अखिलेश यादव ने कहा कि भारत विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है पर देश के 80 करोड़ लोग सरकारी राशन पर निर्भर हैं। वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये में छूट नहीं। युवाओं के लिए सेना में सिर्फ चार साल की अग्निवीर की भर्ती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि वो राम को लेकर आए हैं वो भगवान श्रीराम का अपमान करते हैं। ऐसा कहकर आप धर्म और प्रभु श्रीराम का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का अपमान बंद कर देना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी की तारीफ करते हुए कहा कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री ने लगातार अयोध्या के दौरे किए पर जब समय आया तो फोकस से गायब हो गए। उन्होंने इन पंक्तियों के माध्यम से सीएम योगी की तरफ इशारा किया। उन्होंने कहा, हुजूर ए आला आज तक खामोश बैठे है इसी गम में। अखिलेश ने कहा कि सीएम लाल कारपेट पर भी नहीं दिखे। उन्हें वहां से साइडलाइन कर दिया गया। लाखों दिए जलाए पर खुद को रोशनी में न ला पाएं। इसे कहते हैं सच में चिराग तले अंधेरा होना। जब फोकस में नहीं थे तो हमें बड़ी मुश्किल से दिखे और जब महंगा लाल कारपेट दिखा तो महोदय कहीं नहीं दिखे। लाइन में भी नहीं थे बल्कि साइडलाइन में थे और लाखों दिए जलाए पर खुद को रोशनी में न ला पाएं। इसे कहते हैं सच में चिराग तले अंधेरा होना। अखिलेश यादव ने सीएम की तरफ इशारा करते हुए कहा, आप हमें चाचा के नाम पर छेड़ते हो... मैं आपको किसी और के नाम पर नहीं छेड़ता। मैं जानता हूं कि मुख्यमंत्री कितने दबाव में काम करता है। अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी अक्सर कहते हैं कि 2017 के पहले प्रदेश के सामने पहचान का संकट था जबकि यूपी ने देश को आठ प्रधानमंत्री दिए। कई शहरों में मेट्रो चलीं। टीसीएल जैसी कंपनियों ने निवेश किया। हमारी सरकार ने पूरी सुविधाएं दी। अगर पहचान का संकट था तो कंपनियों ने निवेश क्यों किया। उन्होंने कहा कि पहचान का संकट यूपी सरकार के लोगों को है इसलिए वो निवेश नहीं ला पा रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि योगी सरकार को अपने घोषणा पत्र पढ़ने चाहिए। हमारी सरकार ने छात्रों को लैपटॉप दिया था पर भाजपा सरकार नहीं दे पाई है। योगी सरकार को 2017, 2019 और 2022 का घोषणा पत्र पढ़ना चाहिए।

एक नज़र

दो शातिर चोरों को दबोचा, लाखों के जेवरात बरामद

लखनऊ। शहर पुलिस ने शनिवार को दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। इनके पास से पुलिस ने दो लाख के जेवरात बरामद हुए हैं। सीओ सदर अमित सिंह ने बताया कि महराजगंज रोड स्थित गोशाला के पास से मुखबिर की सूचना पर दो चोरों को पकड़ा गया। इसमें हरियाणा प्रांत के अंबाला जिले के हमीदपुर नारायणगढ़ निवासी विशाल शर्मा और लखनऊ जिले के खेदारी बाजार सिटी होटल के पीछे केसरबाग निवासी मो. आदिल शामिल हैं। सीओ ने बताया कि दोनों आरोपियों ने 12 जनवरी 2024 को अयोध्या जिले के कैंट थाना क्षेत्र के श्रीराम कॉलोनी, 31 जनवरी को रायबरेली जिले के मिल एरिया थाना क्षेत्र के भुआलपुर और तीन फरवरी को शहर क्षेत्र के ई-रिक्शा पर बैठी महिला के पर्स से जेवरात निकाल लिया था। इन दोनों के पास से सोने-चांदी के जेवरात, 6500 रुपये की नकदी के अलावा तमंचा बरामद हुआ है। विशाल गैंगेस्टर अधिनियम में फरार चल रहा था। एसपी ने उसकी गिरफ्तारी पर 15 हजार का ईनाम घोषित किया था।

सराफ के घर से चार लाख के जेवर उड़ाए

लखनऊ। सरेनी थाना क्षेत्र के भोजपुर कस्बे में शुक्रवार रात सराफा व्यवसायी के घर से चोरों ने नकदी समेत चार लाख रुपये के जेवर पार कर दिए। जिस समय चोरों ने घटना को अंजाम दिया, उस समय घर के लोग किसी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वापस लौटे तो सामान बिखरा मिला। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी। भोजपुर कस्बा निवासी संतोष कुमार सोनी महराजपुर कस्बे में सोने-चांदी की दुकान खोले था। 15 दिन पहले उसने दुकान बंद कर दी। जेवरात उसके घर पर रखे थे। घर पर ताला बंद करके परिवार के साथ वह निमंत्रण में गया था। इसी दौरान चोर ताला तोड़कर अंदर घुस गए। बक्से और अलमारी का लॉक तोड़कर करीब चार लाख रुपये के जेवर और 6500 रुपये पार कर दिया। शनिवार सुबह जब वह वापस लौटा तो सामान बिखरा पड़ा मिला। पीड़ित ने चोरी की तहरीर पुलिस को दी। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि घटना की जांच कराई जा रही है।

दिन में धूप-रात में ठंड, लोगों को बना रही बीमार

लखनऊ। दिन में गर्मी और रात में ठंड लोग बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। सर्दी, जुकाम, बुखार, खांसी, गले में दर्द, बदन में दर्द से पीड़ित लोग जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। करीब 40 फीसदी मरीज इगी बीमारी से पीड़ित रहे हैं। शनिवार को अधिकतम तापमान 21 व न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञ डॉ. अमर नाथ मिश्र के अनुसार उत्तरी-पश्चिमी हवा की वजह से तापमान में यह गिरावट दर्ज की गई है। अभी दो-तीनों तक मौसम के ऐसे ही रहने की संभावना है। जिला अस्पताल के डॉ. अमित यादव ने बताया कि इस मौसम में सर्दी, खांसी या बुखार जैसी स्वास्थ्य की कुछ समस्याएं बढ़ जाती है। इस समय हमें अपने घर के बच्चों, बड़े-बुजुर्गों की सेहत का भी खास ख्याल रखने की आवश्यकता है। कहा कि ज्यादा उम्र वालों को बीमारी से लड़ने की शारीरिक क्षमता कम हो जाती है। ऐसे में सर्दी, खांसी, बुखार, बदन दर्द जैसी परेशानियां के साथ सांस की परेशानी या अस्थमा का अटैक सबसे सामान्य समस्या है।

अवैध निर्माण ढहाने पर लेखपाल को पीटा

लखनऊ। कोतवाली क्षेत्र में शनिवार को अवैध निर्माण ढहाने पर दबंगों ने लेखपाल की धुनाई कर दी। कानूनगो के साथ धक्कामुक्की की। राजस्व टीम के साथ गई पुलिस तमाशबीन बनी रही। लेखपाल व कानूनगो ने भागकर जान बचाई। लेखपाल को चोटें आई हैं। लेखपाल ने घटना की तहरीर दी है। लालगंज कोतवाली में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में कुछ लोगों ने शिकायत किया कि लालूमऊ गांव में सरकारी जमीन पर कुछ लोग अवैध कब्जा करके निर्माण करा रहे हैं। नोटिस के बाद भी निर्माण कार्य बंद नहीं कर रहे हैं। तहसीलदार के निर्देश पर राजस्व टीम पुलिस के साथ अवैध निर्माण रोकने और ढहाने गई थी। दबंगों ने लेखपाल ऋषिकांत की पिटाई कर दी। बीचबचाव करने पर कानूनगो सत्यभवन शुक्ला के साथ धक्कामुक्की की। तहसीलदार मंजुला मिश्रा ने बताया कि घटना संज्ञान में है। लेखपाल ने थाने में तहरीर दी। कोतवाली प्रभारी से रिपोर्ट दर्ज करने के लिए कहा गया है।कोतवाली प्रभारी शिवशंकर सिंह ने बताया कि केस दर्ज करके कार्रवाई की जाएगी।

डॉक्टर को आई झपकी, छह पर चढ़ाई कार

लखनऊ। कोतवाली क्षेत्र में बृहस्पतिवार शाम एक बेकाबू कार ने सड़क किनारे खड़े लोगों को टक्कर मार दिया। हादसे में छह लोग जख्मी हो गए। गुस्साए लोगों ने कार सवार प्राइवेट चिकित्सक की न सिर्फ धुनाई की, बल्कि कार पर पथराव किया। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर चिकित्सक की जान बचाई। कार चला रहे चिकित्सक को झपकी आने पर हादसा हुआ। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। बछरावां-मौरावां मार्ग पर शाम करीब चार बजे एक कार बछरावां की ओर आ रही थी। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर एक चाट के ठेले से जा टकराई। हादसे में ठेला तालाब में जा गिरा और उसके आसपास खड़े बबुरिहा खेड़ा निवासी रिंकू (28), अनुज (49), मयंक (13), सोनू (26) व अन्य दो लोग घायल हो गए। हादसे के बाद गुसाई भीड़ ने चार पहिया वाहन पर पथराव कर दिया। इससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। कार चला रहे एवं क्षेत्र के थुलेंडी गांव के रहने वाले प्राइवेट चिकित्सक संजर किदवई (48) की धुनाई कर दी। चिकित्सक उन्नाव किसी काम से गए हुए थे। वापस आते समय उनको झपकी आ गई, जिस कारण हादसा हो गया। कार में सिर्फ वही थे।

परीक्षार्थियों को मानसिक दबाव-तनाव से मुक्त रखने की पहल

एजेंसी

लखनऊ। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं 22 फरवरी से शुरू हो रही हैं। बच्चों का दिमाग किसी प्रकार के तनाव या दबाव में ना रहे इसके लिए हेल्पलाइन शुरू की जा रही है।

प्रदेश में 22 फरवरी से बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। परीक्षा के दौरान बोर्ड परीक्षार्थियों के तनाव व मानसिक दबाव को कम करने व उनकी समस्याओं के समाधान के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग हर जिले में एक हेल्पलाइन शुरू करेगा। 15 फरवरी से बोर्ड परीक्षा की समाप्ति तक यह हेल्पलाइन चलेगी। इसमें विशेषज्ञ मनोविज्ञानी व समाजशास्त्री विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करेंगे। प्रदेश में 22 फरवरी से शुरू होने वाली परीक्षा में 50 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा के दौरान कई बार विद्यार्थी तनाव व दबाव में आ जाते हैं और कई बार उनके द्वारा गलत कदम भी उठा लिया जाता है। इसे देखते हुए माध्यमिक शिक्षा विभाग ने यह निर्णय लिया है कि प्रदेश के हर जिले में बोर्ड परीक्षार्थियों के लिए एक हेल्पलाइन का संचालन किया जाएगा। जो पूरी परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों की परीक्षा संबंधित जिज्ञासाओं व शिकायतों के समाधान के लिए परामर्श देगी। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने कहा है कि हर जिले में दो सदस्यीय सेल का गठन कर हेल्पलाइन चलाई जाएगी। इसमें मनोविज्ञान विषय के विशेषज्ञ तैनात किए जाएंगे। उनकी अनुपलब्धता में समाजशास्त्र व शिक्षाशास्त्र विषय के विशेषज्ञ यहां तैनात किए जाएंगे। यह हेल्पलाइन 15 फरवरी से परीक्षा समाप्त होने तक चलेगी। उन्होंने सभी डीआईओएस को निर्देश दिया है कि इस सेल का जल्द से जल्द गठन कर मोबाइल नंबर के साथ इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करें। ताकि बोर्ड परीक्षार्थी इसका लाभ ले सकें।

प्रदेश में थमी पछुआ हवाएं, गलन से मिली राहत

सोमवार की रात से एक बार फिर बदलेगा मौसम

एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश में पिछले कई दिनों से जारी तेज पछुआ हवाओं का दौर शनिवार को थम गया। इसके साथ ही गर्म पुरवा हवा चलने लगी है। इसके कारण रविवार और सोमवार की शाम तक गलन से राहत रहने के आसार हैं। सोमवार को देर रात से फिर मौसम बदलेगा और प्रदेश में बादलों की आवाजाही शुरू होगी। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, सोमवार को देर शाम विंध्य क्षेत्र में बूंदाबांदी के साथ हल्की बारिश का दौर आरम्भ होने के आसार हैं। साथ ही 13-14 फरवरी को पूर्वांचल के दक्षिणी इलाकों एवं बुन्देलखंड में भी बारिश हो सकती है। इसके बाद फिर 15 फरवरी से मौसम पुनः शुष्क हो जाने की संभावना है। यद्यपि प्रदेश के तराई एवं संलग्न मध्यवर्ती हिस्सों में बादलों की आवाजाही के बाबजूद मौसम शुष्क बना रहने की संभावना है। अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, सम्भावित भू-भौतिकीय परिस्थितियों के प्रभाव से आगामी 4-5 दिनों के दौरान प्रदेश के न्यूनतम तापमान में 3-5एष्ट जबकि अधिकतम तापमान में 2-3एष्ट का क्रमिक उछाल आने की संभावना है7 शनिवार को दिन के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। ज्यादातर इलाकों में पारा सामान्य से ऊप चढ़ने लगा है। प्रदेश में अधिकतम तापमान 22 डिग्री से 26.5 डिग्री के बीच रहा। सामान्य से दो डिग्री तक की बढ़ोतरी रही। रात के पारे में अभी गिरावट बरकरार है। यह 5.4 से 11 डिग्री के बीच रहा। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, रविवार को इसमें वृद्धि होने के आसार हैं।

3.60 करोड़ प्रदेश वासियों को खिलाई जाएंगी फाइलेरिया की दवा

एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने फाइलेरिया उन्मूलन के तहत वीडियो कांफ्रेंसिंग से मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम के देशव्यापी अभियान का शनिवार को शुभारंभ किया। प्रो. बघेल ने उत्तर प्रदेश सहित 11 राज्यों में चलने वाले कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से जुड़े हुए अधिकारियों से इसमें व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एनेक्सी सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि प्रदेश में अगस्त 2023 के मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम में लगभग 84 प्रतिशत से अधिक लोगों को फ़ाइलेरिया रोधी दवा खिलाई गई। इस बार शत-प्रतिशत लाभार्थियों को दवा खिलाने का प्रयास किया जा रहा हैं। प्रदेश के स्कूलों के लगभग 3.5 लाख बच्चों को भी फाइलेरिया उन्मूलन के लिए शपथ दिलाई जाएगी। इस चक्र में लगभग 3 करोड़ 60 लाख लोगों को फ़ाइलेरिया से सुरक्षित रखने की दवाएं खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। यह चक्र 28 जनवरी तक 17 जिलों में चलाया जाएगा। ई-कवच के माध्यम से एएनएम व आशा कार्यकर्ताओं के कार्यों की प्रगति की मॉनिटरिंग की जा रही है। इस एप्लीकेशन से महिलाओं और बच्चों की सेहत की सटीक जानकारी लेने में भी बहुत सहायता मिल रही है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान छूटे हुए लोगों के लिए टीमें बनाकर और रात्रि भ्रमण कर, अपने सामने दवाएं खिलाना सुनिश्चित किया जायेगा। डॉक्टर जोएल ने बताया कि फाइलेरिया रोधी दवाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। रक्तचाप, शुगर व अन्य सामान्य रोगों से ग्रसित व्यक्ति भी इन दवाओं का सेवन कर सकते हैं। एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और अति गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को यह दवाएं नहीं दी जाएंगी। इस अवसर पर प्रदेश के स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. बृजेश राठौर, निदेशक (स्वास्थ्य) डॉ. बीपीएस कल्याणी आदि मौजूद रहे।

पीएम मोदी कर सकते हैं गोमतीनगर स्टेशन का लोकार्पण

15 फरवरी को रेलवे प्रशासन को होगा हैंडओवर

एजेंसी

लखनऊ। 19 फरवरी को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के कार्यक्रम में आएंगे वो गोमती नगर रेलवे स्टेशन का भी शुभारंभ कर सकते हैं।

भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी ने जिस गोमतीनगर रेलवे स्टेशन की नींव रखी थी, उसके विश्वस्तरीय बनने का इंतजार करीब छह साल बाद खत्म होने को है। 15 फरवरी तक स्टेशन पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन को हैंडओवर हो जाएगा। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्टेशन का शुभारंभ करवाने की तैयारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 2024 के लिए राजधानी आने वाले हैं। सूत्र बताते हैं कि इस अवसर पर गोमतीनगर रेलवे स्टेशन का शुभारंभ भी उनसे करवाया जा सकता है। हालांकि, इस मामले पर पूर्वोत्तर रेलवे के अफसर अभी कुछ भी स्पष्ट बोलने से बच रहे हैं। बता दें कि भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी ने गोमती पार की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों की सुविधा के लिए गोमतीनगर स्टेशन की नींव रखी थी। दो पैसेंजर ट्रेनों के ठहराव वाले हाल्ट से बढ़कर पांच प्लेटफार्मों वाला स्टेशन बनाया गया। इसके बाद वर्ष 2018 में रेलवे लैंड डेवपलमेंट अथॉरिटी आरएलडी को करीब 385 करोड़ रुपये में स्टेशन को विकसित करने का जिम्मा मिला। आरएलडीए ने विभूतिखंड की तरफ कामर्शियल ब्लॉक बनाकर उसे लीज पर दिया। इससे होने वाली आय से गोमतीनगर स्टेशन को भी बनाया गया। स्टेशन का निर्माण 10 एकड़ क्षेत्रफल में फैला है। एयर कानकोर्स, वेटिंग रूम, कैफेटेरिया, लाउंज की सुविधा भी दी गई है। नए टर्मिनल पर 14 लिफ्ट और 13 एस्केलेटर लगाए गए हैं। सोलर पावर से स्टेशन बिल्डिंग जगमगाएगी। गोमतीनगर स्टेशन पर आरएलडीए ने चार लाख वर्गफीट क्षेत्रफल में दो कॉमर्शियल ब्लॉक भी विकसित किए हैं।

पूरे प्रदेश में बहेगी निवेश की बयार: सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। 19 फरवरी को होने वाली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी से प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प को बल मिलेगा। बताया जा रहा है कि जीबीसी के जरिए पश्चिमांचल में सर्वाधिक 52 प्रतिशत निवेश परियोजनाओं की शुरुआत होगी।

19 फरवरी को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में योगी सरकार द्वारा आयोजित की जा रही ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) 4.0 के माध्यम से पूरे प्रदेश में निवेश परियोजनाओं की शुरुआत होगी। खास बात ये है कि जीबीसी के जरिए प्रदेश के सभी हिस्सों में निवेश की बयार बहेगी। इसके अंतर्गत सर्वाधिक 52 प्रतिशत निवेश परियोजनाओं की शुरुआत प्रदेश के पश्चिमांचल हिस्से में होगी। पश्चिमांचल के अतिरिक्त प्रदेश के पूर्वांचल में 29 प्रतिशत, मध्यांचल में 14 प्रतिशत और बुंदेलखंड में 5 प्रतिशत निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की कार्यवाही की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से योगी सरकार अनुमानित 10 लाख करोड़ रुपए की निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारने जा रही है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के एक वर्ष के अंदर इतनी बड़ी राशि के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारकर योगी सरकार प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक और मील का पत्थर स्थापित करने जा रही है।

19 फरवरी को पीएम मोदी और सीएम योगी की मौजूदगी में जीबीसी 4.0 का शुभारंभ किया जाएगा। इसके माध्यम से योगी सरकार यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के बाद एक वर्ष की छोटी अवधि में लगभग 10 लाख करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश को धरातल पर उतारेगी। इसके माध्यम से 33.50 लाख रोजगार के अवसरों के साथ 14 हजार से अधिक परियोजनाओं को लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाए जाएंगे। इस कार्यक्रम में 3 हजार से अधिक प्रतिभागियों के हिस्सा लेने की संभावना है, जिसमें प्रतिष्ठित उद्योगपति, फॉर्च्यून ग्लोबल/इंडिया 500 कंपनियां, विदेशी निवेशक भागीदार, राजदूत/उच्चायुक्त एवं अन्य प्रतिष्ठित अतिथि सम्मिलित हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिकांश 19.24 प्रतिशत निवेश आवास में होना निर्धारित है। इसके अलावा 15 प्रतिशत निवेश रिन्यूएबल एनर्जी में, 13 प्रतिशत मैन्युफैक्चरिंग में, 10 प्रतिशत आईटी एवं आईटी आधारित सेवाओं में, 7.83 प्रतिशत लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग में, 7.5 प्रतिशत ऊर्जा में, 6.01 प्रतिशत फूड प्रॉसेसिंग में, 5.27 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में, 2.96 प्रतिशत शिक्षा में स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही, शॉर्टलिस्ट किए गए अन्य सेक्टर में कृषि (0.37प्रतिशत), पशुपालन (0.25प्रतिशत), ऑटोमोबाइल एवं इलेक्ट्रिक वाहन (0.33प्रतिशत), जैव ईंधन/बायोमास (0.82प्रतिशत), डेयरी (1.04प्रतिशत), डिफेंस एवं एयरोस्पेस (0.55प्रतिशत), डिस्टलरीज (0.84प्रतिशत), वित्तीय सेवाएं (0.12प्रतिशत), खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति (1.08प्रतिशत), स्वास्थ्य सेवाएं (2.73प्रतिशत), आतिथ्य एवं मनोरंजन (2.78प्रतिशत), अवस्थापना (0.02प्रतिशत), टेक्सटाइल एवं हथकरघा (1.28प्रतिशत), काष्ठ आधारित उद्योग (1.00प्रतिशत) और अन्य क्षेत्र (0.11प्रतिशत) शामिल हैं।

यह योगी सरकार का चौथा ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह होगा। इससे पहले योगी सरकार तीन ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी आयोजित कर चुकी है, जिसके माध्यम से प्रदेश में 2.10 लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश धरातल पर उतारा गया था। उत्तर प्रदेश सरकार ने फरवरी-2018 में पहली बार यूपी इन्वेस्टर्स समिट का सफलतापूर्वक आयोजन किया था। समिट में 4.28 लाख करोड़ रुपए के 1,045 एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे। इसके उपरांत जुलाई-2018 में प्रथम ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह तथा जुलाई 2019 में दूसरा ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह आयोजित किया गया, जिसमें क्रमशः 61,792 करोड़ रुपए के निवेश वाली 81 परियोजनाओं तथा 67,202 करोड़ रुपए के निवेश वाली लगभग 290 परियोजनाओं का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया। जून 2022 में, ग्राउंड-ब्रेकिंग समारोह के तीसरे संस्करण का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 80,000 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश वाली 1,400 से अधिक परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। इस लिहाज से 2024 में होने जा रही जीबीसी में निवेश का साइज पिछली तीन जीबीसी के मुकाबले 5 गुना ज्यादा है।

सम्पादकीय

ज्ञानवापी मामले में मुस्लिम समाज को गलती सुधारने की पहल करनी चाहिए

सत्ता लोभ और चुनाव में पराजय के भय से पीड़ित इन लोगों का राष्ट्रीय अस्मिता की अवमानना करने और उसे नकारने में लाज ही नहीं आती। लोभ, भय ओर मौन हो जाने का परिणाम भारत का राष्ट्रीय समाज 75 वर्ष पूर्व भुगत चुका है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा वाराणसी के प्रसिद्ध विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद में हुए सर्वेक्षण से उस दावे की पुष्टि हो गई है कि वह हिन्दू मंदिर पर ही बनाई गई थी। इस सर्वेक्षण को रोकने के लिए मुस्लिम पक्ष द्वारा न्यायालय में चरम सीमा तक जाकर तर्क दिए गए। वही बीती 31 जनवरी को वाराणसी की एक न्यायालय ने हिंदू पक्ष को ज्ञानवापी मस्जिद के व्यास जी तलगृह में पूजा का अधिकार दे दिया है। पूर्ण विधि विधान पूजा अर्चना शुरू हो गई है। हिंदू पक्ष कुछ समय से ज्ञानवापी परिसर में स्थित एक तलगृह में पूजा का अधिकार मांग रहा था। यह तलगृह मस्जिद परिसर में है। वर्ष 1992 तक व्यास जी तलगृह में पूजा नियमित तौर पर होती थी। 6 दिसंबर 1992 को हुए बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद 1993 से व्यासजी के तलगृह बंद कर दिया गया और बैरिकेडिंग कर दी गई। उस समय समाजवादी पार्टी की सरकार थी और मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे। अयोध्या राम जन्मभूमि मामले को लेकर मुलायम सिंह यादव ने बैरिकेडिंग लगा दी कि यहां सांप्रदायिक माहौल ना बिगड़े और लड़ाई-झगड़े ना हों। पहले बांस-बल्ली लगाकर टेंपरेरी तौर पर बैरिकेडिंग की गई और बाद में पक्की तरह से बंद कर दिया गया। इसके बाद यहां पर वार्षिक तौर पर माता श्रृंगार गौरी की पूजा हो रही थी। ज्ञानवापी में किए गए सर्वेक्षण की जो रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत हुई, उसके आधार पर कोई भी कह सकता है कि वह मंदिर ही है। मुस्लिम पक्ष को इसका ज्ञान काफी पहले से था। इसीलिए उन वस्तुओं को छिपा दिया गया था और ढक दिया गया था जो हिन्दू धर्म के प्रतीक और चिन्ह हैं। सबसे बड़ी बात शिवलिंग का मिलना है। पौराणिक ग्रंथों से पता चलता है कि ज्ञानवापी कुएं का निर्माण स्वयं भगवान शिव ने अपने त्रिशूल से किया था। पौराणिक काल से ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का इलाका अविमुक्त क्षेत्र के नाम से प्रसिद्ध रहा है। महाभारत में भी काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के पूरे क्षेत्र को अविमुक्त क्षेत्र के नाम से पुकारा गया है। वर्तमान में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद भी अविमुक्त क्षेत्र का ही भाग रहा है। इस क्षेत्र में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद को मुक्त कराने के लिए सैकड़ों वर्षों से विश्व भर के हिंदू संघर्ष कर रहे हैं। होना तो यह चाहिए था कि स्वतंत्रता के बाद केंद्र सरकार मुगल काल में हिन्दू धर्मस्थलों को तोड़कर या उन्हीं ढांचों पर खड़ी की गई मस्जिदों को हिंदुओं को सौंपने की नीति बनाती। लेकिन कांग्रेस सहित अन्य पार्टियां मुसलमानों की नाराजगी से बचने के लिए हिंदुओं के वैध दावों को ठुकराती रहीं। मथुरा और वाराणसी में हिंदुओं के सर्वोच्च आराध्यों के पवित्र मंदिर के बगल में बनी मस्जिद के हिन्दू मंदिर होने की बात पंडित नेहरू से लेकर तमाम नेताओं को ज्ञात थी। लेकिन उन्होंने इस दिशा में सोचने का कष्ट इसलिए नहीं उठाया क्योंकि वे हिंदुओं की सहनशक्ति को जानते थे। वरना क्या कारण था कि हिंदुओं की विवाह व्यवस्था संबंधी रीति-रिवाजों को तो उलट-पलट दिया गया किंतु मुस्लिम पर्सनल लॉ को छेड़ने की हिम्मत नहीं हुई। देश का बंटवारा धर्म के नाम पर हमारे नेताओं ने स्वीकार किया था। सर्व धर्म समभाव के भारतीय संस्कारों के कारण भले ही मुस्लिमों की बड़ी आबादी भारत में रह गई और पाकिस्तान के उलट भारत ने अपने को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनाया किंतु ये भी उतना ही सही है कि तत्कालीन शासकों ने मुस्लिम तुष्टीकरण के फेर में बहुसंख्यकों की धार्मिक भावनाओं को धक्का पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। यदि सरदार पटेल न होते तब बड़ी बात नहीं सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार भी न हो पाता। अयोध्या का विवाद तो स्वाधीनता के पहले से चला आ रहा था। वास्तव में, देश में एक ऐसी जमात है जो भय और लोभ से भरी हुई है। उसमें कायरता की कीचड़ है। वह ऐतिहासिक यर्थाथ और सांस्कृतिक सत्य का सामना करने से कतराती है। समस्या का समाधान सौदेबाजी में तलाशती है और समस्या को टालते जाने को अपनी कुशलता और चतुराई मानती है। इस जमात के भगीरथ हैं राजनेता। ऐसा राजनेता जिनकी सोच और दृष्टि का क्षितिज केवल एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक का है। भावी पीढ़ियों, दशाब्दियों और शताब्दियों की बात सोचने का सामर्थ्य उनमें नहीं है। वे हम मर गए तो किसने दुनिया देखी की मानसिकता से पीड़ित हैं। सत्ता लोभ और चुनाव में पराजय के भय से पीड़ित इन लोगों का राष्ट्रीय अस्मिता की अवमानना करने और उसे नकारने में लाज ही नहीं आती। लोभ, भय ओर मौन हो जाने का परिणाम भारत का राष्ट्रीय समाज 75 वर्ष पूर्व भुगत चुका है। राजनीतिक नेतृत्व के लोग और भय एवं राष्ट्रीय समाज के मौन में से तुष्टिकरण और खुशामद कर जन्म हुआ था। यह इतिहास सिद्ध अनुभव है कि हिन्दुओं का मौन राष्ट्र के विभाजन को जन्म देता है। अल्पसंख्यकों की मुखरता और उनका तुष्टिकरण राष्ट्र के भूगोल को बिगाड़ता और इतिहास का मान भंग करता है। 1991 में केंद्र की नरसिम्हा राव सरकार ने जो कानून बनाया उसके अनुसार 15 अगस्त 1947 को किसी भी धर्मस्थल की जो स्थिति थी उसे परिवर्तित नहीं किया जाएगा। लेकिन अयोध्या विवाद में सर्वोच्च न्यायालय ने अपना निर्णय इस आधार पर दिया कि बाबरी ढांचा हिंदुओं के मंदिर को मस्जिद का रूप देकर खड़ा किया गया था। ठीक वही बात ज्ञानवापी के बारे में भी सामने आ रही है। अयोध्या विवाद को सुलझाकर सर्वोच्च न्यायालय ने जो रास्ता खोल दिया वह उन सभी धर्मस्थलों को मुक्त करवाने में सहायक होगा जिनको मुस्लिम शासकों ने बलपूर्वक मस्जिद का रूप दे दिया। मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि के बारे में भी ऐसा ही दावा है। ये सब देखते हुए मुस्लिम धर्मगुरुओं को अपने समुदाय के लोगों को समझाना चाहिए कि वे हठधर्मिता के बजाय समझदारी और व्यवहारिकता से काम लें। इसमें दो राय नहीं है कि मुगलों द्वारा पूरे देश में हिंदुओं के धर्मस्थलों को नष्ट करने का काम बड़े पैमाने पर हुआ। प्राचीन धर्म स्थलों के बारे में जो तथ्य उभरकर सामने आ रहे हैं वे चौंकाने वाले हैं। ज्ञानवापी में हिंदू पक्ष को पूजा का अधिकार प्रदान करने के न्यायालय के निर्णय के बाद मुस्लिम पक्ष ने इस पर नाराजगी जताई है। मुस्लिम पक्ष ने कहा है कि फैसले के बाद हाईकोर्ट में इस आदेश के खिलाफ अपील की जाएगी। मुस्लिम पक्ष ने इस फैसले को नकार दिया है। इससे पहले मुस्लिम पक्ष ने एएसआई के सर्वे को भी नकार दिया था। ज्ञानवापी परिसर में स्थित माता श्रृंगार गौरी भी पूजा का अधिकार मांगा जा रहा है। देखा जाए तो, मुस्लिम पक्ष द्वारा इस बारे में वही गलती दोहराई जा रही है जो अयोध्या विवाद में देखने मिली। इसलिए इस विवाद को निपटाने के लिए अदालत ही एकमात्र विकल्प बचता है, जहां ठोस प्रमाणों के आधार पर निर्णय होते हैं। अयोध्या में हिन्दू मंदिर होने की बात भी वहां की गए उत्खनन से ही तय हुई। वही प्रक्रिया ज्ञानवापी के बारे में भी अपनाई जा रही है। मुस्लिम समाज को ये बात समझ लेनी चाहिए कि जिन राजनीतिक दलों के बहकावे में आकर वह सच्चाई की स्वीकार करने से बचता है उनका उद्देश्य मात्र उनके वोट प्राप्त करना है। जहां मूर्ति हो और जिस भूमि पर जबरन कब्जा किया गया हो, वहां मस्जिद बनाने और नमाज पढ़ने को कुरान और पैगम्बर दोनों ने मना किया है। मस्जिद को हटाने का भी कुरान में निषेध नहीं है। ऐसे में वो विशाल हृदय का प्रदर्शन करते हुए अतीत में मुगल शासकों द्वारा हिंदुओं के धर्मस्थलों पर बलपूर्वक अधिकार जमाने और नियंत्रण किए जाने वाली गलती को सुधारने की पहल करते हुए उनकी सद्भावना प्राप्त करें। सद्भावना और सहिष्णुता एकपक्षीय नहीं, द्विपक्षीय होती है। एक पक्ष को अपमानित करके दूसरे पक्ष को सम्मान देने से सद्भाव को नहीं, शत्रुता का जन्म होता है। जन-जन को दिग्भ्रमित करने की राजनीति दलाली के दुष्चक्र की लंबी कहानी है।

मोदी के 'चार सौ पार' के दावे में गुंथे सियासी प्रबंधन के तार..!

अब सवाल यह है कि क्या भाजपा को लोकसभा चुनाव में इसका लाभ वोटों के रूप में मिलेगा, इसका जवाब पाने के लिए हमे नतीजों का इंतजार करना होगा। इसके दो कारण हैं। पहला तो यह कि भारत रत्न पुरस्कारों में निहित राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूर्ववर्ती अनुभवों में बहुत ज्यादा फलित होती नहीं दिखी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के उत्तर में संसद में आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा द्वारा अपने दम पर 370 और एनडीए द्वारा 4 सौ के पार सीटें जीतने का जो दावा किया गया था, उसका आधार मोदी सरकार द्वारा भारत रत्न सम्मानों की झड़ी तथा विपक्षी तथा दूसरे दलों को अपनी छतरी में लाने के अभियान से समझा जा सकता है। वैसे प्रधानमंत्री ने जो दावा कर रहे हैं, वह जमीन पर कितना उतरेगा, यह तो चुनाव नतीजे ही बताएंगे, लेकिन उसे साकार करने की दिशा में स्वयं प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी भाजपा जिस तरह जमीन आसमान एक किए दे रही है, उससे लगता है कि यह सच हो भी सकता है। भले ही चुनाव पूर्व किए जा रहे ओपीनियन पोल के नतीजे अभी इस दावे को दूर की कौड़ी ही बता रहे हों। बहरहाल, भाजपा की चार सौ पार की यह रणनीति कई स्तरों पर नजर आती है और साम-दाम-दंड-भेद से प्रेरित है। नैतिक आधार पर इसकी आलोचना हो सकती है, लेकिन व्यावहारिक स्तर पर वह सफल होती दिखती है। यूं भी राजनीति मूलतः सत्ता का खेल है और कुर्सी ही इसका अंतिम साध्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह इसे बखूबी समझते हैं। इसीलिए दो कदम आगे बढ़ने के लिए एक कदम पीछे हटने में भी उन्हें गुरेज नहीं है। आज क्या हासिल होगा, यही उनका प्राथमिक लक्ष्य है। कल क्या होगा, भावी इतिहास इसका आकलन किस रूप में करेगा, नीति शास्त्र में उसे कहां जगह मिलेगी, नियम-कानूनो की लक्ष्मण रेखाओं की सुविधाजनक व्याख्या कैसे की जाएगी, आज लोकतंत्र की आधारभूत संस्थाओं के हाथ किसे सेल्यूट कर रहे हैं, जैसे सवाल आगे भी उठेंगे लेकिन मोदी राजनीति शास्त्र में इन सवालों की चिंता किए बगैर बहुतांश की जनाकांक्षा को किस भाव से पढ़ा जाए और उसे किस तरह अपने पक्ष में मोड़ा जाए, यह हिकमत ही नया पॉलिटिकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है। और मोदी इस प्रौद्योगिकी के मास्टर हैं। इसी बाजीगरी को इस साल घोषित पांच भारत रत्नों में बूझने की कोशिश मोदी के आलोचक कर रहे हैं। हालांकि, भारत रत्न जैसा सर्वोच्च पुरस्कार जाति, धर्म, समुदाय और क्षेत्रीय दुराग्रहों से परे है और देश की असाधारण सेवा के लिए दिया जाता है। लेकिन इस बार दिए गए पांचो भारत रत्नों में जाति और भौगोलिक क्षेत्र के महीन समीकरण साधने का भाव भी निहित है। भले ही घोषित तौर पर यहा कहा जाए कि हमने वैचारिक मतभेदों के परे जाकर भारत रत्न पुरस्कार दिए हैं। लेकिन न साधकर भी बहुत कुछ साधने की सियासी कारीगरी इसमें साफ झलकती है। अब सवाल यह है कि क्या भाजपा को लोकसभा चुनाव में इसका लाभ वोटों के रूप में मिलेगा, इसका जवाब पाने के लिए हमे नतीजों का इंतजार करना होगा। इसके दो कारण हैं। पहला तो यह कि भारत रत्न पुरस्कारों में निहित राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूर्ववर्ती अनुभवों में बहुत ज्यादा फलित होती नहीं दिखी है। इसका कारण शायद यह भी है कि पहले के कर्णधारों ने भारत रत्नों के जरिए राजनीतिक हित साधने की झीनी कोशिश जरूर की थी, लेकिन वह उतनी शिद्दत से नहीं थी, जैसी कि इस बार दिखती है। दूसरे, जो पुरस्कार दिए गए हैं या और भी दिए जा सकते हैं, वो ठीक चुनाव के मुहाने पर हैं। लिहाजा इसका कुछ न कुछ असर होने की पूरी संभावना है, जिसका फायदा भाजपा और एनडीए को किसी न किसी रूप में होगा। तीसरे, विचार और आग्रहों के स्तर पर जैसी जबर्दस्त गोलबंदी ऊपर से नीचे तक अब दिखाई दे रही है या करने की कोशिश की जा रही है, वैसी एक दशक पहले तक नहीं थी। जिस होशियारी से ये भारत रत्न दिए गए हैं, उसकी आलोचना मोदी विरोधी भी खुलकर नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि इसमें खतरा यह है कि अगर यह दांव चल गया तो आने वाले समय में किसी भी प्रधानमंत्री को 'भारत रत्न लो और वोट दो' की नीति पर ही काम करना होगा। इसकी शुरूआत हो भी चुकी है। मायावती ने दलितों के नेता कांशीराम और शिवसेना ने बाला साहब ठाकरे को भारत रत्न देने की मांग कर दी है। इनके नामो की घोषणा हो भी सकती है बशर्ते ये सब एनडीए के शामियाने में अपना राजनीतिक स्टॉल लगा लें। दूसरे शब्दों में कहें तो अब किसी विशिष्ट क्षेत्र में अन्यतम योगदान के जरिए देश सेवा के लिए भारत रत्न देकर राष्ट्रीय कृतज्ञता जताने का दौर धुंधला चुका है। यह असंभव नहीं कि भारत रत्न अब जातीय/ सामुदायिक अथवा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व या फिर राजनीतिक लामबंदी की योग्यता के आधार पर ही दिए जाने लगें। इसमें शक नहीं कि लोकसभा चुनाव में चार सौ पार का आंकड़ा हासिल करने के लिए भाजपा अपना एनडीए कुनबा बढ़ाने की हर संभव कोशिश कर रही है। पहले जदयू का लौटना, अब रालोद का एनडीए में शामिल होना, पंजाब में अकाली दल को लौटाने की कवायद इसी का हिस्सा है। उधर दक्षिण में पी.वी. नरसिंहराव को भारत रत्न देने का स्वागत पूर्व सत्तारूढ़ रही भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष केसीआर ने किया है। केसीआर की पार्टी ने तीन साल पहले पी.वी. नरसिंहराव की जन्मशती धूमधाम से मनाई थी और उन्हें 'तेलंगाना का गौरव' और 'भारतमाता का परम प्रिय पुत्र' कहा था। तब कांग्रेस खामोश ही रही थी। हालांकि, अब नरसिंहराव को भारत रत्न देने की घोषणा के बाद कांग्रेस यह कह रही है कि उन्हें प्रधानमंत्री तो हमने ही बनाया था। पी.वी. नरसिंहराव अविभाजित आंध्र के मुख्यमंत्री थे। ऐसे में आंध्र में भी इसका कुछ तो संदेश गया ही है। खासकर तब कि जब भाजपा और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी फिर साथ आने की बात चल रही है। इसी तरह वर्तमान संदर्भों में महान कृषि वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन को भारत रत्न देना विज्ञान प्रतिभा के सम्मान से ज्यादा तमिलनाडु की जनता को राजनीतिक संदेश देना ज्यादा है। हालांकि वहां की द्रविड राजनीति में अभी भी भाजपा के लिए कोई खास जगह नहीं है, लेकिन यह रेत में घरौंदा बनाने की कोशिश जरूर है। एक बात साफ है कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए केवल राम लहर, हिंदुत्व और सुनहरे आर्थिक सपनो के भरोसे नहीं है। वह इसी के समानांतर गरीब कल्याण, रेवड़ी कल्चर, सियासी गोलबंदी, धार्मिक ध्रुवीकरण, मोदी के वैश्विक नेता बनने, भारत के विश्व गुरू होने की दिशा में आगे कूच करने तथा युवाओं का सपना सच होने के दावों के टूल्स का भी भरपूर उपयोग कर रही है। इस शोर में गरीबी, बेरोजगारी, आर्थिक विकास में छिपी विषमता, जातीय और साम्प्रदायिक तनाव जैसे मुद्दे तूती की आवाज बनकर रह जाते हैं। इसमें दो राय नहीं कि बीते एक दशक में भाजपा ने यह साबित कर दिया है कि चुनाव प्रबंधन में उसका कोई सानी नहीं है और उस पर राजनीतिक बढ़त हासिल करनी है तो विरोधी दलों को अब भी नए उपकरण, नए तरीके और जुमले अपनाने होंगे। भाजपा को भाजपा के पिच पर नहीं हराया जा सकता। प्रधानमंत्री के दावे में एक पेंच भाजपा द्वारा 370 सीटें अपने दम पर जीतने का है। यह आंकड़ा कहां से और कैसे आया? यह केवल शोशेबाजी है या फिर इसके पीछे भी कोई रणनीति है? यह सवाल इसलिए भी मौजूं है क्योंकि हाल में हुए ओपिनियन पोल भाजपा और एनडीए को तीसरी बार सत्ता तो दिला रहे हैं, लेकिन भाजपा की सीटों में बेहद मामूली इजाफा दिखा रहे है। 2019 में भाजपा ने अकेले 303 सीटें जीती थीं। यानी 370 तक पहुंचने के लिए उसे 67 सीटें और चाहिए। ये कहां से आएंगी? जिन राज्यों में भाजपा एक या दो नंबर पर है, वहां वह अधिकतम सीटें पहले ही जीत रही है। अर्थात 67 सीटें उसे उन राज्यों में जीतनी होंगी, जहां क्षेत्रीय दल सत्ता में हैं। यह तभी संभव है, जब मोदी और रामलला की जबर्दस्त आंधी चले। ऐसा फिलहाल तो नहीं लग रहा है। लेकिन यदि ऐसा कोई अंडर करंट है तो वह नतीजों में ही झलकेगा। संभव है कि पीएम द्वारा 370 का आंकड़ा बताने के पीछे कश्मीर से धारा 370 हटाने का संदेश निहित हो। यह जताने की कोशिश भी हो सकती है कि हमने अपने कोर एजेंडे को पूरा कर दिया है। लिहाजा हम ही तीसरी बार भी सत्ता के दावेदार हैं।

पर्यावरणः हिमालय में कम बर्फबारी के मायने, संकट के समाधान पर कारगर काम की जरूरत

इस बार पहाड़ों पर बर्फ न गिरने से हिमालयी राज्यों समेत देश भर में संकट खड़ा हो गया है। इसके लिए हमें स्थानीय मूल कारकों पर ध्यान देना होगा। क्या हिमालय की गोद में बसे भारत के कई राज्य, नेपाल और पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में देर से हुई बर्फबारी महज एक असामान्य घटना है या फिर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का संकेत? यह बात गौर करने की है कि बीते कुछ वर्षों में हिमालय लगातार असामान्य और चरम मौसम की चपेट में है, और इस बार बरसात ने हिमाचल प्रदेश से लेकर उत्तराखंड तक जबर्दस्त कहर ढाया था। लेकिन इस बार लगातार 45 दिन तक पहाड़ों पर बर्फ न गिरने से हिमालयी राज्य ही नहीं, शेष भारत के लिए भी संकट खड़ा हो गया है। जान लें, देर से हुई बर्फबारी से राहत तो है, पर इससे उपजे खतरे भी हैं। कश्मीर के बाशिंदों के लिए जीवकोपार्जन का मूल आधार है-जाड़े का मौसम। यहां जाड़े के कुल 70 दिन गिने जाते हैं। सत्तर दिन की बर्फबारी 15 दिन में सिमटने से दिसंबर और जनवरी में हुई लगभग 80-90 फीसदी कम बर्फबारी की भरपाई तो हो नहीं सकती। उसके बाद गर्मी शुरू हो जाने से जो थोड़ी-सी बर्फ पहाड़ों पर आई है, वह जल्दी ही पिघल जाएगी। अर्थात आने वाले दिनों में एक तो ग्लेशियर पर निर्भर नदियों में बाढ़ आ सकती है और फिर अप्रैल में गर्मी आने पर वहां पानी का अकाल हो सकता है। देश में हिमालयी क्षेत्र का फैलाव 13 राज्यों व कई केंद्रशासित प्रदेशों में है, जो करीब 2,500 किलोमीटर में फैले हुए हैं। भारत के मुकुट कहे जाने वाले हिमाच्छादित पर्वतमाला की गोदी में कोई पांच करोड़ लोग सदियों से रह रहे हैं। जलवायु परिवर्तन की मार से सर्वाधिक प्रभावित उत्तराखंड के पहाड़ जैसे अब अपना संयम खो रहे हैं। देश को सदानीरा गंगा-यमुना जैसी नदियां देने वाले पहाड़ के करीब 12 हजार प्राकृतिक स्रोत या तो सूख चुके हैं या फिर सूखने के कगार पर हैं। इस सर्दी में हिमालय, हिंदू-कुश और काराकोरम में बर्फबारी की असामान्य अनुपस्थिति के चलते गर्म तापमान रहा है। जलवायु संकट के प्रतीक ये बदलाव पर्वतीय समुदायों और हिंदू-कुश हिमालयी क्षेत्र में जल सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण खतरा पैदा करते हैं। यह समझना होगा कि सर्दियों में कम बर्फबारी का कारण अल नीनो नहीं है। अल नीनो के कारण केवल गर्मी और मानसून की बारिश प्रभावित होती है। गौरतलब है कि पहाड़ों पर रहने वाले लोग आजीविका के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर ही निर्भर हैं। वे अपना निर्वाह खेती और पशुधन पालन से करते हैं। लगभग बर्फ रहित या देर से सर्दी का प्रभाव उन लोगों के लिए विनाशकारी हो सकता है। पूरे हिमालयी क्षेत्र में कम बर्फबारी और अनियमित बारिश से पानी और कृषि वानिकी सहित प्रतिकूल पारिस्थितिक प्रभाव पड़ने की आशंका है। अगर तापमान जल्द ही बढ़ जाता है, तो देर से होने वाली बर्फबारी और भी अधिक त्रासद होगी। गर्मी से यदि ग्लेशियर अधिक पिघले, तो आने वाले दिनों में पहाड़ी राज्यों में स्थापित सैंकड़ों मेगा वाट की जल विद्युत परियोजनाओं पर भी संकट आ सकता है। लंबे समय तक सूखे के कारण झेलम और अन्य नदियों का जल स्तर अभी से नकारात्मक सीमा में है। देश की संपन्न अर्थव्यवस्था का आधार खेती है, जो बगैर सिंचाई के हो नहीं सकती। इसके लिए अनिवार्य है कि नदियों में जल-धारा अविरल रहे, लेकिन नदियों में जल लाने की जिम्मेदारी तो उन बर्फ के पहाड़ों की है, जो गर्मी होने पर धीरे-धीरे पिघलकर देश को पानीदार बनाते हैं। साफ है कि आने वाले दिनों में न केवल कश्मीर या हिमाचल, बल्कि पूरे देश में जल संकट खड़ा होगा। ऐसे में, सवाल यह उठता है कि इस अनियमित मौसम से कैसे बचा जाए? ग्लोबल वार्मिंग या अल नीनो को दोष देने से पहले हमें ऐसे स्थानीय कारकों पर विचार करना होगा, जिससे प्रकृति कूपित है। जून, 2022 में गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान द्वारा जारी रिपोर्ट %एनवायरनमेंटल असेसमेंट ऑफ टूरिज्म इन द इंडियन हिमालयन रीजन% में कड़े शब्दों में कहा गया था कि हिमालयी क्षेत्र में बढ़ते पर्यटन के चलते हिल स्टेशनों पर दबाव बढ़ रहा है। साथ ही पर्यटन के लिए जिस तरह से इस क्षेत्र में भूमि उपयोग में बदलाव आ रहा है, वह अपने-आप में एक बड़ी समस्या है। जंगलों का बढ़ता विनाश भी इस क्षेत्र के इकोसिस्टम पर व्यापक असर डाल रहा है। इस रिपोर्ट में हिमाचल प्रदेश में पर्यटकों के वाहनों और इसके लिए बन रही सड़कों के कारण वन्यजीवों के आवास नष्ट होने और जैव विविधता पर विपरीत असर पड़ने की बात भी कही गई थी।

किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर वाकई प्रधानमंत्री मोदी ने दिल जीत लिया

चौधरी चरण सिंह के सियासत में प्रवेश की बात की जाये तो चरण सिंह सबसे पहले 1937 में छपरौली से उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए एवं 1946, 1952, 1962 एवं 1967 में विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह, पूर्व पीएम नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न की घोषणा में चौधरी चरण सिंह के बारे में यह जरूर कहा जा सकता है कि यह सम्मान उन्हें काफी पहले मिल जाना चाहिए था। चौधरी चरण सिंह का सम्मान देर से लिया गया एक फैसला है। चौधरी चरण सिंह 'भारत रत्न' के लिये पूरी तरह से योग्य थे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर में चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1903 को एक ग्रामीण किसान परिवार में हुआ था। एक मध्यम वर्गीय जाट किसान परिवार में जन्मे चौधरी चरण सिंह लोकतंत्र के बड़े पैरोकार थे। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करने में इतना समय क्यों लगा यह यक्ष प्रश्न हो सकता है। अब जबकि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने चौधरी चरण सिंह को वह सम्मान दिलाया है जिसके वह हकदार थे तो इस पर किसी को एतराज नहीं होगा। उन्होंने 1923 में विज्ञान से स्नातक किया एवं 1925 में आगरा विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त चौधरी चरण सिंह ने गाजियाबाद से एक अधिवक्ता के रूप में पेशे की शुरुआत की थी। चरण सिंह 1929 में मेरठ आ गये और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। चौधरी चरण सिंह की विरासत अब उनके पौत्र जयंत चौधरी संभाल रहे हैं। वह राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष हैं। उन्होंने बाबा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि आपने 'दिल जीत लिया%। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने के खिलाफ कहीं से कोई आवाज तो नहीं उठ रही है, लेकिन भारत रत्न देने की टाइमिंग पर जरूर सवाल उठाया जा रहा है। ऐन चुनाव से पूर्व जब इस बात की चर्चा चल रही है कि चौधरी चरण सिंह के पौत्र जयंत चैधरी की राष्ट्रीय लोकदल के बीजेपी के साथ गठबंधन की चर्चा तेज है, तब इस तरह का फैसला सवाल तो खड़ा करता ही है। चौधरी चरण सिंह के सियासत में प्रवेश की बात की जाये तो चरण सिंह सबसे पहले 1937 में छपरौली से उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए एवं 1946, 1952, 1962 एवं 1967 में विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वे 1946 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में संसदीय सचिव बने और राजस्व, चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, न्याय, सूचना इत्यादि विभिन्न विभागों में कार्य किया। जून 1951 में उन्हें राज्य के कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया एवं न्याय तथा सूचना विभागों का प्रभार दिया गया। बाद में 1952 में वह डॉ. सम्पूर्णानन्द के मंत्रिमंडल में राजस्व एवं कृषि मंत्री बने। अप्रैल 1959 में जब उन्होंने पद से इस्तीफा दिया, उस समय उन्होंने राजस्व एवं परिवहन विभाग का प्रभार संभाला हुआ था। इसी तरह से चौधरी चरण सिंह सी.बी. गुप्ता के मंत्रालय में गृह एवं कृषि मंत्री (1960) रहे। श्रीमती सुचेता कृपलानी के मंत्रालय में वे कृषि एवं वन मंत्री (1962-63) रहे। उन्होंने 1965 में कृषि विभाग छोड़ दिया एवं 1966 में स्थानीय स्वशासन विभाग का प्रभार संभाल लिया। कांग्रेस के विभाजन के बाद फरवरी 1970 में दूसरी बार वे कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। हालांकि राज्य में 2 अक्टूबर 1970 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। कांग्रेस में रहकर भी समाजवाद को आगे बढ़ाने वाले चरण सिंह ने विभिन्न पदों पर रहते हुए उत्तर प्रदेश की सेवा की एवं उनकी ख्याति एक ऐसे कड़क नेता के रूप में हो गई थी जो प्रशासन में अक्षमता, भाई भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते थे। प्रतिभाशाली सांसद एवं व्यवहारवादी चरण सिंह अपनी वाकपटुता एवं दृढ़ विश्वास के लिए जाने जाते हैं। उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार का पूरा श्रेय उन्हें जाता है। ग्रामीण देनदारों को राहत प्रदान करने वाला विभागीय ऋणमुक्ति विधेयक, 1939 को तैयार करने एवं इसे अंतिम रूप देने में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। उनके द्वारा की गई पहल का ही परिणाम था कि उत्तर प्रदेश में मंत्रियों के वेतन एवं उन्हें मिलने वाले अन्य लाभों को काफी कम कर दिया गया था। वह 1959 से राष्ट्रीय मंच पर दिखाई देने लगे जब उन्होंने नागपुर कांग्रेस अधिवेशन में निर्विवाद नेता और प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू की समाजवादी और सामूहिक भूमि नीतियों का सार्वजनिक रूप से विरोध किया था। हालाँकि गुटों से भरी उत्तर प्रदेश कांग्रेस में उनकी स्थिति कमजोर हो गई थी, लेकिन यही वह समय था जब उत्तर भारत में विभिन्न जातियों के मध्यम से किसान समुदायों ने उन्हें अपने प्रवक्ता और बाद में अपने निर्विवाद नेता के रूप में देखना शुरू कर दिया। यह भी ध्यान देने योग्य है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस के भीतर अपनी स्पष्ट नीतियों और मूल्यों को व्यक्त करने की उनकी क्षमता ने उन्हें अपने सहयोगियों से अलग खडा किया। इस अवधि के बाद, चरण सिंह 1 अप्रैल 1967 को कांग्रेस से अलग हो गए, विपक्षी दल में शामिल हो गए और यूपी के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री बने। यह वह समय था जब 1967 से 1971 तक भारत में गैर-कांग्रेसी सरकारें एक मजबूत ताकत थीं। जनता गठबंधन के एक प्रमुख घटक भारतीय लोक दल के नेता के रूप में 1977 में जयप्रकाश नारायण की पसंद मोरारजी देसाई के प्रधानमंत्री बनने की उनकी महत्वाकांक्षा से उन्हें निराशा हुई। 1977 के लोकसभा चुनावों के दौरान जब बिखरा हुआ विपक्ष चुनाव से कुछ महीने पहले जनता पार्टी के बैनर तले एकजुट हुआ, जिसके लिए चौधरी चरण सिंह 1974 से लगभग अकेले ही संघर्ष कर रहे थे। उस समय वह राज नारायण के प्रयासों के कारण ही प्रधानमंत्री बने। राज नारायण जनता पार्टी-सेक्युलर के अध्यक्ष थे और उन्होंने चरण सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में पदोन्नत करने का आश्वासन दिया था, जिस तरह उन्होंने उन्हें वर्ष 1967 में उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री बनने में मदद की थी। हालाँकि, जब इंदिरा गांधी की कांग्रेस पार्टी ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया तो उन्होंने केवल 24 सप्ताह के कार्यकाल के बाद इस्तीफा दे दिया। चरण सिंह ने कहा कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया क्योंकि वह इंदिरा गांधी के आपातकाल से संबंधित अदालती मामलों को वापस लेने के लिए ब्लैकमेल किए जाने के लिए तैयार नहीं थे। छह महीने बाद नये चुनाव हुए। चरण सिंह 1987 में अपनी मृत्यु तक विपक्ष में लोकदल का नेतृत्व करते रहे। बतौर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में जोत अधिनियम, 1960 को लाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। यह अधिनियम जमीन रखने की अधिकतम सीमा को कम करने के उद्देश्य से लाया गया था ताकि राज्य भर में इसे एक समान बनाया जा सके। देश में कुछ-ही राजनेता ऐसे हुए हैं जिन्होंने लोगों के बीच रह कर सरलता से कार्य करते हुए इतनी लोकप्रियता हासिल की हो। एक समर्पित लोक कार्यकर्ता एवं सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखने वाले चरण सिंह को लाखों किसानों के बीच रहकर प्राप्त आत्मविश्वास से काफी बल मिलता रहा। चौधरी चरण सिंह ने अत्यंत साधारण जीवन व्यतीत किया और अपने खाली समय में वे पढ़ने और लिखने का काम करते थे। उन्होंने कई किताबें एवं रूचार-पुस्तिकाएं लिखीं जिसमें 'जमींदारी उन्मूलन', 'भारत की गरीबी और उसका समाधान', 'किसानों की भूसंपत्ति या किसानों के लिए भूमि, 'प्रिवेंशन ऑफ डिवीजन ऑफ होल्डिंग्स बिलो ए सर्टेन मिनिमम', 'को-ऑपरेटिव फार्मिंग एक्स-रे' आदि प्रमुख हैं।

आदतन अपराधी भरत उर्फ भानू को हर माह देनी होगी माधवनगर थाना में हाजिरी

द, अचीवर टाइम्स से पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश,कटनी। कटनी कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अवि प्रसाद ने आदतन अपराधी भरत उर्फ भानू कुकरेजा के विरुद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 6 माह की अवधि तक हर माह एक दिन पुलिस थाना माधवनगर में उपस्थिति दर्ज कराने का आदेश पारित किया है। कलेक्टर श्री प्रसाद ने भरत के विरुद्ध यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कटनी से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर किया है। अनावेदक भरत उर्फ भानू कुकरेजा पिता घनश्याम दास कुकरेजा उम्र 27 वर्ष निवासी खैवर लाईन थाना माधवनगर निवासी है और असामाजिक तत्व एवं आदतन अपराधी है। भरत का थाना क्षेत्र में आमजन के साथ गाली गलौच ,मारपीट करना, हत्या करने की नियत से जानलेवा हमला करना, अधिक मात्रा में शराब कब्जे में रखकर विक्रय करना और लूट करने जैसे आपराधिक मामले विभिन्न न्यायालयों में प्रचलित है। भरत के आपराधिक कृत्यों और गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिये समय-समय पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियां की गई है परन्तु इसके आचरण में कोई सुधार परिलक्षित नही हुआ है। अनावेदक की अपराधिक गतिविधियों के कारण एवं उसके आपराधिक कृत्यों से आमजनो का स्वच्छंद विचरण करना मुशकिल हो गया है ।साथ ही क्षेत्र के आम नागरिक उनके दैनिक जीवन के कृत्यों को सामान्य रूप से करने में असहज महसूस करते हैं। आम जनता इसके आपराधिक कृत्यों से इतनी भयभीत रहती है कि अनावेदक के विरुद्ध संज्ञेय अपराध की सूचना थाने में देने एवं उसके विरुद्ध साक्ष्य देने में भय महसूस करते हैं। इस कारण से भरत अपनी आपराधिक गतिविधियों को लगातार जारी रखा हुआ है। भरत की आपराधिक गतिविधियों के कारण क्षेत्र में शांति भंग एवं लोक प्रशांति का खतरा पैदा हो गया है। अनावेदक आम जनता के लिये आतंक का पर्याय बन चुका है। अनावेदक भरत के उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर कटनी में मौजूद रहने से आम जनो के लिये भय एवं आतंक का वातावरण निर्मित है। इन स्थितियों के मद्देनजर कलेक्टर श्री प्रसाद ने भरत उर्फ भानू कुकरेजा के विरुद्ध म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3(क) के तहत कार्रवाई करते हुए अनावेदक भरत उर्फ भानू कुकरेजा पिता घनश्याम दास कुकरेजा उम्र 27 वर्ष निवासी खैबर लाईन थाना माधवनगर जिला कटनी को 6 माह की अवधि तक प्रतिमाह में एक दिन थाना माधवनगर में उपस्थिति दर्ज कराने का निर्देश दिया है।

कैप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड ने स्टॉक स्प्लिट और 1:1 बोनस की घोषणा की

तीसरी तिमाही में वर्ष दर वर्ष आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ 81.7 फीसदी बढ़कर 68 करोड़ रुपए दर्ज किया गया

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

मुम्बई । एमएसएमई, अफोर्डेबल हाउसिंग, कंस्ट्रक्शन फाइनेंस सेगमेंट जैसे विविध क्षेत्रों में कार्यरत विविधीकृत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) कंपनी कैप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड (सीजीसीएल) के निदेशक मंडल ने स्टॉक स्प्लिट और शेयरधारकों को 1 इक्विटी शेयर पर 1 बोनस शेयर देने की मंजूरी दे दी है। कंपनी बोर्ड ने सार्वजनिक निर्गम/निजी प्लेसमेंट के माध्यम से किश्तों में 500 करोड़ रुपये तक की राशि के लिए नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर जारी करने को भी मंजूरी दे दी है। कंपनी के निदेशक मंडल ने 27 जनवरी को हुई बोर्ड मीटिंग में 2 रुपए के फेसवैल्यू के फुल्ली-पेडअप एक इक्विटी शेयर को 1 रुपए के फेसवैल्यू के 2 फुल्ली-पेडअप इक्विटी शेयर में उप-विभाजित करने की मंजूरी दी है। कंपनी के निदेशक मंडल ने 1 इक्विटी शेयर पर 1 बोनस शेयर देने को भी मंजूरी दे दी है, यानी कि शेयरधारकों को 1 रुपये फेसवैल्यू के प्रत्येक फुल्ली-पेडअप इक्विटी शेयर के लिए 1 रुपये के फेसवैल्यू का एक नया फुल्ली-पेडअप बोनस इक्विटी शेयर हासिल होगा। कंपनी ने स्टॉक विभाजन और बोनस की पात्रता के लिए मंगलवार, 5 मार्च, 2024 को रिकॉर्ड तिथि तय की है, जो गुरुवार, 22 फरवरी, 2024 को होने वाली कंपनी की आगामी असाधारण आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है। वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में कंपनी ने वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में अर्जित 37.4 करोड़ रुपए के मुकाबले 81.7 फीसदी अधिक 68 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया है और कंपनी का एयूएम 2023 की तीसरी तिमाही में दर्ज 8654.5 करोड़ रुपए के मुकाबले 54.4 फीसदी बढ़कर 13,362.1 करोड़ रुपए दर्ज किया गया है। कंपनी ने श्री एल वी प्रभाकर, श्री शिशिर प्रियदर्शी और सुश्री नुपुर मुखर्जी को अपने निदेशक मंडल में अतिरिक्त स्वतंत्र निदेशक के रूप में शामिल किया है, जो कि शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है।

एक नज़र

परौर थाना परिसर में पीस कमेटी की मीटिंग का हुआ आयोजन

मीटिंग में आए चंद लोगों के लिए भी कम पड़ गई कुर्सियां

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। थाना परौर में पीस कमेटी की मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के संभ्रांत लोगों व धर्मगुरुओं मौलवियों को बुलाया गया।पीस कमेटी की मीटिंग में लगभग 20से 30लोग ही पहुंच सके। वहीं आपको बता दें ढुलमुल व्यवस्था के चलते मीटिंग में आए लोगों को खड़े होकर थानाध्यक्ष महोदया की मीटिंग के बारे में जानकारी को सुनना पड़ी। वहीं आपको बता दें कि पीस कमेटी में आए क्षेत्र के चंद लोगों को भी बैठने के लिए कुर्सियां नहीं मिल सकी।

श्री शीतला प्रसाद सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विगत वर्षों के भांति इस वर्ष भी बड़े ही धूमधाम से मनाया गया वार्षिक उत्सव

द अचीवर टाइम्स नरेन्द्र कुमार गौतम

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बख्शी तालाब अंतर्गत ग्राम चनवातारा में स्थित श्री शीतला प्रसाद सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों ने अपनी प्रतियोगिता दिखाते देश भक्ति गीतों वी नाटक के जरिए जागरूकता सोशल मीडिया का प्रदर्शन करते हुए सोशल मीडिया का प्रयोग कैसे किया जाए पर छोटे-छोटे बच्चों को कैसे प्रयोग करना चाहिए प्रोग्राम के जरिए दिखा दिया अपना जलवा इस मौके पर श्री शीतला प्रसाद सीनियर सेकेंडरी स्कूल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा प्रबंधक श्री दुष्यंत कुमार मुकेश यादव रजनी वर्मा अन्नू वर्मा सुधा वर्मा वैशाली कृष्ण कुमार नायक गोमती देवी ने बच्चों में एक उत्साह भर दिया।

लोकसभा 34 भाजपा नेत्री सीमा सिंह रावत जी का लगातार जनसंपर्क जारी

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। बताते चलें की सीमा सिंह रावत जी जनता के बीच में जाकर अपना प्रचार प्रसार जोरो से कर रही हैं आज लोकसभा 34 सुरक्षित मोहनलालगंज लखनऊ के विधानसभा 169 बक्शी का तालाब व ब्लॉक बक्शी का तालाब के ग्राम पंचायत मरपा, इटौंजा में पहुंचकर सभी लोगों से मुलाकात किया। और केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार की 9 साल की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी चर्चा किया। और 2024 लोकसभा चुनाव पर भी चर्चा किया।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार किसान की मौत

बेहंदर (हरदोई)। कासिमपुर थाना क्षेत्र के सरेहरी मेड़ौआ संपर्क मार्ग पर शुक्रवार देर रात एक वाहन ने बाइक सवार किसान को टक्कर मार दी। लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर ले जाते समय रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। कासिमपुर थाना क्षेत्र के तिलकखेड़ा मजरा बड़ागांव निवासी सत्यप्रकाश (42) गांव में रहकर खेती करते थे। शुक्रवार को वह अपनी बहन के गांव कछौना कोतवाली क्षेत्र धूरपुरा गए थे। बाइक से रात में वापस घर जा रहे थे। तभी सरेहरी मेड़ौआ मार्ग पर पलराई पुलिया के पास किसी वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। राहगीरों की सूचना पर एंबुलेंस से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेहंदर ले जाया गया। यहां चिकित्सक ने हालत नाजुक देखकर ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर लखनऊ जा रहे थे, लेकिन काकोरी के पास ही उनकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष रामलखन ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

बूथ कमेटी संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई-सीएल वर्मा

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया

लखनऊ। पीडिए जन पंचायत का आयोजन विधानसभा मलिहाबाद में काकोरी विकास खण्ड में किया गया।समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला सचिव अजय सिंह चौहान के निवास स्थान पर भलिया गांव में उनके द्वारा आयोजित की गई। इस दौरान पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं निवर्तमान मोहनलालगंज सांसद प्रत्याशी सीएल वर्मा,पूर्व मंत्री आरके चौधरी,पूर्व मंत्री रामलखन चौरसिया,जिलाध्यक्ष जय सिंह जयंत का जोरदार स्वागत किया।बैठक में उपस्थित जोन,सेक्टर प्रभारियों व पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए सीएल वर्मा ने कहा कि बूथ कमेटी संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है।बिना मजबूत बूथ कमेटी के चुनाव जीतने की कल्पना नहीं की जा सकती है।बूथ कमेटियां ही पार्टी की नीतियों,योजनाओं के बारे में जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जिलाध्यक्ष जय सिंह जयंत,पूर्व मंत्री आरके चौधरी,रामलखन चौरसिया ने भाजपा सरकार को दलितों,पिछड़ों और अल्पसंख्यकों का विरोधी बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार बाबा साहेब का संविधान बदलने का षडयंत्र कर रही है।यह सरकार दलितों और पिछड़ों को मिलने वाले आरक्षण को खत्म करना चाहती है।उन्होंने पीडीए पखवाड़ा जन पंचायत के बारे में बताया कि पूरे प्रदेश में पीडीए पखवाड़ा के कार्यक्रम से प्रदेश में सपा का जनाधार लगातार बढ़ रहा है।इससे 2024 के लोकसभा में फायदा होगा और अधिक से अधिक सीटो पर सपा प्रत्याशी की जीत मिलेगी।उन्होंने सभी दलितों,पिछड़ों और अल्पसंख्यक समाज के लोगों से 2024 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के पक्ष में लामबंद होने के लिए आह्वान किया।बैठक की अध्यक्षता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह यादव, संचालन पूर्व प्रदेश सचिव अभय मुलायम सिंह यादव ने किया।इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सोनीष मौर्य,पूर्व जिलाध्यक्ष नागेंद्र सिंह यादव,राशिद अली,वीर बहादुर सिंह,टीबी सिंह,नजर मुस्तफा, जितेंद्र कुमार गुड्डू, रज्जनलाल यादव,मोहम्मद इमरान मंसूरी, मोहम्मद इब्राहिम मंसूरी, छविलाल रावत, नुजहत खान, आशा रावत, विजय श्री, मुईन खान, शेरा रावत, सुमित कनौजिया, गुरुदयाल गौतम, मनोज रावत, रंजीत कश्यप, पिन्नू यादव, मनोज यादव, ओमप्रकाश यादव, संदीप पाल, मेवा कनौजिया, सत्यपाल सिंह चौहान, मुकेश लोधी सहित आदि ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया।बड़ी संख्या क्षेत्रीय ग्रामीण मौजूद रहे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक खीरी की अध्यक्षता में थाना खीरी व कोतवाली सदर में हुआ थाना समाधान दिवस का आयोजन

द अचीवर टाइम्स एस के सिंह

लखीमपुर खीरी। आज महीने के द्वितीय शनिवार को जिले में समस्त थानों में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें आए फरियादियों की फरियाद सुनकर उनके निस्तारण की कार्यवाही की गई। थाना खीरी एवं कोतवाली सदर में समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक खीरी की अध्यक्षता में हुआ। आज दिनांक 10.02.2024 को माह के द्वितीय शनिवार को जनपद के समस्त थानों पर ÷थाना समाधान दिवस÷ का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी महोदय खीरी, श्री महेन्द्र बहादुर सिंह व पुलिस अधीक्षक महोदय खीरी, श्री गणेश प्रसाद साहा द्वारा थाना खीरी व कोतवाली सदर पर उपस्थित रहकर ÷थाना समाधान दिवस÷ की अध्यक्षता की गई। इस दौरान प्राप्त जनशिकायतों की सुनवाई कर त्वरित व निष्पक्ष जांच कराकर समयबद्ध रूप से विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा सर्किल के थानों पर उपस्थित रहकर जनशिकायतों का निस्तारण कराया गया।

प्राथमिक विद्यालय असरा के वार्षिक उत्सव पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रोग्राम आयोजित

द अचीवर टाइम्स/चेतन कुमार

हापुड़। जनपद हापुड़ की ग्राम पंचायत असरा ब्लॉक सिंभावली के सरकारी प्राथमिक विद्यालय असरा का वार्षिक उत्सव मनाया गया जिसकी अध्यक्षता ग्राम प्रधान सोहनवीर सिंह ने की और संचालन मुख्य शिक्षिका अर्चना श्रीवास्तव ने किया। तो वही शिक्षाका ने बताया कि वार्षिक उत्सव कराने का उद्देश्य आने वाले सत्र में सरकारी स्कूल में बच्चों को ज्यादा से ज्यादा एडमिशन कराना। जिसमें सभी बच्चों के अभिभावकों को आमंत्रित किया गया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया और समस्त ग्राम वासियों से आग्रह किया गया की ज्यादा से ज्यादा अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में भेजें। जिससे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बना सके। उसके लिए आग्रह किया वार्षिक उत्सव में भाग लेने वाले शिक्षिका मुख्य शिक्षिका अर्चना श्रीवास्तव, शिखा मुक्त आंगनबाड़ी, राजेश सहायिका, बिजेंदरी राशन डीलर, जूली देवी एवं समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे जो बच्चे स्कूल में पढ़ रहे हैं उन बच्चों को एवं वहां सभी मौजूदों को लड्डू बाटकर एवं बच्चों को चिप्स बिस्किट देकर के सम्मानित किया गया एवं प्रधान द्वारा सभी प्यारे बच्चों को शुभकामनाएं दी गई।

पारा में राज्य सभा सांसद के निधि से पार्षद की अगुवाई में नाली एवं सड़क का शिलान्यास

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया

काकोरी। पारा में आज शनिवार को पश्चिम विधानसभा के वार्ड हैदरगंज द्वितीय में देश के रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के लोकप्रिय सांसद एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की प्रेरणा से एवं राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी जी की निधि से सोना बिहार कॉलोनी में ब्रजेश सिंह के मकान से राजकुमार प्रजापति के मकान तक सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर पार्षद धर्मेंद्र सिंह, पश्चिम मंडल-1 मंत्री श्री आशीष तिवारी, किसान मोर्चा पश्चिम मंडल-1 अध्यक्ष श्री लवलेश शर्मा,वार्ड अध्यक्ष राकेश जयसवाल, बूथ अध्यक्ष रविन्द्र दुबे, रमेश कनौजिया, कल्लू लोधी, पुष्पेंद्र शुक्ला एवं सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

मंडलीय खेल प्रतियोगिता एवं शैक्षिक समारोह में ऑल ओवर चैम्पियन में जनपद हापुड़ ने प्राप्त किया दूसरे स्थान

❖ व्यक्तिगत चैम्पियनशिप में प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग में हापुड़ की राशि बनी चैम्पियन

द अचीवर टाइम्स/ चेतन कुमार

हापुड़। जनपद हापुड़ ने मंडलीय खेल प्रतियोगिता एवं शैक्षिक समारोह में ऑल ओवर चैम्पियन में जनपद हापुड़ दूसरे स्थान पर रहा। आपको बता दे कि व्यक्तिगत चैम्पियनशिप में प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग में हापुड़ की राशि चैम्पियन बनी। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीडीओ बुलंदशहर कुलदीप मीणा, मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक मेरठ दिनेश कुमार यादव एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 लक्ष्मीकांत पांडेय ने किया व समापन समारोह के मुख्य अतिथि संयुक्त शिक्षा निदेशक ओमकार शुक्ल, मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक मेरठ दिनेश कुमार यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बुलंदशहर डा0 लक्ष्मीकांत पांडेय व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हापुड़ रीतू तोमर ने विजेताओं को सम्मानित किया। ज़िला बेसिक शिक्षा अधिकारी हापुड़ रीतू तोमर ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी व ईमानदारी से खेलें तथा लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ेंने का उत्साहवर्धन किया और खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ज़िला व्यायाम शिक्षक मनप्रीत खैरा ने बताया की मंडलीय खेल प्रतियोगिता के सभी जनपदों के प्रथम स्थान पर रहे खिलाड़ी राज्य स्तरीय खेलो में लखनऊ में प्रतिभाग करेंगे। विजेता खिलाड़ियों को खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय देशराज वत्स, योगेश गुप्ता, पंकज चतुर्वेदी, रचना सिंह, सर्वेश कुमार, मनोज गुप्ता एवं ब्लॉक व्यायाम शिक्षक जयश्री, लक्ष्मी, सरिता, सतेंद्र कुमार व खेल शिक्षक अंशु, मीनाक्षी, प्रीति, श्रष्ठी, लक्ष्मी, अनीता, ममता, संजय, अजय, परवीन केसरी, प्रियंका, नीलम, योगेन्द्र एवं खेल अनुदेशक ललित, सुभोध, विनोद, राजबहादुर, मुर्शीद आदि लोगो ने बधाई दी।

कलेक्टर अवि प्रसाद ने विस्फोटक अधिनियम के मानकों के उल्लंघन पर 19 लायसेंस किया निलंबित

द, अचीवर टाइम्स से पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश,कटनी। विस्फोटक अधिनियम और नियमों के पालन होने की स्थिति का परीक्षण करने हेतु कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अवि प्रसाद द्वारा गठित किए गए राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों के संयुक्त जांच दल के निरीक्षण में मिली विसंगतियों और तय मानकों के उल्लंघन पर आतिशबाजी क्रय-विक्रय हेतु प्रदाय किए गए जिले के 19 विस्फोटक अनुज्ञप्तियों का लायसेंस कलेक्टर श्री प्रसाद ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है । लोक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये कलेक्टर श्री प्रसाद ने जिनका विस्फोटक लायसेंस निलंबित किया है उनमें अनिल मनूरमानी अनुज्ञप्ति संख्या 20/16, सुरेंद्र पोपटानी अनुज्ञप्ति संख्या 11/16, खेमचंद पोपटानी अनुज्ञप्ति संख्या 18/16, नरेश वासवानी अनुज्ञप्ति संख्या 19/16, जय कुमार गलानी अनुज्ञप्ति संख्या 09/16, सौरभ पंजवानी अनुज्ञप्ति संख्या 16/16, मुकेश चेलानी अनुज्ञप्ति संख्या 13/16, देवीदास तुल्स्यानी अनुज्ञप्ति संख्या 14/16, प्रकाश कुमार नागदेव अनुज्ञप्ति संख्या 05/16, विकास कुमार नागदेव अनुज्ञप्ति संख्या 06/16, चंद्रपाल डोडानी अनुज्ञप्ति संख्या 04/16, नंदलाल चेलानी अनुज्ञप्ति संख्या 15/16, सुशील कुमार अनुज्ञप्ति संख्या 17/16, अशोक भाषाणी अनुज्ञप्ति संख्या 03/17, सुनील जसूजा अनुज्ञप्ति संख्या 04/17, दीपक कुमार भागवानी अनुज्ञप्ति संख्या 02/17, सतीश कुमार गलानी अनुज्ञप्ति संख्या 10/16, अमित चेलानी अनुज्ञप्ति संख्या 12/16, और विनोद तीर्थानी अनुज्ञप्ति संख्या 07/16 को ग्राम पडरवारा पटवारी हल्का नंबर 44 राजस्व निरीक्षक मण्डल पहाडी तहसील व जिला कटनी मे स्थित खसरा नं. 158/1 (एक समय मे आतिशबाजी की मात्रा 100 कि.ग्रा.) को तत्काल प्रभाव से अंतरिम व्यवस्था के अंतर्गत निलंबित कर दिया है। विस्फोटक नियम 2008 के तहत निलंबित किए गए अनुज्ञप्तियों को निलंबन के आदेश की पुष्टि किए जाने से पूर्व, अनुज्ञप्तिधारी को सुने जाने का एक अवसर प्रदान किया गया है। साथ ही अंतरिम व्यवस्था के अंतर्गत निलंबित सभी अनुज्ञप्तिधारियों को अपना पक्ष रखने 13 फरवरी की शाम 4 बजे न्यायालय कलेक्टर में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया है। इस दौरान उनसे इन बिंदुओं पर स्पष्टीकरण लिया जायेगा। जिसमें टीन से निर्मित दुकान का संचालन करने पर विस्फोटक नियम 2008 के नियम 83 (2) के उल्लंघन पाये जाने पर उक्त निलंबन आदेश को क्यों न अंतिम कर दिया जाये। साथ ही यह भी कारण दर्शित करे कि इस आधार पर अनुज्ञप्ति को निरस्त और प्रतिसंहरण भी कर दिया जाये। साथ ही विस्फोटक नियम 2008 के नियम 119 के तहत यदि अनुज्ञप्ति निलंबित हो जाती है तो ÷अनुज्ञप्तिधारियों को विस्फोटको का वर्णन और मात्रा जो उसके कब्जे में है, अनुज्ञापन प्राधिकारी को सूचित करने का प्रावधान है। इस नियम के तहत सभी 19 विस्फोटक अनुज्ञप्तियों को जिन्हें निलंबित किया गया है उनसे 12 फरवरी को प्रातः 11:00 बजे कार्यालय कलेक्टर शाखा में कब्जे में उपलब्ध विस्फोटको का वर्णन और मात्रा का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं ताकि उसके निपटान के संबंध में आगामी आदेश दिये जा सके। कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा गठित संयुक्त जांच दल के द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदनानुसार अनुज्ञप्ति संख्या 03/2017 आतिशबाजी पटाखा दुकान विस्फोटक नियम 2008 के नियम 83 (2) के तहत ईंट पत्थर कांक्रीट से बनी नही पाई गई बल्कि टीन शेड से निर्मित होना पाई गई है जो कि विस्फोटक नियम 2008 के नियम 83 (2) एवं पेट्रोलियम तथा विस्फोटक नियंत्रक के आदेश का स्पष्ट उल्लंघन है।

जिलाधिकारी नितीश कुमार ने दिया निर्देश

संवाददाता

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में आई0 जी0 आर0 एस0 पोर्टल पर प्राप्त हो रही शिकायतों के नियत समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापरक निस्तारण कराये जाने के सम्बन्ध में जनपद स्तरीय/विकास खण्ड स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की । बैठक एडीएम प्रशासन ने बताया कि आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर सी0एम0सन्दर्भ, सी0एम0हेल्पलाइन, जिलाधिकारी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, ऑनलाइन, मण्डलायुक्त/आईजी/डीआईजी, पी0 जी0 पोर्टल, उप मुख्यमंत्री/मा0 राज्यपाल/मंत्री, शासन/राजस्व परिषद्/निदेशालय, आर्थिक मदद, अवैध भूमि कब्जा, मुख्य सचिव, महिला हेल्प डेस्क के अतिरिक्त ऑनलाइन प्रथम स्तर, द्वितीय स्तर, तृतीय स्तर एवं चतुर्थ स्तर व सी0 एम0 हेल्पलाइन प्रथम स्तर, द्वितीय स्तर, तृतीय स्तर, चतुर्थ स्तर व इस माह से उक्त के साथ-साथ साधारण डाक के सन्दर्भ प्राप्त हो रहे है। उन्होंने सभी प्रकार के शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण कराने के सम्बन्ध में समस्त अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आनलाइन प्राप्त हो रहे सभी संस्करणों के सन्दर्भो को मार्किंग नियमित समय से करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारीगण पोर्टल के माध्यम से प्राप्त होने वाले शिकायतों को प्रत्येक दिन देखेंगे। सम्बन्धित अधिकारीगण अपने-अपने यूजर आई0 डी0 को लागिन कर प्राप्त, किन्तु अनमार्क के मेन्यू में जाकर सर्च करा लें। यदि शिकायत उनके कार्यालय से सम्बन्धित है तो वे अपने कार्यालय स्तर पर लंबित रखेंगे अथवा अपने अधीनस्थ को ट्रांसफर करेंगे। किसी भी अधिकारी के पास अनमार्क सन्दर्भ नहीं रहना चाहिए। शिकायतों का निस्तारण अनिवार्य रूप से गुणवत्तापरक होना है जिससे फीडबैक के माध्यम से सी-श्रेणी सन्दर्भ न आये। डिफाल्टर के स्थान पर लंबित सूची सर्च करायी जाय तथा समय सीमा के भीतर सन्दर्भो को गुणवत्तापरक निस्तारित किया जाय। उन्होंने कहा कि किसी भी दशा में शिकायतों के निस्तारण के समय देरी व गुणवत्ता में कमी न होने पाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकरण में असंतोष जनक फीडबैक प्राप्त होने पर पुनः अपलोड की गयी आख्या के असंतोषजनक होने की स्थिति में नियमानुसार उच्चाधिकारी द्वारा अधीनस्थ अधिकारी का स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाय एवं अधीनस्थ अधिकारी से प्रकरण की गुणवत्ता परक निस्तारण कराकर संशोधित आख्या प्राप्त कर पोर्टल में अपलोड की जाये। जांच के दौरान यदि राजस्व/विकास विभाग एवं पुलिस की आवश्यकता पड़ती हो, तो सम्बन्धित उप जिलाधिकारी/खण्ड विकास अधिकारी/क्षेत्राधिकारी आपस में समन्वय स्थापित करके प्रकरण का नियमानुसार निराकरण करायें । बैठक में आईजीआरएस पटल सहायक कौशल श्रीवास्तव द्वारा एजेंडा प्रस्तुत किया गया तथा पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण की विस्तृत एवं तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। बैठक में पीडी डीआरडीए, एक्सईएन सिंचाई सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अनियन्त्रित होकर स्विफ्ट डिजायर पल्टी घायलों को सीएचसी भेजा गया

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

कानपुर। सिकंदरा कानपुर देहात सिकन्दरा थाना क्षेत्रान्तर्गत सिकन्दरा संदलपुर मार्ग पर जगन्नाथपुर गांव के समीप एक स्विफ्ट डिजायर गाड़ी नं0 क्क 74 ॅ स्न 7679 के अनियंत्रित होकर पलट जाने व गहरे चौड़े नाले में गिर जाने की सूचना प्राप्त हुयी थी । जिस पर पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर 02 बच्चों वैष्णवी उम्र 19 वर्ष तथा विराट उम्र 15 वर्ष को ग्रामीणों की मदद से बचा लिया गया तथा गाड़ी में सवार अन्य 06 लोगों जिनमें खुशबू उम्र 17 वर्ष, गोलू उम्र 16 वर्ष, प्राची उम्र 12 वर्ष, प्रतीक उम्र 10 वर्ष, विकाश उम्र 40 वर्ष, संजू उम्र 45 वर्ष को उपचार हेतु सीएचसी सिकन्दरा ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक जनपद कानपुर देहात द्वारा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया व पुलिस अधीक्षक द्वारा सीएचसी सिकन्दरा पहुंचकर परजनों से वार्ता कर घटना के बारे में जानकारी की गयी तो ज्ञात हुआ कि उक्त सभी लोग फूफगांव जनपद भिण्ड, मध्य प्रदेश से तिलक समारोह में सम्मिलित होकर 04/05 गाड़ियों के साथ अपने मूलनिवास गांव मुर्रा थाना डेरापुर जनपद कानपुर देहात जा रहे थे, जो वर्तमान में थाना क्षेत्र शिवराजपुर जनपद कानपुर नगर में रहते हैं। तत्पश्चात आवश्यक कार्यवाही हेतु सर्व-सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। पोस्टमार्टम हेतु शवों को मोर्चरी भिजवाया गया है, परिजन साथ में हैं। कानून व्यवस्था संबंधी कोई समस्या नहीं है।

एक नज़र

श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव के तहत पोशाक कार्यक्रम का आयोजन

अवध विवि के छात्रों ने प्रभु श्रीराम के साथ अन्य चरित्रों की निभाई भूमिका

अयोध्या। श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित होने के उपलक्ष्य में डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में भारत अंतरिक्ष सप्ताह के अन्तर्गत श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव मनाया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के दिशा-निर्देशन में शुक्रवार को फैशन डिजाइनिंग एवं गवर्नमेंट टेक्नोलॉजी के छात्र-छात्राओं द्वारा गुप्तार घाट पर पोशाक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें श्रीराम की भूमिका में मेहजबी बानो, सीता के रूप में आकृति श्रीवास्तव, लक्ष्मण के स्वरूप में गरिमा तिवारी, हनुमान की भूमिका शिवानी, रावण के रूप में सादिया रिजवी तथा सहयोगी में समृद्धि रस्तोगी, संस्कृति मिश्रा रही।कार्यक्रम का सफल आयोजन प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित होने के उपलक्ष्य में समस्त शिक्षण संस्थानों में शासन के निर्देश पर 09 से 10 फरवरी तक भारत अंतरिक्ष सप्ताह के अन्तर्गत श्रीराम अंतरिक्ष वेधशाला उत्सव मनाया जा रहा है। इसी क्रम में विभागीय शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की देखरेख में विनीता पटेल, शालिनी पांडे, रत्नेश यादव ने फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी एवं मेकअप, वेशभूषा स्वरूप प्रदान किया। इसमें पात्रों के मेकअप के लिये मॉनसून सैलून की साक्षी मोटवानी बजाज ने स्पॉन्सर किया।

सपा की बैठक में हुई विस्तार से चर्चा

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर आज रुदौली विधानसभा के सीवन वाजिदपुर गांव सभा में पी.डी.ए.की बैठक संपन्न हुई जिसमें मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में आम जनता त्रस्त है महंगाई चरम सीमा पर है श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री काल में जो विकास कार्य हुआँ उसे जनता आज भी याद कर रही है श्री यादव ने कहा आने वाले लोकसभा चुनाव में पीडीए को साथ लेकर इंडिया का गठबंधन के नेतृत्व दिल्ली में सरकार बनेगी जिसमें महत्वपूर्ण भूमिका सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की होगी श्री यादव ने कहा कि आम जनता ने मन बनाया है कि पीडीए का सासद बनना है ।

पीजीआई के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग का स्थापना दिवस मनाया गया

लखनऊ। सीओपीडी मरीजों में इन्फ्लूएंजा और न्यूमोकोकल वैक्सीन कारगार

संवादाता रघुनाथ सिंह द अचीवर टाइम्स

लखनऊ। यदि किसी को दो माह या इससे अधिक समय से खांसी और बलगम आ रहा है। सांस लेने में दिक्कत है। यह सीओपीडी (क्रोनिक आब्सट्रेक्शन पल्मोनरी डिजीज) के लक्षण हैं। फौरन चेस्ट फिजीशियन को दिखाएं। यह बातें पीजीआई के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के स्थापना दिवस पर शनिवार को विभाग के प्रमुख डॉ. आलोक नाथ ने कहीं। उन्होंने बताया कि सीओपीडी और अस्थमा के गंभीर मरीज इन्फ्लूएंजा और न्यूमोकोकल वैक्सीन को जरूर लगवाएं। इससे बीमारी की गंभीरता 40 फीसदी तक कम हो सकती है। इस मौके पर आयोजित एल्युमिनाई मीट में यहां के पढ़े डॉक्टर और विभाग के रेजिडेंट ने पुराने अनुभव साझा किये।

टीबी मरीज सर्तकता बरतें

समारोह की आयोजन सचिव व विभाग की डॉ. मानसी गुप्ता ने बताया कि सीओपीडी मरीज के फेफड़ों के वायु मार्ग सिकुड़ने पर सांस लेने में परेशानी होती है। इससे शरीर के भीतर से कार्बन डाई ऑक्साइड बाहर नहीं निकल पाती है टीबी रोगियों में इस बीमारी की आशंका सामान्य लोगों के मुकाबले ज्यादा होती है। लिहाजा टीबी मरीजों को इलाज में लापरवाही नहीं करनी चाहिए। इसे चिकित्सा भाषा में टीबी एसोसिएटेड सीओपीडी (टीओपीडी) कहा जाता है। इसका अहम कारण धूम्रपान और प्रदूषण है। समारोह में संस्थान निदेशक डॉ.आरके धीमान के अलावा केजीएमयू के डॉ. सूर्यकांत, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. वेद प्रकाश और डॉ. एसके जिंदल ने विचार रखे।

वक्फ मस्जिद खजूर के पुराने किराएदारो ने वक्फ बोर्ड चेयरमैन को दिया ज्ञापन

❖ अध्यक्ष का आश्वासन दोषियों पर होगी कड़ी कार्यवाही।

संवाददाता

अयोध्या। वक्त मस्जिद खजूर गुदड़ी बाजार रामपथ के पुराने किराएदारों ने वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी से मिलकर अपना शिकायती पत्र सौंपा।बृहस्पतिवार को वक्फ मस्जिद खजूर के पुराने किरायदार ने शिया वक्फ बोर्ड लखनऊ जाकर चेयरमैन अली ज़ैदी से अपनी शिकायत दर्ज कराई,दुकानदारों का कहना है कि मुतावल्ली परवेज हुसैन व अध्यक्ष ने पुराने दुकानदारों को गुमराह करके नई दुकानदारों से मोटी रकम लेकर उनके नाम दुकान की किरायदारी कर दी व वक्फ बोर्ड के नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए बिना बोर्ड की परमिशन के दुकानें बनवाई व एक दुकान कमेटी के अध्यक्ष व एक दुकान मुतवाली के भाई ने ले ली जो नियमों के विरुद्ध है,और एक दुकान कि मोटी रकम लेकर उसको किराएदारी कर दी, पुराने दुकानदार अपनी दुकान का बचा हुआ 3 फिट की जगह भी नहीं पाए, बल्कि वक्फ एक्ट में नियम है कि किसी भी कमेटी का अध्यक्ष व मुतावल्ली दुकान अपने नाम व अपने रिश्तेदारों के नाम नहीं ले सकता।इन्हीं सब बातों को लेकर पुराने दुकानदार शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अली जैदी से मिले व अपनी बात बताए जिस पर बोर्ड के अध्यक्ष अली जैदी ने सभी को आश्वस्त किया की उनके खिलाफ सख्त से सख्त करवाई का भरोसा दिलाया वह पुराने दुकानदारों को भरोसा दिलाया कि नियमानुसार दुकान दी जाएगी। इस मौके पर कमलेश शंकर गुप्ता, मोहम्मद कामिल, अर्शी, अहमद मुस्तफा,अजहर भाई मौजूद रहे।

सांसद लल्लू सिंह की भाभी के निधन पर जताया शोक

संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या सांसद लल्लू सिंह के अनुज की पत्नी हेमलता सिंह के असामयिक निधन पर व्यापार अधिकार मंच ने दुख जताया है।संयोजक सुशील जायसवाल, प्रभारी विश्व प्रकाश÷ रूपन÷ कमल कौशल,राजीव मदान प्रवीण रस्तोगी, शैलेन्द्र सोनी ÷रामू÷ राजकुमार मोटवानी, राकेश वाधवानी, प्रेम चंद्र कसौंधन पप्पू प्रधान, अरूण, जसबीर सिंह ,आकाश,रमेश जायसवाल, राजेश जायसवाल, सक्षम श्रीवास्तव प्रदीप जायसवाल आदि ने सामूहिक रूप से प्रभु से पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करने व संपूर्ण परिवार को यह दुख सहन करने हेतु संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

स्लग- युवक की हत्या कर शव फेंका शव मिलने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल

द अचीवर टाइम्स

कानपुर। सिकंदरा कानपुर देहात अमराहट थाना क्षेत्र के अन्तर्गत यमुना केनाल में इमरान पुत्र मुईनुद्दीन उम्र करीब 22 वर्ष निवासी ग्राम पाता थाना फफूंद जनपद औरैया का शव उतराने की सूचना मिलने पर क्षेत्र में सनसनी फ़ैल गई, जिसका तुरंत संज्ञान लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पाण्डेय द्वारा फील्ड यूनिट, डॉग स्क्वॉड और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण कर घटना के सम्बन्ध में जानकारी की गई तो जानकारी मिली कि मृतक इमरान उपरोक्त वर्तमान में अपने मामा श्री शाकिब पुत्र श्री अली बक्श ग्राम खोजाफूल थाना सिकन्दरा जनपद कानपुर देहात के घर पर रह रहा था। शव के पास से एक पत्थर मिला है जिस पर खून के निशान है तथा मृतक के सिर पर भी चोट के निशान हैं जिससे प्रथम दृष्टया उसी पत्थर से घटना कारित करना प्रतीत हो रहा है। फिर भी मृत्यु का सही कारण जानने हेतु मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी भिजवाया गया एवं अन्य वैधानिक आवश्यक कार्यवाही प्रचलित है।

राजेश पाण्डेय अपर पुलिस अधीक्षक

रामोत्सव भजन संध्या स्थल पर जुटी भीड़

संवाददाता

अयोध्या। शबीना के रामस्तुति गायन से अयोध्या की विरासत हुई पुष्ट श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पर भव्य मंदिर निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर आयोजित रामोत्सव में भजन संध्या स्थल राम भजनों से गुलजार रहा। प्रथम प्रस्तुति लखनऊ से पधारी शबीना सैफी द्वारा राम स्तुति गायन से प्रारंभ हुई। गौरतलब तथ्य यह रहा कि दो वर्ष की आयु में आंखें हमेशा के लिए खो देना और तुरंत बाद लकवा ग्रस्त हो कर जीवन जीने की आस छोड़ चुकी शबीना को सहारा मिला प्रभु श्रीराम के नाम का,आऔर अपनी प्रस्तुति जग में सुन्दर हैं दो नाम, तथा पायो जी मैंने राम रतन धन पायो जैसे रामभजनों से शबीना ने अयोध्या की विरासत को पुष्ट किया।दूसरी प्रस्तुति लखनऊ से पधारे सोने लाल शंशाक सागर ने अपनी खनकती आवाज में भजमन राम चरण सुखदाई,,जग में सुन्दर हैं दो नाम चाहे कृष्ण कहो या राम ,पायो जी मैंने राम रतन धन पायो जैसे भजनों पर वाद्ययंत्रों के साथ शानदार जुगलबंदी दिखा अर उपस्थित रामभक्तों को प्रसन्न कर दिया।तीसरी प्रस्तुति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों प्रस्तुति से चर्चित गायिका सुमिता श्रीवास्तव की रही, सुमिता जी ने अब तक कई प्रसिद्ध गायकों शान, अनूप जलोटा, मालिनी अवस्थी, विनोद राठौर आदि के साथ भी अपनी गायकी का खासा प्रभाव छोड़ा है।यश भारती पुरस्कार से सम्मानित सुमिता ने रघुकुल रीत सदा चली आई रघुनंदन रघुराई,राम नाम की गूंज है बजने लगी बधाई,के साथ राम को स्नेह में वधु पक्ष द्वारा दी गई गारी की बेहतरीन प्रस्तुति दी। इस अवसर पर आज उनके÷रघुनंदन रघुराई ÷ गीत जो टी सीरीज द्वारा तैयार किया गया है को संस्कृति विभाग के इस मंच पर जनता को लोकार्पित किया गया।उक्त सभी कलाकारों का सम्मान संस्कृति विभाग के कार्यक्रम अधिशासी कमलेश कुमार पाठक, विश्व प्रकाश ÷रूपन÷ प्राप्त द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का अलग अंदाज में संचालन उद्घोषक संस्कृति विभाग विश्व प्रकाश÷ रूपन÷ ने किया।इस अवसर पर अनेक महनीय अतिथि व रामभक्त उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने से कार्यकर्ताओ में खुशी की लहर

संवाददाता

सोहावल अयोध्या। पूर्व प्रधानमंत्री किसानों के मसीहा राष्ट्रीय लोकदल के जनक चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न मिलने पर किसानों में छाई खुशी की लहर राष्ट्रीय लोकदल की वर्षो पुरानी मांग हुई पूरी भारत सरकार और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार। उक्त बातें आज राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव पूर्व सदस्य जिला पंचायत विश्वेष नाथ मिश्र सुडडू मिश्रा ने अपने आवास पर रालोद कार्यकर्ताओं और किसानों को मिठाई बांटते हुए व्यक्त किया उन्होंने कहा कि आज हम लोगों के लिए अत्यंत गर्व और खुशी का दिन है राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी जी को बधाई देते हुए श्री मिश्रा ने बताया की चौधरी साहब को भारत रत्न बहुत पहले मिलना चाहिए था परंतु वर्तमान सरकार और यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने किसानों की नब्ज को देखते हुए उक्त घोषणा की है जो स्वागत योग्य है राष्ट्रीय लोकदल इसका स्वागत करता है और पूरी पार्टी और देश के समस्त किसान इस सम्मान से अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। सुड्डू मिश्रा ने बताया की राष्ट्रीय लोकदल का एक-एक कार्यकर्ता जयंत चौधरी जी के साथ है राजनीतिक जो भी निर्णय लेंगे हम लोग उसका पालन करेंगे। राष्ट्रीय लोकदल हमेशा किसानों के लिए संघर्षरत रहा है किसने के हित में जो भी उचित होगा वह निर्णय लिया जाएगा।

भाकियू कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

सोहावल अयोध्या। भारतीय किसान यूनियन(अरा) किसान किसान समस्या को लेकर 6,बिंदु का ज्ञापन तहसीलदार सोहावल को सौंपा छूट्टा गौबन्शों को गौशाला भिजवाया जाए, स्टेशन रोड बद से बदतर हो गया है जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं एम्बुलेंस स्कूली बच्चों की बस राजगीरों को आने-जाने में काफी दिक्कत होती है शीघ्र सही करवाया जाए ष्ट.॥.ष्ट. सोहावल बने आर सीसी सड़क के अगल-बगल इंटरलॉकिंग कर नालियों पर ढक्कन लगाया जाए कॉल से 500 मीटर के मानक की दूरी पर आरटीओ द्वारा ही चेकिंग लगाई जाए सरकार द्वारा आयुष्मान कार्ड की सुविधा दी गई है जिसमें तमाम पत्र गरीब व्यक्ति छूट गए हैं कैंप लगवा कर आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए पंचायत की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सविता मौर्या तहसील अध्यक्ष श्रीनाथ वर्मा ने किया पंचायत का संचालन पूर्व प्रधान राम अभिलाख यादव ने किया और कहा कि किसान समस्याओं का निस्तारण जल्द ना हुआ तो किसान यूनियन को आंदोलन करना पड़ेगा पंचायत में प्रमुख रूप से जवाहरलाल तिवारी मंगरु दादा रोशनी बृजलाल राजरानी गुड़िया किस्मत रामवती आदि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

अभिताभ बच्चन का अयोध्या में हुआ आगमन , हुआ भव्य स्वागत

अयोध्या। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन जी का आज अयोध्या आगमन हुआ। आगमन के पश्चात उन्होंने भगवान श्री रामलला मंदिर में दर्शन पूजन किया। अगले चरण में वे अयोध्या सिविल लाइन्स स्थित मण्डलायुक्त आवास पहुँचे जहां उनका स्वागत मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने किया। इस अवसर पर सी0ई0ओ0 नवदीप रिणवा, आई0जी0 प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी नितीश कुमार,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरण नैय्यर, नगर आयुक्त विशाल सिंह, प्रसिद्ध साहित्यकार यतीन्द्र मोहन मिश्र सहित अन्य सम्मानित गण उपस्थित रहे।

प्यार पर था पहरा तो पत्नी ने कर दिया कांड

पुलिस ने की जांच तो सामने आया वो वाला एंगल!

संवाददाता

दौसा। दौसा जिले हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां पर पत्नी के प्रेमी ने साथियों के साथ मिलकर की पति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। हैरान करने वाली बात ये है कि प्रेमी से हत्या करवाने के बाद पत्नी थाने पहुंची और गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया। राजस्थान के दौसा से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां पर पत्नी के प्रेमी ने अपने साथियों संग मिलकर उसके पति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि वारदात में पत्नी भी प्रेमी का साथ दिया और उसी के कहने पर प्रेमी ने घटना को अंजाम दिया। घटना दौसा जिले के महुआ थाना इलाके की है। पुलिस के अनुसार, इस हत्याकांड में मृतक युवक की पत्नी के प्रेमी ने अपने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। दरअसल, 8 फरवरी को सायपुर निवासी आशा देवी नामक महिला महुआ थाने में पहुंची और अपने पति रामू उर्फ रामदयाल मीना के लापता होने की बात कहकर गुमशुदगी का मामला दर्ज कराई। पत्नी के आवेदन पर पुलिस ने युवक रामू मीणा (35) की तलाश शुरू की। जांच में पुलिस को पता चला कि रामू मीणा को रसीदपुर निवासी संजय मीणा के साथ देखा गया था। इसके बाद पुलिस ने रसीदपुर निवासी संजय मीणा को हिरासत में ले लिया और पूछताछ की। पुलिसिया पूछताछ में उसने हत्या की वारदात को कबूल लिया। इसके बाद आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने नेशनल हाईवे 21 पर समलेटी गांव के समीप ही खेतों से युवक का शव बरामद किया। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी संजय मीणा और मृतक की पत्नी आशा मीणा के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। प्रेम प्रसंग में रोड़ा बन रहे आशा के पति को संजय मीणा ने प्रेमिका आशा की सहमति के बाद अपने तीन साथियों के साथ मिलकर पीट-पीटकर हत्या कर दी। पूरे मामले में महुआ थाना पुलिस ने आरोपी संजय मीणा, मृतक रामू मीणा की पत्नी आशा मीणा सहित तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। फिलहाल पुलिस हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी संजय मीणा का मृतक रामू मीणा के घर आना जाना था और वह घर पर आने-जाने के कारण ही आरोपी ने मृतक की पत्नी आशा मीणा को प्रेम जाल में फंसा लिया। मृतक रामू मीणा और उसकी पत्नी आरोपी आशा मीणा की शादी करीब 12 साल पहले हुई थी और दोनों के करीब 10-11 वर्ष के दो बच्चे भी थे।

5T अध्यक्ष कार्तिक पांडियन ने काहा: राज्य की जनता उत्तराधिकारी चुनेगी

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुवनेश्वर। राष्ट्रीय मीडिया‚ हृ्ठ को दिए इंटरव्यू में 5ञ्ज के चेयरमैन कार्तिक पांडियन का बड़ा बयान । 5ञ्ज चेयरमैन ने बीजे के राजनीतिक उत्तराधिकार के सवाल का जवाब दिया है । मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पहले ही कह चुके हैं कि उत्तराधिकारी को राज्य की जनता चुनेगी । मैं 147 विधानसभा क्षेत्रों में मुख्यमंत्री के साथ रहूंगा । नवीन बाबू पूरी तरह स्वस्थ हैं । मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य को लेकर विपक्ष अफवाहें उड़ा रहा है । इस बीच, पांडियन ने स्पष्ट किया कि वह 2024 में चुनाव नहीं लड़ेंगे।

हल्द्वानी उपद्रव के एक-एक गुनाहगार की हो रही पहचान, कोई नहीं छोड़ा जाएगा- उत्तराखंड मुख्य सचिव राधा रतूड़ी

संवाददाता

हल्द्वानी। हल्द्वानी उपद्रव पर उत्तराखंड की धामी सरकार लगातार नजर रख रही है। उत्तराखंड की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने हलद्वानी घटनास्थल वनभुलपुरा का दौरा किया है। उन्होंने उपद्रवियों द्वारा फूंकी गई पुलिस चौकी का भी जायजा लिया। उन्होंने बताया कि इस मामले में जिम्मेदार कोई भी उपद्रवियों नहीं छोड़ा जाएगा। नैनीताल जिले के हल्द्वानी के वनभूलपुरा इलाके में हुए उपद्रव पर उत्तराखंड सरकार कड़ी नजर बनाए हुए है। उत्तराखंड की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी शुक्रवार को हल्द्वानी घटनास्थल वनभुलपुरा क्षेत्र में पहुंचकर उपद्रवियों द्वारा फूंकी गई पुलिस चौकी का निरक्षण किया। उन्होंने कहा कि उपद्रवियों से सख्ती से निपटने के आदेश दिए हैं। मुख्य सचिव कहा कि में मौके के निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ब्रीफ किया जाएगा। इसके बाद जो भी करवाई करनी होगी, वो मीडिया को ब्रीफ की जाएगी। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी बताया कि अभी हम निरक्षण के लिए पहुंचे है। इसके बाद एक्शन प्लान किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि जो मीडियाकर्मी इस हमले में घायल हुए हैं, मैं आशा करती हूं वह जल्द ही स्वस्थ हो जाए। गौरतलब है कि इस उपद्रव में पुलिस के अनुसार 3 लोगों की मौत हुई है, जबकि 300 से ज्यादा लोग घायल हैं। उत्तराखंड में इस उपद्रव के बाद हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। नैनीताल जिले के हल्द्वानी के बनभूलपुरा में सरकारी जमीन से अवैध मदरसे और मस्जिद को हटाने के दौरान हुए उपद्रव पर उत्तराखंड की धामी सरकार सख्त है। सीएम धामी ने देहरादून में अफसरों के साथ हाई लेवल की मीटिंग कर उपद्रवियों पर कड़ी कार्रवाई करने का आदेश दिया है। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि पथराव और आगजनी करने वाले एक-एक उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। वहीं पुलिस द्वारा शुक्रवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है। मौके पर आईआरबी की बटालियन, सीआरपीएफ के जवान भी मौके पर मौजूद हैं। पुलिस की माने तो उपद्रवियों से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरीके से तैयार है। वहीं मौके पर आग के हवाले किए गए वाहनों को पुलिस-प्रशासन द्वारा उठाए जा रहा है।

एक नज़र

दलित हस्तियों का तिरस्कार न करे मोदी सरकार....मायावती ने कांशीराम को भारत रत्न देने की दोहराई मांग

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह, पूर्व पीएम नरसिम्?हाराव और वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न देने का ऐलान किया है। बसपा प्रमुख मायावती ने इस पर शुभकामनाएं दी हैं। मायावती ने बसपा के संस्?थापक कांशीराम को भी भारत रत्न देन की मांग की है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने शुक्रवार को कहा कि जिन भी हस्तियों को भारत रत्न से सम्मानित किया गया उन्हें शुभकामनाएं। सरकार के इस फैसले का स्वागत है लेकिन इस मामले में खासकर दलित हस्तियों का तिरस्कार और उपेक्षा करना उचित नहीं। मायावती ने कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की मांग दोहराई। मायावती ने सोशल मीडिया ङ्ग पर लिखा है कि सरकार इस ओर भी जरूर ध्यान दे। बसपा प्रमुख ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को लंबे इंतजार के बाद वीपी सिंह की सरकार द्वारा भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उसके बाद दलित और उपेक्षितों के हितों में मसीहा कांशीराम का संघर्ष भी कोई कम नहीं है। उन्हें भी भारतरत्न से सम्मानित किया जाए। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पीवी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह के साथ-साथ कृषि वैज्ञानिक एम. एस. स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने की घोषणा की। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री योगी आदित्?यनाथ ने चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिये जाने की घोषणा का स्वागत किया है। उनका कहना है कि जननेता, किसानों के मसीहा, गांवों, अन्नदाता किसानों, शोषितों एवं वंचितों के उत्थान के लिए आजीवन समर्पित रहने वाले, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को %भारत रत्न% प्रदान करने की घोषणा अभिनंदनीय है। वे सच्चे अर्थों में लोकतंत्र के साधक थे। यह गौरव राष्ट्र निर्माण में उनके अतुल्य योगदानों का सम्मान है।

चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न, सीएम योगी आदित्यनाथ ने बताया किसानों का मसीहा

लखनऊ। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और नरसिम्हा राव को भारत रत्न मिलने पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुभकामनाएं दी। वहीं हरित क्रांति के जनक वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न मिलने पर मुख्यमंत्री योगी ने खुशी जताई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और पीवी नरसिम्हा राव, हरित क्रांति के जनक कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने के फैसले का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वागत किया है। मुख्यमंत्री ने तीनों विभूतियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शुभकामनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर इसे लेकर पोस्ट भी साझा किया और इसे अभिनंदनीय बताया। मुख्यमंत्री ने चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिये जाने की घोषणा का स्वागत करते हुए लिखा, जननेता, किसानों के मसीहा, गांवों, अन्नदाता किसानों, शोषितों और वंचितों के उत्थान के लिए आजीवन समर्पित रहने वाले, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न प्रदान करने की घोषणा अभिनंदनीय है। वे सच्चे अर्थों में लोकतंत्र के साधक थे। यह गौरव राष्ट्र निर्माण में उनके अतुल्य योगदानों का सम्मान है। वहीं मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न की घोषणा देश के करोड़ों किसानों का सम्मान है।

बिहार में राज्यसभा चुनाव के लिए शुरू हुई जोड़ तोड़ की जंग

❖ कांग्रेस और वाम दल को सहयोगी देंगे झटका, बीजेपी-जेडीयू की स्थिति समझिए।

संवाददाता

पटना। बिहार में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक मोहरे सजाए जाने लगे हैं। बीजेपी, जेडीयू के अलावा आरजेडी और कांग्रेस की ओर से जोड़ तोड़ की कवायद शुरू की जा चुकी है। सवाल ये है कि इसमें कई पार्टियों को सहयोगियों के भरोसे रहना होगा। बिहार के कई चर्चित चेहरे राज्यसभा के सदस्य हैं। बिहार में राज्यसभा की रिक्त होने वाली छह सीटों को लेकर होने वाले चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। चुनाव को लेकर दल और प्रत्याशी अब जोड़ तोड़ में भी जुट गए हैं। इस चुनाव में कांग्रेस जहां सहयोगियों के भरोसे है, वहीं भाजपा को लाभ होना तय है। बिहार से जिन राज्यसभा सांसदों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उसमें राजद के मनोज कुमार झा और अहमद अशफाक करीम, जदयू के अनिल प्रसाद हेगड़े और वशिष्ठ नारायण सिंह, भाजपा के सुशील कुमार मोदी और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह शामिल हैं। विधानसभा के अंकगणित के हिसाब से देखें तो भाजपा को इस चुनाव में फायदा होना तय है, जबकि वाम दलों और कांग्रेस को सहयोगियों के सहारे रहना होगा। जदयू की तरफ से अब तक कोई नाम सामने नहीं आया है, लेकिन कहा जा रहा है कि जदयू कोई चौंकाने वाला नाम सामने कर सकता है। भाजपा के सूत्रों की मानें तो प्रदेश कोर कमेटी ने केंद्रीय कमेटी के संभावित नामों की सूची दे दी है। बताया जाता है कि केंद्रीय कमेटी जल्द ही नामों की घोषणा कर सकती है।

जाट आरक्षण पर आर-पार की लड़ाई, दिल्ली में प्रतिनिधिमंडल से बातचीत

संवाददाता

भरतपुर। आरक्षण की मांग को लेकर भरतपुर और धौलपुर जिलों के जाटों का आंदोलन जारी है। लोकसभा चुनाव से पहले जाटों के आंदोलन से बीजेपी टेंशन में है। वहीं प्रदेश की सरकार चाहती है कि समय रहते जाटों की समस्याओं का समाधान निकाल लिया जाए। यही कारण है कि भरतपुर-धौलपुर जाट आरक्षण संघर्ष समिति की प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली बुलाया गया है। राजस्थान के भरतपुर और धौलपुर जिलों के जाटों का आंदोलन जारी है। 24 दिनों से गांव जयचौली में महापड़ाव चल रहा है। शुक्रवार को जाट प्रतिनिधिमंडल को केंद्र सरकार ने वार्ता के लिए दिल्ली बुलाया है, जहां दोनों पक्षों के बीच वार्ता होगी और आरक्षण कैसे मिले उसके लिए काम शुरू होगा। भरतपुर-धौलपुर जाट आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक नेम सिंह फौजदार के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली गया है। उनके साथ में बीजेपी सांसद मनोज राजौरिया भी हैं। दरअसल, जाटों ने 7 फरवरी को चक्का जाम का एलान कर दिया था, जिसके बाद तीन दिन पूर्व जाट प्रतिनिधिमंडल और राज्य सरकार की कमिटी के बीच जयपुर में वार्ता हुई थी। जिस पर राज्य सरकार ने तीन दिन के अंदर दिल्ली में केन्द्र सरकार के साथ आरक्षण के मामले पर वार्ता करने का लिखित में आश्वासन दिया था। तीन दिन बाद जाट प्रतिनिधिमंडल और सरकार के बीच दिल्ली में वार्ता हो रही है। बता दें कि भरतपुर-धौलपुर जिलों के जाटों को छोड़कर राजस्थान के सभी जिलों के जाटों को केंद्र में आरक्षण मिला हुआ है। साल 2017 में राज्य ओबीसी आयोग द्वारा सर्वे कराया गया और उसकी रिपोर्ट के आधार पर दोनों जिलों के जाटों को राज्य की ओबीसी में आरक्षण दे दिया गया था, मगर केंद्र में नहीं मिला। पिछले 9 वर्षों से यह मांग जाट समाज द्वारा की जा रही है। उधर जाटों ने एलान किया है कि यदि आरक्षण नहीं मिला तो लोकसभा चुनाव में जाट समाज बीजेपी को वोट नहीं देगा।

हल्द्वानी हिंसा के आरोपियों पर लगेगा एनएसए, हर आरोपी की जांच, मुख्य सचिव और डीजीपी का आया बड़ा बयान

एजेंसी

हल्द्वानी। हल्द्वानी में भारी हिंसा के बाद आरोपियों की तलाशी का बड़ा अभियान शुरू किया गया है। मुख्य सचिव ऋृ्यु रतूड़ी ने हल्द्वानी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हिंसा को भड़काने के किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, डीजीपी ने दंगाइयों पर एनएसए लगाए जाने की बात कही है। उत्तराखंड के हल्द्वानी में हिंसा के बाद अब पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। हल्द्वानी में बड़ा सच ऑपरेशन शुरू किया गया है। गुरुवार की शाम भड़की हिंसा के बाद प्रशासन की टीम में कार्रवाई शुरू कर दी है। मुख्य सचिव ऋृ्यु रतूड़ी हल्द्वानी पहुंची थीं। उन्होंने इलाके का जायजा लिया। वहीं, डीजीपी का इस मामले में बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन के खिलाफ दंगों को भड़काया गया था। ऐसे तमाम दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ एनएसए लगाया जाएगा। नेशनल सिक्यूरिटी एक्ट लगाए जाने के कारण लोगों की परेशानी बढ़ती है। मुख्य सचिव ने घायल पुलिसकर्मियों से भी मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने कहा कि भीड़ ने पुलिस प्रशासन पर हमला किया था। पूरे इलाके की जांच की जा रही है। हल्द्वानी में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया है। मुख्य सचिव ने कहा कि जिन लोगों ने घटना को अंजाम दिया है। उनकी जांच की जा रही है। पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन के जरिए तमाम दंगाइयों की पहचान की जाएगी। हल्द्वानी हिंसा पर मुख्य सचिव ने ऐसे तमाम लोगों को कार्रवाई के दायरे में लाया जाएगा। मतलबियों पर शिकंजा कसने की पूरी तैयारी कर ली गई है तमाम सीसीटीवी कैमरे जा रहे हैं घटना के सभी फुटेज लिए गए हैं उनके जरिए हमलावरों की पहचान की जा रही है उन पर बड़े स्तर पर कार्रवाई होगी मुख्य सचिव ने चर्चा लेने के बाद कहा कि पूरे इलाके में अभी माहौल शांतिपूर्ण है। डीजीपी ने कहा कि तमाम घटना के बारे में जानकारी ली जा रही है।

छत्तीसगढ़ बजट ब्रीफकेस पर बनी तस्वीर में क्या है खास, वित्त मंत्री ओपी चौधरी लेकर आए तो ठहर गई नजरें

संवाददाता

रायपुर। बजट पेश करने सदन में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी जिस ब्रीफकेस को लेकर आए थे। उसकी खूब चर्चा हो रही है। यह ब्रीफकेस कई मायने में खास है, इसके फ्रंट पर ढोकरा कला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ढोकरा कला को विदेशी मेहमान को भेंट कर चुके हैं। छत्तीसगढ़ सरकार का पहला बजट आ गया है। बजट में भविष्य का रोडमैप है। पूरा बजट 1,47,500 करोड़ रुपए का है। वहीं, सरकार ने कई विभागों के बजट 100 फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। 20 साल बाद पूर्ण वित्त मंत्री ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में बजट पेश किया है। यह बजट पेपरलेस था। वित्त मंत्री बजट वाला टैबलेट ब्रीफकेस में लेकर आए थे। यह ब्रीफकेस बेहद खास है, जिसकी खूब चर्चा हो रही है। खासकर ब्रीफकेस के फ्रंट पर छत्तीसगढ़ की संस्कृति की झलक है। यह ब्रीफकेस छत्तीसगढ़ की लोक कला, संस्कृति, युवा, महिला और किसान और आधुनिकता के समावेश को दर्शा रहा है। दरअसल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी विधानसभा में जो ब्रीफकेस लेकर पहुंचे थे, वह बेहद अहम है। यह ब्रीफकेस छत्तीसगढ़ के आदिम जनजाति के पारंपरिक सुप्रसिद्ध ढोकरा शिल्प को समेटे हुए है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रीस के प्रधानमंत्री को छत्तीसगढ़ की डोकरा कलाकृति भेंट की थी। इसकी वजह से इस कला की पहचान अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची है। ओपी चौधरी के बजट ब्रीफकेस में भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर है। इससे साफ है कि विकसित भारत निर्माण में छत्तीसगढ़ का योगदान बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। ब्रीफकेस पर छत्तीसगढ़ शासन का लोगो, जिसमें धान की बाली है। धान की बाली से यह संदेश है कि यह किसान हितैषी सरकार है। किसानों के हित को हमेशा प्राथमिकता में रखेगी।

लिव इन रिलेशनशिप को लेकर उत्तराखंड के लोगों ने दिल खोलकर दी अपनी राय, शादी व्यवस्था पर उठे सवाल

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में यूनिफार्म सिविल कोड में लिव इन रिलेशनशिप के लिए रजिस्ट्रेशन की अनिवार्यता को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो चुका है। जहां लिव इन में रहने वालों की सांसें अटकी हुई हैं। वहीं अभिभावक और युवा इस पर खुलकर बात कर रहे हैं। अभिभावक मान रहे हैं लिव इन गलत है और अब उन्हें अपने बच्चों की जानकारी रहेगी। लिव इन रिलेशनशिप को लेकर जहां अभिभावक इसके विरोध में हैं तो वहीं युवा लिव इन के पंजीकरण को सही बता रहे हैं। युवाओं का कहना है कि लिव इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन होने से लिव इन के मामलों में कमी आएगी और अनावश्यक विवाद भी नहीं होंगे। इस संबंध में अभिभावक निर्मला बिष्ट का कहना है कि लिव इन रिलेशनशिप को पंजीकृत कराकर सरकार एक तरह से शादी व्यवस्था को चुनौती दे रही है। बहुविवाह का प्रचलन तो प्राचीन काल से है, लेकिन इस तरह से अवैध कृत्यों को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है। एक ओर हम पाश्चात्य संस्कृति का विरोध कर रहे हैं, वेलेंटाइन डे जैसे पश्चिमी त्योहारों को मनाने से अपने बच्चों को रो रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर सरकार लिव इन जैसे संबंधों को कानूनी अमलीजामा पहनाने की कोशिश की जा रही है। वर्तमान समय में कई लोग मजबूरी में लिव इन में रह रहे हैं। फिलहाल उनकी प्राइवेसी उनके हाथ में है, लेकिन इसका पंजीकरण होगा तो यह लिव इन में रहने वालों के संबंध तो सार्वजनिक तो होंगे ही साथ ही महिला के लिए भी मुसीबतें बढ़ेंगी। अभिभावक डॉ. एसएन सचान ने कहा कि एक अभिभावक होने के नाते वे लिव इन रिलेशनशिप को ही गलत मानते हैं। वे अपने बच्चों को कभी भी लिव इन में रहने की अनुमति नहीं देंगे। किन्हीं परिस्थितियों में उनको रहना पड़ता है तो वे अपने घर पर इस बारे में नहीं बताते हैं। पंजीकरण की अनिवार्यता होने पर इस तरह के मामलों में कमी आएगी। क्योंकि कोई भी माता-पिता ये नहीं चाहेगा कि उनका बेटा या बेटी लिव इन रिलेशनशिप में रहे। बच्चों को अपने पार्टनर चुनने का अधिकार होना चाहिए, लेकिन पंजीकरण के दुष्परिणाम भी हो सकते हैं। ऐसे में

वैरिफिकेशन के नाम पर लिव इन में रहने वालों को प्रताड़ित किए जाने की आशंका भी बनी रहेगी। युवा सचिन थपलियाल का कहना है कि छोटे प्रयासों के बिना बड़े काम असंभव है। भारत में पश्चिमी सभ्यता काफी हावी होने लगी है। उत्तराखंड देवभूमि है और यहां पर नारियों का सम्मान होता है, लेकिन सरकार को जो यह निर्णय है कि बिना पंडित, बिना अपनी भारतीय संस्कृति को आगे रख कर बिना शादी के लिव इन में रह लेंगे तो यह पश्चिमी संस्कृति को बढ़ावा देना है। यह अमेरिकीकरण की यह एक छोटी झलक है। सरकार को यह फैसले सांस्कृतिक संस्थाओं को छोड़ देना चाहिए। छात्रा इशिका चौहान का कहना है कि हमारे भारतीय कल्चर में यह बिल्कुल भी नहीं है कि लड़का-लड़की शादी से पहले से ही साथ रह रहें। सरकार के इस निर्णय से हमारे चुनने के अधिकार को छीना जा रहा है। हालांकि लिव इन रिलेशनशिप का रजिस्ट्रेशन करने की अनिवार्यता करके सरकार ने सही फैसला लिया है। छात्र करन नेगी का कहना है कि सरकार जो लिव इन के लिए पंजीकरण का नियम लाई है वो सही है। अब जो लोग लिव इन रिलेशनशिप में रहे हैं, उनको अब अपने घरों में भी बताना पड़ेगा और परिजनों की परमिशन भी लेनी पड़ेगी। ऐसे में परिजन परमिशन नहीं देंगे तो युवक और युवती लिव इन में नहीं रह सकेंगे और ऐसे में धीरे-धीरे यह कल्चर खत्म हो जायेगा। लिव इन का पंजीकरण होगा तो लिव इन में रहने वालों के घरों में भी जानकारी होगी और बाद किसी तरह का विवाद होने पर इसे कानूनी रूप से निस्तारित भी किया जाएगा। अधिवक्ता पृथ्वी सिंह नेगी ने कहा कि एक अभिभावक होने के नाते में अपने बच्चे को कभी भी लिव इन में रहने की अनुमति नहीं दूंगा। बेटे के लिए ही नहीं चाहूंगा कि वह शादी से पहले किसी महिला या युवती के साथ रहे तो बेटी को कैसे परमिशन दे देंगे। मैं उनको ऐसे संस्कार नहीं देना चाहता कि शादी से पहले बच्चे किसी से अनैतिक संबंध बनाए। शादी से पहले होने वाले बच्चे को भी लोग छुपा कर रखते हैं, क्योंकि यह गलत माना जाता है। यह तो कुरीतियों में गिना जाता है और आज सरकार इसको लीगलाइज कर रही है। संबंध अनैतिक होंगे लेकिन बच्चा तो लीगल ही होगा। इस तरह का सिस्टम बनाया ही क्यों जा रहा है। लिव इन को लीगलाइज कर क्या बताना चाहते हैं कि शादी से पहले रिश्ते बना लें। यदि ऐसा ही करना है तो हिंदुत्व की बात क्यों करते हैं। इससे तो अदालतों में अनावश्यक दबाव बढ़ेगा। लिव इन को ही बंद कर दिया जाएगा तो विवाद ही नहीं होंगे।

लखनऊ ने वुड की जगह शमर जोसेफ को तीन करोड़ में शामिल किया

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम ने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के दो महीने के अंदर शमर को आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट दिया है। उन्हें लखनऊ ने तीन करोड़ रुपये में शामिल किया है। वह इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की जगह टीम में शामिल होंगे।

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमर जोसेफ ने हाल फिलहाल में अपने प्रदर्शन से पूरी दुनिया को अचंभित कर दिया था। इस कैरिबियाई गेंदबाज ने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू पर अपनी पहली ही गेंद पर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ का विकेट लिया था। साथ ही वेस्टइंडीज की ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अब इस गेंदबाज को शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम ने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के एक महीने के अंदर शमर को आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट दिया है। उन्हें लखनऊ ने तीन करोड़ रुपये में शामिल किया है। वह इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की जगह टीम में शामिल होंगे। आईपीएल ने आधिकारिक पुष्टि की।

शमर ने वेस्टइंडीज के लिए 17 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में एडिलेड में डेब्यू किया था। इस मैच की पहली ही गेंद पर शमर ने स्मिथ का विकेट लिया। हालांकि, यह मैच ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से अपने नाम किया था। इसके बाद गाबा में खेले गए दूसरे टेस्ट में शमर ने कहर बरपाया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को लक्ष्य हासिल नहीं करने दिया था और दूसरी पारी में सात विकेट लिए थे। इसके लिए वह प्लेयर ऑफ द मैच भी बने थे। विंडीज ने यह मैच आठ रन से अपने नाम किया था। चोटिल होने के बावजूद शमर ने घातक गेंदबाजी की थी। यह वेस्टइंडीज की 1997 के बाद ऑस्ट्रेलिया में उसके खिलाफ पहली जीत थी। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने वुड को 2022 सीजन में 7.50 करोड़ रुपये में शामिल किया था। उन्होंने वह सीजन कोहनी में चोट की वजह से मिस किया था। इसके बाद 2023 में वुड चार मैच खेले थे और 11.82 की औसत से 11 विकेट लिए थे। अब एक बार फिर वह आईपीएल से गायब रहेंगे और शमर उनके रिप्लेसमेंट होंगे। वुड ने अब तक आईपीएल में कुल पांच मैच ही खेले हैं। उन्होंने 2018 में आईपीएल डेब्यू किया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईसीबी ने वुड को आईपीएल खेलने से रोक दिया है। वुड का इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से केंद्रीय अनुबंध है और वह लगातार चोटिल होते रहते हैं। ऐसे में उनके वर्कलोड को कम करते हुए ईसीबी ने उन्हें खेलने से मना किया है। साथ ही बोर्ड ने उन्हें टी20 विश्व कप के लिए फिट रहने को कहा है। विश्व कप जून में होना है। इसके अलावा इंग्लैंड को वेस्टइंडीज और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज भी खेलनी है। इससे पहले ईसीबी ने जोफ्रा आर्चर को भी आईपीएल 2024 में खेलने से मना किया था ताकि वह टी20 विश्व कप तक फिट हो सकें।

शमर से फ्रेंचाइजी को काफी उम्मीदें हैं। उनके करियर की बात करें तो अब तक दो टेस्ट में उन्होंने 13 विकेट लिए हैं। वहीं, सात प्रथम श्रेणी मैचों में 34 विकेट झटके हैं। इसके अलावा शमर दो लिस्ट-ए मैच भी खेल चुके हैं, जिसमें दो विकेट निकाले हैं। शमर ने दो टी20 मैच भी खेले हैं और कोई विकेट नहीं लिया है। यह दो मैच उन्होंने कैरिबियाई प्रीमियर लीग में खेले थे। इस साल वह आईपीएल में लखनऊ के लिए कमाल दिखाते हुए दिख सकते हैं। गाबा टेस्ट के बाद आईएलटी20 के लिए दुबई कैपिटल्स ने शमर जोसेफ को अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि, वह बिना खेले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। उनके एड़ी में चोट लगी थी। गाबा में टेस्ट के दौरान मिचेल स्टार्क की यॉर्कर गेंद उनके पैर पर लगी थी। इसके अलावा शमर ने पाकिस्तान सुपर लीग के लिए पेशावर जल्मी के साथ भी अनुबंध किया है। पीएसएल की शुरुआत 17 फरवरी से हो रही है। टी20 का ज्यादा अनुभव नहीं होने के बावजूद वेस्टइंडीज के व्हाइट बॉल कोच डैरेन सैमी ने कहा है कि शमर को टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह मिल सकती है। सैमी ने कहा था कि शमन ने चयनकर्ताओं को बड़ा सिरदर्द दिया है।

रोल के हिसाब से पूरी टीम

सलामी बल्लेबाज- केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), काइल मेयर्स, देवदत्त पडिक्कल।
मध्य क्रम- निकोलस पूरन (विकेटकीपर), आयुष बडोनी, दीपक हुड्डा, एश्टन टर्नर।
ऑलराउंडर- के गौतम, क्रुणाल पांड्या, मार्कस स्टोइनिस, प्रेरक मांकड़, अर्शिन कुलकर्णी, डेविड विली।
तेज गेंदबाज- मोहसिन खान, शमर जोसेफ (मार्क वुड के रिप्लेसमेंट), यश ठाकुर, नवीन उल हक, मयंक यादव, युद्धवीर सिंह, शिवम मावी, अरशद खान।
स्पिनर-रवि बिश्नोई, अमित मिश्रा, एम सिद्धार्थ।

13 साल में पहली बार विराट कोहली पूरी सीरीज से बाहर

सचिन तेंदुलकर के साथ चार बार हुआ ऐसा

एजेंसी

नई दिल्ली। धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली अपने 13 साल के करियर में एक भी सीरीज से बाहर नहीं हुए थे। हालांकि, ये पहला मौका है जब किंग कोहली पूरी सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। निजी कारणों के चलते उन्होंने छुट्टी ली है। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के बाकी बचे मुकाबलों के लिए टीम इंडिया की घोषणा कर दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को टीम इंडिया का एलान किया। हैरानी की बात ये है कि विराट कोहली इस सीरीज से पूरी तरह बाहर हो गए हैं। उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया है। बोर्ड की तरफ से बताया गया कि किंग कोहली निजी कारणों के चलते इस सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली ने 20 जून 2011 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। अपने 13 साल के करियर में वह एक भी सीरीज से बाहर नहीं हुए थे। हालांकि, ये पहला मौका है जब किंग कोहली पूरी सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। निजी कारणों के चलते उन्होंने छुट्टी ली है। बोर्ड की तरफ से दिए गए बयान में कहा गया, ÷विराट व्यक्तिगत कारणों से शेष श्रृंखला के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। बोर्ड कोहली के फैसले का पूरा सम्मान और समर्थन करता है।÷

इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर होने के बाद लंबे वक्त से चले आ रहा सीरीज से बाहर न होने का रिकॉर्ड भी टूट गया। वहीं, क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर अपने करियर में चार बार सीरीज का हिस्सा नहीं बन सके थे। उन्होंने 2001, 2005, 2006 और 2011 में सीरीज मिस की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ जारी इस सीरीज के अंतिम तीन मुकाबलों के लिए टीम इंडिया का ऐलान बीसीसीआई ने कर दिया। इस टीम में रवींद्र जडेजा और केएल राहुल को भी शामिल किया गया है। हालांकि, दोनों के तीसरे टेस्ट मैच में खेलने पर अभी संशय बरकरार है। बोर्ड की तरफ से बताया गया है कि मेडिकल टीम से फिटनेस रिपोर्ट के बाद निर्णय लिया जाएगा। बोर्ड ने कहा, ÷रवींद्र जडेजा और केएल राहुल की भागीदारी बीसीसीआई मेडिकल टीम से फिटनेस मंजूरी के अधीन है।÷ दोनों खिलाड़ी हैदराबाद टेस्ट में चोटिल हो गए थे जिसकी वजह से उन्हें दूसरे मुकाबले में आराम दिया गया था।

सचिन तेंदुलकर ने 4 सीरीज मिस की

साल 2001 में बनाम श्रीलंका (3 मैचों की सीरीज)
साल 2005 में बनाम जिम्बाब्वे (2 मैचों की सीरीज)
साल 2006 में बनाम वेस्टइंडीज (4 मैचों की सीरीज)
साल 2011 में बनाम वेस्टइंडीज (3 मैचों की सीरीज)

ओलंपिक क्वालिफायर्स-एशियाई चैंपियनशिप के लिए कुश्ती ट्रायल की तारीख हुई तय

एजेंसी

नई दिल्ली। आगामी ओलंपिक क्वालिफायर और एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय कुश्ती टीम चुनने के लिए चयन ट्रायल का आयोजन 10 और 11 मार्च को क्रमशः पटियाला और सोनीपत में होगा। यह जानकारी इस खेल का प्रबंधन कर रही तदर्थ समिति ने शुक्रवार को दी। इस ट्रायल की योजना शुरुआत में 27 से 29 फरवरी के लिए बनाई गई थी, लेकिन अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी में देरी के बाद इसे स्थगित कर दिया। महिला पहलवानों के लिए ट्रायल एनएसएनआईएस पटियाला में होंगे जबकि ग्रीको रोमन और फ्रीस्टाइल पहलवानों के लिए ट्रायल भारतीय खेल प्राधिकरण सोनीपत में होंगे। भूपेंद्र सिंह बाजवा की अध्यक्षता वाली तदर्थ समिति ने बयान में कहा, आगामी ओलंपिक क्वालिफायर और एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय कुश्ती टीम के चयन के लिए तदर्थ समिति 10 और 11 मार्च, 2024 को चयन ट्रायल का आयोजन करेगी। समिति ने कहा, इससे पहले ट्रायल को 27 से 29 फरवरी 2024 के बीच आयोजित करने की घोषणा की गई थी लेकिन अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण 2023 सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन में देरी के कारण ट्रायल्स को स्थगित किया जा रहा है। ओलंपिक भारवर्ग में ट्रायल के विजेता को आगामी ओलंपिक क्वालिफायर (19 से 21 अप्रैल तक एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर और नौ से 12 मई तक विश्व ओलंपिक क्वालिफायर) में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा।

अंतिम पंघाल (53 किग्रा) को 2024 सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में खेलने के लिए सीधे प्रवेश दिया जाएगा। भारत ने अब 53 किग्रा महिला कुश्ती वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है। यह कोटा अंतिम ने 2023 सीनियर विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर हासिल किया था।

भारतीय पहलवान अभी 17 कोटा (महिला कुश्ती में पांच, ग्रीको रोमन में छह और फ्रीस्टाइल में छह) हासिल कर सकते हैं। पिछले साल 21 दिसंबर को संजय सिंह की नवनिर्वाचित संस्था को सत्ता में आने के तीन दिन बाद ही खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ को निलंबित कर दिया था और कुश्ती का कामकाज देखने के लिए फिर से आईओए का तदर्थ पैनल बनाया गया।

7 दिनों में 10 किलो तक वजन कर सकते हैं कम, बस डेली रूटीन में शामिल करें ये 2 चीजें

अगर आप भी वजन को कम करने के लिए परेशान हैं और किसी खास दिन का इंतजार कर रहे हैं लेकिन आपका बढ़ा वजन आपको टेंशन में डाल रहा है तो आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे जिनकी मदद से आप अपना वजन कम कर सकते हैं. अगर आप इन तरीकों को सही से फॉलो करते हैं तो 7 दिनों में ही आप लगभग 10 किलो वजन कम कर सकते हैं. अब आप सोच रहे होंगे कि ऐसा कैसे पॉसिबल है. वो भी बिना जिम जाए और खाना छोड़े बिना तो आपको बता दें कि आपकी वॉक भी करना बस इतना है कि आप जितनी कैलोरी का सेवन आपके वेट लॉस में मदद कर करते हैं आपको उतनी ही कैलोरी बर्न भी करनी है. तो सकती है. 7 दिनों में आइए जानते हैं 7 दिन में वजन वजन कम करने के लिए आपको तेज कम करने का आसान तरीका क्या है. चलने की आदत कई बार आपके खाने की आदत आपके डालनी मोटापे का कारण होगी. इसके लिए अपने बन सकती है. मोबाइल या अगर आप बहुत ज्यादा स्मार्ट वॉच मात्रा में फैट, मीठा और में अपने फाइड फूड खाते हैं तो आप मोटापे स्टेप्स को का शिकार हो जाते हैं. ऐसे में अगर आप 7 दिनों में काउंच करें और अपना वजन कम करना चाहते हैं तो आपको इस तरह 10 हजार कदम पैदल की चीजों से परहेज करना होगा. वहीं हेल्दी और बैलेंस चलें. पैदल चलते समय इस डाइट लें. सुबह का नाश्ता, लंच और डिनर भी टाइम बात का विशेष ध्यान रखना है कि आप से करें। तेज चाल से पैदल चल रहे हो. अगर आप एक बार में 10 हजार स्टेप्स नहीं चल पा रहे हैं तो आप पूरे दिन में सोने से पहले और उठने के बाद भी वॉक कर सकते हैं।

जोश फिल्म की एक्ट्रेस का इतना बदला लुक 14 साल बाद देख लोग हो गए हैरान

नई दिल्ली। किसी एक्टर या एक्ट्रेस को हिट होने के लिए एक मौका चाहिए होता है. फिर वो उसे किसी अच्छी फिल्म के जरिए मिले या किसी नामी स्टार के साथ काम करके मिल जाए. नाइंटीज में फिल्मी पर्दे अपनी सादगी से दिल जीतने वाली प्रिया गिल ऐसी ही एक्ट्रेस थीं. प्रिया गिल को अपने करियर में बड़े बड़े और जाने माने सितारों के साथ काम करने का मौका मिला, लेकिन उनका करियर संवर नहीं सका. उनकी चंद फिल्में चलीं, उसके बाद वो गुमनामी में डूबती चली गईं. अब प्रिया गिल फिल्मों से काफी दूर हो चुकी हैं. यहां तक कि वो सोशल मीडिया पर भी खास एक्टिव नहीं है. लेकिन उनकी जो चुनिंदा झलक नजर आती हैं, उसमें वो पहले से काफी ज्यादा स्मार्ट और कॉन्फिडेंट नजर आती हैं। फिल्मों में आने से पहले प्रिया गिल ने फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीत लिया था. साल 1995 में. इसके बाद इसी साल मिस इंटरनेशनल में उन्होंने भारत देश को रिप्रेजेंट भी किया था. इसके बाद साल 1996 में उन्हें फिल्मी पर्दे पर आने का मौका मिला. उनकी पहली फिल्म थी तेरे मेरे सपने. इस फिल्म में उनके अलावा चंद्रचूड़ सिंह और अरशद वारसी भी थे. ज्यादा बड़ी कास्ट होने के बावजूद प्रिया गिल अपनी सादगी से लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहीं। इसके बाद उन्हें एक और रोमांटिक फिल्म ऑफर हुई. जिसका नाम था सिर्फ तुम. ये अपने आप में एक नायाब फिल्म कहानी थी, जिसमें प्रिया गिल काफी जचीं भी. एक बार फिर उनकी सादगी लोगों के दिलों में घर कर गई. इस फिल्म के बाद उनकी गिनती इंडस्ट्री के बेहतरीन कलाकारों में होने लगी थी और उन्हें उस दौर के शीर्ष स्टार शाहरुख खान के अपोजिट काम करने का मौका मिला. फिल्म में ऐश्वर्या राय शाहरुख खान की बहन बनी थीं. जिनके हीरो थे चंद्रचूड़ सिंह। इन फिल्मों के बाद भी प्रिया के करियर को खास पहचान नहीं मिली. उल्टे कुछ फेक न्यूज के जरिए ये बात भी फैली कि वो फांके के दिन काट रही हैं. ऐसी खबरों के बाद उन्होंने इंडस्ट्री से दूरी बना ली. अब वो शादी करके डेनमार्क में अपने पति के साथ बस चुकी हैं।

सेम टू सेम माधुरी दीक्षित लगती है ये लड़की, मच गया सोशल मीडिया पर हंगामा, पति श्रीराम नेने भी पहचान नहीं पाएंगे

एजेंसी

हमशक्ल या डॉपलगैंगर का वीडियो

नई दिल्ली । बॉलीवुड में आज भी माधुरी दीक्षित का कोई जवाब नहीं है. माधुरी की हर अदा और हर अंदाज के लोग दीवाने हैं. डांस के मामले में तो कोई भी उनकी बराबरी करने वाला नहीं है. उनकी पॉपुलैरिटी का ही असर है कि उनके जैसे दिखने वाले लोग भी पॉपुलर हो रहे हैं. माधुरी दीक्षित की एक खूब वायरल हो रहा है, जिसे देख पहली नजर में तो सच में पहचानना मुश्किल हो जाता है कि ये असली माधुरी नहीं हैं. इंस्टाग्राम पर शेयर हुए वीडियो में माधुरी जैसी दिखने वाली मधु, लाल और गोल्डन साड़ी में दुल्हन के जैसे गहना पहने और मेकअप में माधुरी दीक्षित के गाने पर उनकी तरह एक्सप्रेशन्स देती नजर आ रही हैं। वीडियो में दिख रहीं महिला सच में बिल्कुल माधुरी दीक्षित की तरह नजर आ रही हैं. 'साजन-साजन तेरी दुल्हन गाने पर माधुरी की हमशक्ल बिल्कुल माधुरी की तरह नजर आ रही हैं. साइड से मधु को देखने पर आप भी एक बार चकरा जाएंगे. हुबहू माधुरी सी दिखने वाली मधु उनकी बहुत बड़ी फैन हैं. मधु का इंस्टाग्राम प्रोफाइल इस तरह के वीडियोज से भरा पड़ा है. माधुरी की हमशक्ल के इस वीडियो पर कमेंट करते हुए यूजर्स उनकी तारीफ कर रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, आप एक दम माधुरी दिखती हो. वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, एक दम सेम माधुरी जी. जबकि एक यूजर ने लिखा, कार्बन कॉपी हैं आप. वहं दूसरे यूजर ने लिखा, कोयला फिल्म की माधुरी लग रही हैं।

रातभर भिगोकर सुबह खाली पेट पी लिया इस बीज का पानी, चेहरे पर आएगा ऐसा निखार कि जलने वाले और जलेंगे

सुबह उठने के बाद खाली पेट यानी कि नाश्ता करने से पहले अगर आप धनिया पानी पीते हैं तो यह आपको कई तरह के स्वास्थ्य लाभ दे सकता है. सुबह धनिया पानी स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक माना जाता है. आइए जानते हैं सुबह धनिया पानी पीने के फायदों के बारे में और इसे बनाने की विधि के बारे में भी। रातभर भिगोकर सुबह खाली पेट पी लिया इस बीज का पानी, तो कसकर आंतों से जा लगेगा लटकता पेट, चेहरे पर आएगा ऐसा निखार कि जलने वाले और जलेंगे। हमारे किचन में कुछ ऐसी चीजें होती हैं, जो हमारे हेल्थ के लिए बहुत ही फायदेमंद होती हैं. जिनका इस्तेमाल करके आप अपने आप को हेल्दी रख सकते हैं. कई लोगों को अधिक वजन की समस्या होती है. कुछ लोगों में थायराइड बढ़ जाता है. किसी को डाइजेशन की समस्या होती है. इन सभी समस्याओं के लिए हमारी किचन में मौजूद धनिया बहुत ही हेल्पफुल होता है. धनिये के पानी का यूज करके आप इन सभी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। वजन कंट्रोल करता है- हर दिन सुबह धनिया के बीजों के पानी का इस्तेमाल करने से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है और वजन कंट्रोल करने में हेल्प मिलती है। स्किन को डिटॉक्स करता है - धनिया के बीजों का पानी हमारी त्वचा को डिटॉक्स करने का काम करता है. जिससे हमारे चेहरे पर ग्लो आता है. कई स्किन प्रोबल्म भी खत्म हो जाती हैं। पाचन में मदद करता है - धनिया के बीजों का पानी पीने से डाइजेशन में भी मदद मिलती है.पेट दर्द, अपच, और ब्लोटिंग की समस्या से राहत मिलती है।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्प्लेक्स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।
समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।